*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

कुल पेज 12+4 | मूल्य ₹ 4.00 (निःशुल्क डीबी स्टार सहित) | वर्ष 32, अंक 180 | राजधानी

जियो नो निगेटिव लाइफ | रायपुर, सोमवार 13 अप्रैल, 2020 | वैशाख, कृष्ण पक्ष-6, 2077 | dainikbhaskar.com

सुखद खबर

देश के 80% कोरोना मरीजों को हल्की तकलीफ

नई दिल्ली| स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि कोरोना से देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों में 80% ऐसे हैं, जिन्हें हल्के लक्षण हैं। यानी उन्हें हल्की-फुल्की तकलीफ है।

कोरोना क्विक अपडेट

दुनिया

कुल संक्रमित	कुल मौतें
18.35 लाख	1,13,190
नए संक्रमित	**नई मौतें**
55,535	4,411

4.20 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं।

5 देशों में 11 लाख केस, ब्रिटेन भी चीन से ऊपर

देश	संक्रमित	कुल मौतें
▪ अमेरिका	5,49,949	21,648
▪ स्पेन	1,66,019	16,972
▪ इटली	1,56,363	19,899
▪ फ्रांस	1,32,591	14,393
▪ जर्मनी	1,26,656	2,908
▪ इंग्लैंड	84,279	10,612
▪ चीन	82,052	3,339
▪ ईरान	71,686	4,474
▪ तुर्की	56,956	1,198
▪ बेल्जियम	29,647	3,600

देश

कुल संक्रमित	कुल मौतें
9,136	327
नए संक्रमित	**नई मौतें**
816	40

996 मरीज ठीक हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़

कुल संक्रमित	नए संक्रमित
31	6

10 मरीज ठीक हो चुके हैं।

रायपुर

कुल संक्रमित	नए संक्रमित
5	0

5 मरीज ठीक हो चुके हैं।

लॉकडाउन का उल्लंघन

प्रदेश में 24 घंटे के भीतर 38 केस दर्ज

रायपुर | लॉकडाउन के दौरान आदेश का उल्लंघन और जानकारी छिपाने वाले के खिलाफ 24 घंटे में 38 केस दर्ज किया गया है। इसमें राजधानी में दो केस दर्ज हुआ है। पिछले 19 दिन में राज्य में 615 केस दर्ज हुआ है। अधिकांश में गिरफ्तार हो चुकी है। अब बिना मास्क लगाए और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों पर भी केस दर्ज किया जा रहा है।

कटघोरा से ही 6 नए केस

पढ़ें रेगुलर फ्रंट पेज

ट्रेंड: 15 दिन पहले सबसे ज्यादा संक्रमितों वाला राज्य केरल अब टॉप-10 में भी नहीं, मध्यप्रदेश 10वें स्थान पर था, अब 5वां सबसे संक्रमित राज्य बन चुका है

▪ सबसे ज्यादा संक्रमित महाराष्ट्र और दिल्ली में हैं

28 मार्च		5 अप्रैल		12 अप्रैल	
केरल:	200	महाराष्ट्र:	843	महाराष्ट्र:	1982
महाराष्ट्र:	199	तमिलनाडु:	611	दिल्ली:	1154
कर्नाटक:	83	दिल्ली:	520	तमिलनाडु:	1005
यूपी:	71	तेलंगाना:	358	राजस्थान:	796
दिल्ली:	69	केरल:	324	मध्यप्रदेश:	553
गुजरात:	62	यूपी:	299	तेलंगाना:	503
राजस्थान:	58	राजस्थान:	294	गुजरात:	516

उधर, दुनिया में अमेरिका को छोड़कर सबसे प्रभावित देशों में नए संक्रमित घटने लगे या स्थिर हो चुके हैं

दो हफ्ते का लेखा-जोखा		अमेरिका	स्पेन	इटली	फ्रांस	जर्मनी
नए संक्रमित	29 मार्च- 4 अप्रैल	1,69,058	46,058	26,943	49,779	33,657
	5 अप्रैल-11 अप्रैल	2,19,500	36,859	27,639	39,701	29,360
नई मौतें	29 मार्च- 4 अप्रैल	5,877	5,144	4,583	4,954	903
	5 अप्रैल-11 अप्रैल	12,108	4,659	4,106	6,272	1,427

देश के भंडारों में नौ महीने के लिए अनाज मौजूदः पासवान

नई दिल्ली | केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि पीडीएस के तहत 81 करोड़ लाभार्थियों को बांटने के लिए केंद्र सरकार के पास नौ महीने तक का राशन गोदामों में मौजूद है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। अभी देशभर के गोदामों में 534.78 लाख मीट्रिक टन चावल और गेहूं है, जबकि मासिक जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत आपूर्ति 60 लाख मीट्रिक टन है। आने वाली रबी की फसल की बंपर उपज से और मजबूती मिलने वाली है। इसलिए सरकार का अनुमान है कि दो साल तक के लिए पर्याप्त स्टॉक होगा।

लॉकडाउन बढ़ेगा, लेकिन आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के 3 मानक होंगे- रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन

15 उद्योग खुलेंगे, ग्रीन जोन में बाजार भी

फल-सब्जी बेचने वाले स्ट्रीट वेंडर, धोबी, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक आदि को काम करने की मंजूरी दी जा सकती है

रेड जोन हॉटस्पॉट वाले जिले, वहां पहले की तरह सबकुछ बंद रहेगा

ऑरेंज जोन जिन जिलों में नए मरीज नहीं आ रहे, पुराने मरीज बेहद कम

ग्रीन जोन संक्रमण मुक्त जिले, वहां व्यापारिक गतिविधियां शुरू होंगी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

कोरोना से जंग के लिए 14 अप्रैल के बाद दो सप्ताह तक लॉकडाउन जारी रहना तय है। लेकिन, उद्योग मंत्रालय ने टेक्सटाइल, निर्माण, जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे 15 बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में काम शुरू करने की सिफारिश की है। साथ ही स्ट्रीट वेंडर्स को पहचानपत्र के साथ काम करने की मंजूरी देने की भी बात कही गई है। हालांकि, इस बारे में आखिरी फैसला प्रधानमंत्री के स्तर पर होना है। लॉकडाउन में छूट कोरोना संक्रमण के फैलाव, भविष्य की आशंका और एक्टिव मामलों के आधार पर मिलेगी। सरकार देश के इलाकों को राज्यों के बजाय कोरोना के संक्रमण के स्तर के हिसाब से रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन में बांटकर ढील संबंधी नियम तय करेगी। अभी हॉटस्पॉट वाले जिले रेड जोन में रहेंगे। ऑरेंज और ग्रीन जोन में बाजार खोले जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए समय सीमित किया जा सकता है। लेकिन, सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और खेल संबंधी आयोजनों पर पाबंदी बनी रहेगी। सिनेमा हॉल, मॉल्स, पार्क, समुद्र तट, पर्यटन स्थल, धर्मस्थल और शिक्षण संस्थान भी नहीं खुलेंगे।

ये शर्तें बताई गईं...

▪ कामगारों के प्रवेश का एक ही एंट्री पॉइंट होना चाहिए। ▪ श्रमिकों को लाने के लिए अलग से परिवहन व्यवस्था या उनके ठहरने के लिए फैक्ट्री परिसर में इंतजाम हो।

केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्रः पढ़ें पेज-5

टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, निर्माण क्षेत्र में काम संभव

▪ **टेक्सटाइल, ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग** में एक शिफ्ट में काम शुरू होगा। लेकिन, कर्मचारियों की संख्या 25-30% तक ही रहेगी।
▪ **एमएसएमई** में कम कर्मचारियों के साथ काम होगा।
▪ **हाउसिंग और निर्माण** क्षेत्रों में काम शुरू होगा, बशर्ते श्रमिकों के रहने की व्यवस्था साइट पर ही हो। सैनिटाइजेशन का विशेष प्रबंध करना होगा।
▪ **सीमेंट कंपनियों** में डिमांड बढ़ने पर तीन शिफ्टों में भी काम हो सकता है।
▪ **जेम्स एंड ज्वेलरी** यूनिट्स में काम शुरू किया जा सकता है।
▪ खाद्य और पेय पदार्थ बनाने वाली इकाइयां शुरू होंगी।
▪ हैवी इलेक्ट्रिकल आइटम्स जैसे ट्रांसफॉर्मर आदि।
▪ दूरसंचार उपकरण, फाइबर केबल बनाने का काम।
▪ कंप्रेशर और कंडेंसर इकाइयां स्टील और लौह मिश्र धातु मिलें स्पिनिंग, जिनिंग, पावरलूम
▪ रक्षा और रक्षा सहायक इकाइयां
▪ पल्प और पेपर इकाइयां
▪ उर्वरक संयंत्र
▪ पेंट्स और डाई निर्माण
▪ बीज प्रसंस्करण इकाइयां
▪ प्लास्टिक निर्माण इकाइयां
▪ एसईजेड और ईओयू।

पंजाब में कर्फ्यू पास मांगने पर कोरोना योद्धाओं पर हमला

निहंगों ने एएसआई का हाथ काटा, डॉक्टरों ने 7 घंटे में जोड़ दिया

राहगीर ने हाथ उठाकर एएसआई को सौंपा

एएसआई हाथ लेकर खुद ही अस्पताल गए

डॉक्टरों ने सर्जरी में सफलता हासिल की

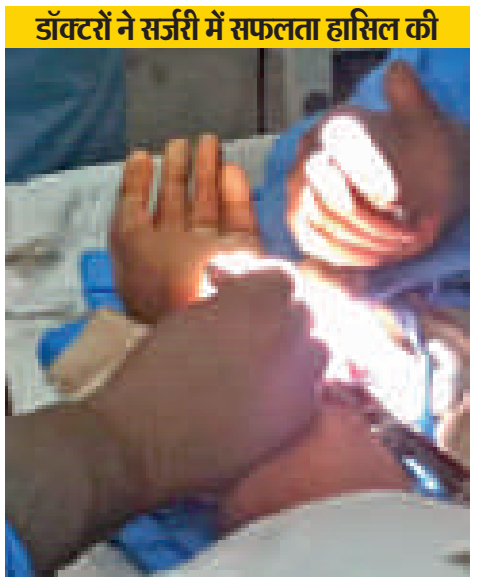

पटियाला | लॉकडाउन का पालन कराने में लगे सुरक्षाकर्मियों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला पंजाब का है। पटियाला में कर्फ्यू पास मांगने पर निहंगों ने पुलिस पर धारदार हथियारों से हमला कर किया। एएसआई हरजीत सिंह का हाथ काटकर अलग कर दिया। एक राहगीर ने हाथ उठाकर एएसआई को दिया। वे खुद ही अस्पताल गए। वहां से उन्हें चंडीगढ़ रेफर किया गया। चंडीगढ़ में सात घंटे की सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने हाथ को जोड़ दिया। हालांकि, एएसआई की हालत गंभीर बनी हुई है। दूसरी ओर, पुलिस ने 1 महिला समेत गुरुद्वारे में छिपे 11 निहंगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से हथियारों के अलावा 5 बोरी चूरापोस्त और 33 लाख रुपए की नकदी भी मिली है।

किस जोन में क्या छूट होगी, क्या नहीं

हॉस्पिटिलिटीः सिर्फ ग्रीन जोन में शुरू | रेड और ऑरेंज जोन में सभी होटल, रेस्त्रां, लॉज और गेस्टहाउस बंद रहेंगे। ग्रीन जोन में खुल सकते हैं।

परिवहनः रेड और ऑरेंज जोन में नहीं | ग्रीन जोन में लोकल परिवहन खोलने की छूट दी जाएगी। लेकिन, रेड और ऑरेंज जोन में सार्वजनिक परिवहन नहीं चलेगा।

उड़ान सेवाः सिर्फ चुनिंदा देशों के लिए | भारत से बाहर जाने के लिए विशेष व कमर्शियल उड़ानों की ही छूट होगी। कुछ देशों के लिए उड़ान की छूट।

आबकारी मामलेः राज्य नियम बनाएंगे | शराब की दुकानें खोलने की मंजूरी होगी। इनमें कलर कोडिंग का स्तर राज्य सरकारें खुद तय करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना से ठीक होकर घर लौटे ब्रिटिश पीएम

लंदन | कोरोनावायरस से ठीक होने के बाद ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन रविवार को घर लौट आए। कोरोना संक्रमित होने के 10 दिन बाद वे पिछले रविवार सेंट थॉमस अस्पताल में भर्ती हुए थे। पूरी तरह ठीक होने तक वे घर पर ही रहेंगे।

पिथौरा थाने का मामला, मुख्य आरोपी फरार

लूट के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, टीआई समेत 7 घायल

भास्कर न्यूज | पिथौरा/महासमुंद

लूट और मारपीट के एक आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी सहित परिजनों ने हमला कर दिया। घटना में टीआई समेत सात पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। घटना रविवार सुबह पिथौरा थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के समीप की है। घटना के बाद मुख्य आरोपी फरार हो गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी गोपाल पांडे सहित उसके परिवार के 8 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। पिथौरा टीआई कमला पुसाम ने बताया कि मैं और मेरी टीम सुबह 8 बजे वार्ड नंबर 15 में गोपाल पांडे को गिरफ्तार करने गई थी। आरोपी गोपाल उस वक्त बस स्टैंड में टहल रहा था। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा। टीम ने उसके घर के सामने ही उसे पकड़ लिया। इसी दौरान उसके घर के लोग लाठी, कत्तल लेकर आए और टीम पर हमला कर दिया, जिससे टीआई के हाथ व पैर में चोटें आई है। साथ ही एएसआई मनोरथ जोशी के सीने और पीठ में काफी चोट आई। वहीं अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। इस बीच मौका पाकर मुख्य आरोपी फरार हो गया।

निगेटिव न्यूज सेक्शन • सिर्फ वही नकारात्मक खबर जो आपको जानना जरूरी है

बलौदाबाजार

पति-पत्नी व बेटे की धारदार हथियार से अज्ञात ने मार डाला

पलारी | बलौदाबाजार जिले के छेरकाडीह (जारा) गांव में शनिवार की रात पति-पत्नी और बेटे की धारदार हथियार से अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी। मृतकों में यशवंत साहू (47), पत्नी महेश्वरी (40) और बेटा देवेंद्र (16) शामिल हैं। घटनास्थल पलारी से 25 किमी दूर है। मृतक के छोटे भाई पूर्व सरपंच जितेंद्र साहू ने रविवार को पलारी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम के साथ आला पुलिस अफसर जुटे हैं। एसपी प्रशांत ठाकुर ने बताया कि यशवंत साहू और बेटा देवेंद्र एक कमरे में अलग-अलग बिस्तर पर सो रहे थे। शेष | पेज 5

अंबिकापुर

दो व्यवसायी भाइयों की दोस्त ने गोली मारकर हत्या कर दी

अंबिकापुर | शहर में दो व्यापारी चचेरे भाई सौरभ अग्रवाल व सुनील अग्रवाल की रुपए के लेन-देन में साथी आकाश गुप्ता ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों भाई शुक्रवार शाम इनोवा में अपने घर से निकले थे। इसके बाद से दोनों लापता थे। उनके परिजन ने पुलिस को दोनों के लापता होने की सूचना दी थी। पुलिस दोनों की खोजबीन कर रही थी। पुलिस ने बताया कि मृतक व्यापारियों की पड़ोसी आकाश गुप्ता व उसके साथी सूरजपुर के ग्राम कसकेला निवासी श्रवण ने अपने ही घर में गोली मारकर हत्या की थी। दोनों के शव पीछे के कमरे में खोदे गड्ढे में दफना दिए थे। शेष | पेज 5

बिश्रामपुर

इधर, खदान धंसने से तीन की मौत, जेसीबी से निकाले शव

बिश्रामपुर | शहर में छुही की खुदाई के दौरान खदान धंसने से तीन की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जयनगर थाना अंतर्गत जमदेई गांव के केराबहरा बस्ती निवासी सुनितन बाई (38), अपने बेटे तुमन (14) व पड़ोसी महिला प्रेमलता (21) रविवार को घर से नदी किनारे छुही लेने गए थे। तीनों खोहनुमा स्थान के भीतर छुही की खुदाई करने घुसे। इसी दौरान खदान का टीला भरभरा कर उनके ऊपर आ गिरा। मलबे में दबने से मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। वहां कुछ दूरी पर छुही की खुदाई कर रहीं दूसरी महिलाओं ने हादसे की जानकारी ग्रामीणों को दी। शेष | पेज 5

दिल्ली में भूकंप के झटके, नुकसान नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

कोरोनावायरस के बीच इन दिनों घर में रहने को मजबूर दिल्लीवासी रविवार शाम को भूकंप के झटकों से दहशत में आ गए। शाम 5.45 बजे महसूस किए गए इन झटकों को रिक्टर पैमाने पर 3.5 बताया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक भूकंप का केंद्र दिल्ली में ही होने के कारण रिक्टर स्केल पर कम तीव्रता का होने के बावजूद कुछ तेज महसूस हुए। कुछ सेकंड तक इनका असर रहा जिससे लोग घरों के बाहर आ गए। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के मुताबिक पूर्वोत्तर दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 8 किमी की गहराई पर इस भूकंप का केंद्र था।

भास्कर खास • इस साल कम मुहूर्त के बीच कोरोना और लॉकडाउन ने बिगाड़ा शादियों का कारोबार

शादियों पर संकटः 15 अप्रैल से मई तक 12 मुहूर्त, पर विवाह टल रहे; जून में 3 मुहूर्त पर रहेगा दबाव, फिर मार्च तक सिर्फ 6 लग्न

भास्कर न्यूज | उज्जैन (मप्र)

कोरोनावायरस का आतंक वैवाहिक आयोजनों पर भी भारी पड़ रहा है। अप्रैल में 15 तारीख से विवाह मुहूर्त की शुरुआत हो रही है और इस माह कुल पांच मुहूर्त हैं, लेकिन लॉकडाउन के चलते न सिर्फ अप्रैल, बल्कि मई की शादियों के आयोजन भी कैंसिल हो रहे हैं। वैसे भी इस साल शादियों के मुहूर्त कम ही हैं। सबसे ज्यादा 12 मुहूर्त अप्रैल और मई में ही हैं। सख्त लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग की चिंता के चलते लोग मई को लेकर भी आशंकित हैं। इसके चलते जून में शादियों का दबाव बढ़ सकता है। हालांकि, जून में सिर्फ 3 मुहूर्त हैं। इसके बाद अगले साल मार्च तक 6 शुभ तिथियां हैं। पंडितों, होटल व मैरिजगार्डन संचालकों और कैटरर्स का कहना है कि शादी के इस सीजन में कारोबार ही ठप हो गया है।

जुलाई से 24 नवंबर तक कोई मुहूर्त ही नहीं, नवंबर-दिसंबर में दो-दो ही

2020 में विवाह मुहूर्त

अप्रैलः 15, 20, 25, 26, 27
मईः 1, 2, 4, 6, 17, 18, 19
जूनः 13, 15, 30 तारीख
1 जुलाई से 24 नवंबर तक शुभ मुहूर्त नहीं।
नवंबरः 25, 30
दिसंबरः 7, 9

2021: जनवरी, मार्च में मुहूर्त नहीं

जनवरीः कोई मुहूर्त नहीं
फरवरीः 15, 16
मार्चः कोई मुहूर्त नहीं।

इस वर्ष कब-कब विवाह के मुहूर्त नहीं

▪ 29 मई से 12 जून तक शुक्र अस्त, विवाह नहीं होंगे।
▪ 1 जुलाई को देवशयनी एकादशी से 24 नवंबर तक।
▪ 15 दिसं. से 14 जनवरी 21 तक धनु संक्रांति के कारण।
▪ 19 जनवरी से 11 फरवरी 21 तक गुरु अस्त होने से।
▪ 21 फरवरी से 12 अप्रैल 2021 तक शुक्र अस्त होने से।

3.80 लाख करोड़ रुपए का है सालाना बाजार

भारत में शादियों का बाजार 3.80 लाख करोड़ रुपए का है, जो हर साल तेजी से बढ़ रहा है। 130 करोड़ की आबादी वाले देश में हर साल 1-1.2 करोड़ शादियां होती हैं।

पंडित बोले- अच्छा सीजन पूरी तरह खराब हो गया

पं. श्याम नारायण व्यास का कहना है कि अप्रैल, मई और जून की 45 शादियां बुक थीं। लॉकडाउन के चलते सभी कैंसिल हो गई हैं। पूरा सीजन खराब हो गया है।

लॉकडाउन के बीच पुलिस को चकमा देने का पैंतरा

अमूल दूध की गाड़ी में कच्ची शराब बनाने रायपुर से ले जा रहे थे महुआ, 10 टन जब्त

भास्कर न्यूज | रायपुर

रायपुर से अमूल दूध के ट्रक में कच्ची शराब बनाने के लिए तखतपुर ले जा रहे 10 टन महुआ पुलिस ने जब्त किया है। महुए की कीमत ढाई लाख है। लॉकडाउन के दौरान यह दूसरा मामला है। इससे पहले लोरमी थाने में महुए की तीन अलग-अलग गाड़ियां जब्त की गई हैं। लॉकडाउन के कारण शराब की दुकानें बंद हुईं तो कच्ची शराब की अवैध बिक्री शुरू हो गई है। आलम यह है कि सामान्य दिनों में 20-30 रुपए लीटर में बिकने वाली महुए की शराब 200-300 रुपए में बिक रही है। अवैध शराब की शिकायतों के बाद मुंगेली एसपी डी. श्रवण ने खासतौर पर निगरानी के निर्देश दिए थे। इसी जांच के दौरान दो दिन पहले लोरमी के पास पेंड्री तालाब चेक पोस्ट में तीन अलग-अलग गाड़ियों में ढाई लाख से ज्यादा कीमत का महुआ जब्त किया गया था। शेष | पेज 5

इसी गाड़ी में ले जा रहे थे महुआ।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

दैनिक भास्कर

रायपुर फ्रंट पेज

सूर्यास्त (सोमवार) 6.11 बजे | सूर्योदय (मंगलवार) 6.19 बजे

सोमवार 13 अप्रैल, 2020

शहर में हफ्तेभर में गर्मी 43 डिग्री होने के आसार, सतह पर पानी की बूंदें भी जल्दी सूखेंगी

मंडे पॉजिटिव

ठाकुरराम यादव | रायपुर

राजधानी रायपुर में रविवार को दिन का तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है। मौसम विज्ञानियों के संकेत दिए हैं कि अगले सात दिन यानी रविवार तक रायपुर समेत मैदानी इलाकों में दोपहर का तापमान 43 से 44 के बीच पहुंच सकता है। गर्मी बढ़ने की वजह से एक बार फिर शहर में चर्चा शुरू हरो गई कि इतने तापमान से क्या राहत मिलेगी? विशेषज्ञों का कहना है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) समेत दुनियाभर के वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना वायरस पर ज्यादा तापमान से असर होने का कोई प्रमाण नहीं है, कोई परीक्षण भी नहीं हुआ। राजधानी के विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी वायरस (कोरोना नहीं) पर गर्मी के असर की बातें पूर्व में सामने आ चुकी हैं, लेकिन वे इस बात की पुष्टि भी नहीं कर रहे हैं कि इतनी गर्मी कोरोना वायरस पर असर डालेगी या नहीं।

प्रदेश में एक बार फिर देश के पश्चिमी हिस्से यानी मरुस्थल की ओर से सूखी और गर्म हवा आने लगी है। इसके असर से रविवार को राजधानी का तापमान 40 डिग्री और बिलासपुर का 41 डिग्री पर पहुंच गया। भास्कर को कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि रविवार को सॉइल टेंपरेचर (मिट्टी वाली सतह) का तापमान 45 डिग्री के करीब रिकार्ड किया गया। इसका आशय ये है कि सतह पर पानी की बूंदें पड़ेंगी तो वह बहुत तेजी से सूख जाएंगी। इसी को कुछ विशेषज्ञ इस बात से जोड़ रहे हैं कि किसी के छींकने, नाक-मुंह से निकले पानी की बूंदें या ड्रापलेट्स अगर सतह, रेलिंग, टेबल या किसी भी ऐसी वस्तु पर गिरेंगे जो खुले में हो, तो वह बूंदें भी जल्दी सूखकर उड़ जाएंगी। राजधानी के बड़े निजी अस्पताल के डायरेक्टर डा. संदीप दवे ने कहा कि नमी जल्दी सूखने का मतलब यही है कि इंफेक्टेड ड्रापलेट्स भी सतह पर जल्दी सूखेंगे।

अल्ट्रावायलेट किरणें भी प्रभावी

राजधानी के मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यहां तापमान 40 डिग्री और उससे ऊपर हो तो अल्ट्रावायलेट (पराबैगनी) किरणें काफी मात्रा में बरसती हैं। तापमान 43 से 45 डिग्री के बीच हो तो ये किरणें हानिकारक हो जाती हैं और त्वचा में जलन होने लगती है। इस तापमान में मच्छर समेत कई तरह के बैक्टीरिया खत्म होने के भी प्रमाण हैं। ऐसे में पारा 40 डिग्री से ऊपर जाएगा तो इसका असर हो सकता है।

इस हफ्ते संभावित तापमान

13 अप्रैल -	41 डिग्री
14 अप्रैल -	42 डिग्री
15 अप्रैल -	42 डिग्री
16 अप्रैल -	42 डिग्री
17 अप्रैल -	43 डिग्री
18 अप्रैल -	42 डिग्री
19 अप्रैल -	43 डिग्री

गर्मी का वायरल इंफेक्शन पर असर या नहीं, देश-प्रदेश के वैज्ञानिकों की राय

इंफेक्शन पर असर पर कोरोना में पुष्टि नहीं : आईसीएमआर

देश के एक अंग्रेजी दैनिक में इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर बलराम भार्गव कह चुके हैं कि अभी इस बात के प्रमाण नहीं हैं कि गर्मी बढ़ने से कोरोना वायरस पर कोई असर होगा। लेकिन यह प्रमाण हैं कि गर्मी बढ़ने से वायरल इंफेक्शन कम होते हैं।

तापमान पर रिसर्च नहीं पर केस कम हुए तो असर की पुष्टि होगी

रायपुर मेडिकल कालेज में माइक्रोबायोलाजी विभाग के एचओडी डा. अरविंद नेरल ने कहा कि अभी तक देश-विदेश में किसी भी इंस्टिट्यूट ने ऐसा कोई रिसर्च नहीं किया है, जिससे यह पुष्टि हो सके कि गर्मी से कोरोना नष्ट हो जाएगा या नहीं भी होगा। तापमान बढ़ने से केस कम होने लगेंगे, तब यह देखने की बात है।

सतह की गर्मी बढ़ने से बैक्टीरिया कीटाणु नष्ट होते हैं : वैज्ञानिक

लालपुर मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने कहा कि राजधानी में तापमान 40 और बिलासपुर में 41 डिग्री पहुंच गया है। कुछ दिनों में तापमान बढ़ेगा। अल्ट्रावायलेट किरणें भी प्रभावी हो जाएंगी। सतह का तापमान बढ़ेगा। इससे कीटाणु और बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। कोरोना पर असर देखना होगा।

सेनिटाइज नहीं तो पकड़ेगा ड्रैगन... पुरानी बस्ती समेत कई इलाकों में ऐसा प्रयोग

पहली बार बिना मास्क पर सख्ती, 10 गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर | रायपुर

राजधानी में बिना मास्क लगाए घूमने वालों पर पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी हैं। राजातालाब, ईरानी डेरा इलाके में रविवार दोपहर 1 बजे बिना मास्क लगाए बेवजह घूमने वाले 10 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ आदेश उल्लंघन की कार्रवाई की गई और उन्हें जेल भी भेज दिया गया। पुलिस ने मोपेड-बाइक भी जब्त किया है। कुछ जगहों पर पुलिस ने पुशअप, उठक-बैठक कराया और मुर्गा भी बनवाया।

पुलिस ने बताया कि राजातालाब इलाके में रविवार दोपहर 1 बजे मानस यादव, आकाश बंजारे और कुबेर छेदइया एक मोपेड पर घूम रहे थे। तीनों ने मास्क नहीं लगाया था और मुंह में कपड़ा भी नहीं बांधा था। पुलिस को देखकर तीनों भागने की कोशिश रहे थे। उन्हें दौड़कर पकड़ लिया। जब उनसे पूछा गया कि कहां जा रहे हैं, तो तीनों घर से बाहर निकलने का उचित कारण नहीं बता पाए। तीनों को गिरफ्तार करके उनका मोपेड जब्त कर लिया गया। वहीं दोपहर 2 बजे ईरानी डेरा इलाके में मकबूल खान, अफसर इकबाल, इमरान खान, दानिश खान, गोपाल तांडी, अमित सिन्हा और हरीशचंद्र सड़क पर टहल रहे थे। सातों में चार लोगों ने ही मुंह में कपड़ा बांधा था, बाकी तीन बिना मास्क लगाए घूम रहे थे। जबकि आरोपियों का पता है कि शहर में धारा 144 लागू है। इसके बाद भी पांच से ज्यादा लोग एक साथ इकट्ठा हुए थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

काम की खबर • रायपुर में 700 लोगों ने 28 दिन पूरे किए, वे बिना किसी को सूचना दिए अपने घर में घूम सकते हैं

होम क्वारेंटाइन 14 नहीं बल्कि 28 दिन कोरोना के लक्षण नहीं, तो टेस्ट भी नहीं

भास्कर न्यूज | रायपुर

राजधानी में ऐसे लोग जिन्हें विदेश व दूसरे राज्यों की यात्रा के बाद 14 दिन के लिए होम क्वारेंटाइन (घर में ही) कर दिया गया था, उन सभी को 28 दिन क्वारेंटाइन ही रहना होगा। वजह ये है कि संक्रमण का खतरा बढ़ता देख शासन ने खामोशी से होम क्वारेंटाइन की अवधि 14 से बड़ाकर 28 दिन कर दी है। रायपुर में अब तक 700 लोग होम क्वारेंटाइन के 28 दिन पूरे कर चुके हैं। ये सुरक्षित हैं और अपने पूरे घर में घूम सकते हैं, परिजनों के साथ रह सकते हैं। अगर उन्हें कोई लक्षण नहीं है तो सूचना देने की जरूरत नहीं है। हेल्थ अमला समय के अनुसार घर में आकर ब्योरा ले लेगा। क्वारेंटाइन के दौरान टेस्ट करवाने के लिए भी बार-बार प्रशासन को फोन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह तय कर लिया गया है कि इस दौरान जिन्हें आकर 14 दिन होम क्वारेंटाइन रहने वाले लोगों को अब 28 दिन तक वैसे ही रहना होगा। शासन की तरफ से 14 दिन होम क्वारेंटाइन रहने सर्दी-बुखार और सांस लेने में तकलीफ शुरू होगी, टेस्ट उन्हीं का किया जाएगा।

राजधानी में अब भी ऐसे 270 लोग बचे हैं, जिनके होम क्वारेंटाइन की 28 दिन की अवधि पूरी नहीं हुई है। दरअसल प्रदेश में 70 हजार से ज्यादा लोग होम या सरकारी क्वारेंटाइन में हैं। जिनके घर के सामने क्वारेंटाइन का पर्चा चस्पा है, वे कोरोना की वजह से बेचैन भी हैं। राजधानी में विदेश से आने वाले हर व्यक्ति को कोरोना संक्रमण के लक्षण नहीं मिलने के बाद भी उन्हें शुरूआत में 14 दिन के लिए होम क्वारेंटाइन रहने के निर्देश दिए गए थे। उन्हें कहा गया था कि एक कमरे में अलग रहें, किसी से संपर्क न करें।

कोरोना टेस्ट आज से मेडिकल कालेज में भी अब रोज करीब 350 सैंपलों की जांच संभव

कोरोना के शक में लिए जाने वाले स्वाब सैंपलों की जांच अब रायपुर एम्स और जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के बाद सोमवार से रायपुर मेडिकल कॉलेज में भी होने लगेगी। इसके लिए रविवार को मेडिकल कालेज की वायरोलॉजी लैब को 1500 जांच किट मिल गई हैं। इस लैब में तीन शिफ्ट में रोजाना 90 सैंपल जांचे जाएंगे। अभी प्रदेश में दो जगह को मिलाकर रोज लगभग 200 से 250 तक सैंपल जांचे जा रहे हैं। मेडिकल कालेज की लैब को मिलाकर यह संख्या 300 से 350 सैंपल प्रतिदिन हो जाएगी। यहां भी जांच निशुल्क होगी, लेकिन वही सैंपल जांचे जाएंगे जिन्हें सरकारी एजेंसियां इकट्ठा कर भिजवाएंगी। दरअसल स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने शनिवार को वायरोलॉजी लैब के निरीक्षण के बाद अफसरों से कहा था कि जांच किट जल्दी मिल जाएंगे। ये एक दिन बाद ही लैब में पहुंच गए। गौरतलब है, केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते ही पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को कोरोना जांच की अनुमति दे दी थी। इस लैब में 24 घंटे में तीन शिफ्टों में 90 सैंपलों की जांच होगी। एक दिन में सैंपलों की जांच की संख्या भी बढ़ जाएगी। मेडिकल कालेज में माइक्रोबायोलॉजी के एचओडी डॉ. अरविंद नेरल ने बताया कि जांच के लिए विभाग पहले ही तैयारी कर चुका है। केवल जांच किट का इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इसी लैब में चार साल पहले से स्वाइन फ्लू की जांच भी हो रही है, इसलिए कोरोना सैंपलों की जांच करने में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आएगी।

जैसे 14 दिन रहे, बाकी भी उसी तरह

सर्विलांस ऑफिसर डॉ. एसके सिन्हा ने बताया कि विदेश व राज्यों से यहां आने वाले लोगों की पहचान की गई थी। 14 मार्च के पहले राजधानी में आने वाले 700 लोगों के 28 दिन होम क्वारेंटाइन के पूरे हो गए हैं। क्वारेंटाइन नहीं रहना है, लॉकडाउन होने से जरूर वे घरों में ही रहेंगे।

गायब 76 में 15 का पुलिस को फोन

विदेश से आकर शासन से संपर्क न करने व गलत मोबइल-पते वाले 76 लोगों में 15 ने पिछले दो दिन के अंदर संपर्क कर अपनी जानकारी दी है। महीनेभर ऐसे लोगों को ट्रेस करने के बाद भी जब उनकी जानकारी गलत होने से संपर्क नहीं हो पाया तो हेल्थ विभाग ने पुलिस की मदद लेने की बात कही थी।

कोरोना अपडेट

रायपुर
1397 संदिग्ध अब तक
05 कोरोना पॉजिटिव
1392 कोरोना निगेटिव

8933 देश में

31 प्रदेश में

फेक न्यूज

कुम्हारी में कोरोना के मरीज मिलने का हल्ला

पेंड्रारोड व कुम्हारी में कोरोना के मरीजों के मिलने का हल्ला रहा। कुछ लोग सोशल मीडिया में इन फेक खबरों को वायरल भी कर रहे थे। प्रशासन की चेतावनी के बावजूद लोग फेक न्यूज सोशल मीडिया में वायरल करने से बाज नहीं आ रहे हैं। दोनों ही स्थानों पर कोरोना का कोई मरीज नहीं मिला है। अफवाह फैलाने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने अभी तक किसी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की है। इसलिए लोग फेक न्यूज लगातार सोशल मीडिया में वायरल कर रहे हैं।

एक्सपर्ट से जानिए

दिनचर्या नियमित तो डिप्रेशन नहीं

लॉकडाउन कब हटेगा ये अभी निश्चित नहीं है। बतौर चिकित्सक हमारी सलाह है कि सावधानी और सतर्कता को अब रूटीन का हिस्सा बनाने की जरूरत है। स्वाभाविक तौर पर लॉकडाउन अब कुछ लोगों को बोझिल सा महसूस हो रहा होगा। कुछ लोग आलस्य भी फील कर रहे होंगे। इसलिए अब अपनी दिनचर्या को पहले की तरह नियमित करने की कोशिश करें। इससे डिप्रेशन को कम करने में काफी मदद मिलेगी। वहीं लॉकडाउन हटने के बाद तुरंत काम पर लौटने में ज्यादा दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एक्सपर्ट: डॉ.मनोज साहू, एचओडी मनोरोग विभाग, अंबेडकर अस्पताल

हेल्पलाइन

टोल फ्री नं.- 104, 0771-2235091 (कार्यालयीन समय)

पीलिया की वजह से रोजाना सुबह साढ़े 6 से साढ़े 7 तक बिजली बंद

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

शहर में तेजी से फैल रही पीलिया को नियंत्रित करने के लिए रायपुर कलेक्टर ने रोज सुबह साढ़े छह से साढ़े सात तक बिजली बंद रखने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने बिजली कंपनी के चीफ इंजीनियर को जारी पत्र में कहा है कि पंप से पानी खींचने की वजह से नलों में गंदा पानी आने की संभावना अधिक है। इसलिए नल खुलने से उसके बंद होने के समय तक रोज लगभग एक घंटे तक बिजली बंद रहेगी। राजधानी के अलग-अलग इलाकों में इस समय पीलिया के मरीजों की संख्या करीब डेढ़ सौ पहुंच गई है। राज्य शासन ने रायपुर में पीलिया को नियंत्रित करने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग के सहायक संचालक डा. अमृत चोपड़ा को नियुक्त किया है। उन्होंने प्रभावित जोन-2 और जोन-5 के अफसरों की बैठक लेकर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान कुछ जगहों पर पुरानी पाइपलाइनों और उनके नालियों व नालों के ऊपर से गुजरने की वजह से गंदा पानी पहुंचने की शिकायतें मिलीं। अफसरों का कहना है कि आज ज्यादातर लोग नलों में सीधे पंप लगाकर पानी ऊपर चढ़ाते हैं। पंप से पानी खींचने के कारण यदि पाइप में लीकेज है और वह नालियों से गुजर रहा है तो नाली का पानी भी तेजी से पाइप के भीतर पहुंच जाता है।

राजधानी से 30 तक फ्लाइट नहीं शुरू हुईं तो कम रखी जाएंगी सीटें

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | रायपुर

राजधानी से कोई भी फ्लाइट 30 अप्रैल के बाद ही शुरू हो पाएगी। यहां से तीन कंपनियों के विमान देश के अलग-अलग शहरों में जाते-आते हैं। इनमें से कुछ दो एयरलाइंस ने टिकटों की बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है, लेकिन राजधानी में 30 अप्रैल तक किसी भी शहर के लिए हवाई टिकटों की बुकिंग नहीं होगी। रायपुर से संचालित होने वाली 24 उड़ानों का संचालन केवल तीन ही एयरलाइंस करती हैं। इसमें आधे से ज्यादा फ्लाइट इंडिगो और बाकी उड़ानें एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस की हैं। दो एयरलाइंस ने लॉकडाउन खुलने के पहले ही यह घोषणा कर दी है वो 30 अप्रैल के बाद ही उड़ानें शुरू करेंगे। इस वजह से रायपुर में विमानों का आना-जाना 30 अप्रैल तक बंद रहेगा। विस्तारा एयरलाइंस ने भी संकेत दे दिए हैं कि रायपुर से उसकी दिल्ली के लिए दो उड़ानें अगले महीने से ही शुरू होंगी। रायपुर से सबसे ज्यादा फ्लाइट दिल्ली और मुंबई के लिए ही संचालित की जाती है। इसलिए ज्यादा परेशानी लॉकडाउन खुलने के बाद भी दिल्ली और मुंबई आने-जाने वालों को ही होगी।

कोरोना हारेगा भारत जीतेगा

अपील

पूरा देश माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक महामारी कोरोना पर नियंत्रण हेतु मजबूती से लड़ रहा है। संकट की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार अपने हर नागरिक, चाहे वह उत्तर प्रदेश में निवास करता हो या देश के अन्य किसी राज्य में रह रहा हो, के साथ पूरी प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। विशेषज्ञों की राय में कोरोना वायरस के संक्रमण चक्र को तोड़ने के लिए लॉकडाउन एवं सोशल डिस्टेन्सिंग ही एकमात्र विकल्प है।

उत्तर प्रदेश सरकार अन्य राज्य सरकारों से समन्वय स्थापित कर वहां रहने वाले प्रत्येक उत्तर प्रदेश वासी को हर संभव सहायता उपलब्ध करा रही है। हर राज्य के लिए एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को उस प्रदेश का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए नोडल अधिकारियों के दूरभाष अथवा मोबाइल नम्बर पर संपर्क किया जा सकता है।

कोरोना वायरस के विरुद्ध लड़ाई में मेरा विनम्र अनुरोध है कि आप लॉकडाउन एवं सोशल डिस्टेन्सिंग का कड़ाई से पालन करें। लॉकडाउन के दौरान जहाँ हैं, वहीं रहें । यही आप और आपके परिवार के उत्तम स्वास्थ्य एवं देश के सुरक्षित भविष्य के लिए उपयुक्त है।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

छत्तीसगढ़ के लिए नामित नोडल प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी

समीर वर्मा
सचिव
7007304242, 0522-2234654

दीपक रतन
पुलिस महानिरीक्षक
9454400157, 9454402555

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नं.: 1076

मुख्यमंत्री ट्विटर हेल्पलाइन : @CMHelpline1076

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

भास्कर खास • शराब दुकानों, ठेले-गुमटियों के बंद रहने से कम हुआ कचरा

लॉकडाउन में अच्छी खबर... प्लास्टिक कचरा निकलता था रोज 50 हजार किलो, अब 10 हजार किलो भी नहीं

अमिताभ अरूण दुबे | रायपुर

लॉकडाउन के शहर के पर्यावरण पर कुछ अच्छे नतीजे भी सामने आ रहे हैं। राजधानी में आम तौर पर रोजाना करीब 50 हजार किलो प्लास्टिक कचरा निकलता था। नो प्लास्टिक मुहिम छिड़ी थी, तब इसमें कई आई थी लेकिन प्लास्टिक वेस्ट आधा ही हुआ था यानी रोज 25 हजार टन के आसपास। लेकिन लॉकडाउन के कारण हालात ये हैं कि पिछले 10 दिन से 10 हजार किलो प्लास्टिक वेस्ट भी शहर में नहीं निकल रहा है। निगम के सफाई अमले का मानना है कि बड़े बाजार, चौपाटियों के साथ शराब और चखने की दुकानें बंद होने के कारण ऐसा हुआ है।

निगम के सफाई विभाग के एक अनुमान के

मुताबिक प्रतिदिन प्लास्टिक कचरे में 35 हजार किलो तक की कमी दर्ज की गई है। केवल घरों से निकलना वेस्ट वो भी ऐसी सामग्रियों का जो प्लास्टिक वाली पैकिंग में आती है, उसकी वजह से हो रहा है। अफसरों के अनुसार एक वजह ये भी है कि बाजार बंद रहने से प्लास्टिक की झिल्लियां बिकना बंद हो गई हैं। इस वजह से सब्जी, राशन तथा दूसरी दुकानों से जो भी पॉलीथिन लोगों को मिल रही है, वह बाहर फिंकने के बजाय घर पहुंच रही है। घर से यह सीधे कचरा गाड़ियों में पहुंच रही है। शराब, चखना और ठेले-गुमटियों का वेस्ट घर न आकर सड़कों पर ही बिखर जाता है। यह बंद हैं, इसलिए प्लास्टिक सड़कों पर भी नहीं फैल रहा है।

घरों का कचरा उतना ही

सॉलिड वेस्ट यानी घरों से निकल रहे कचरे का मात्रा में लॉकडाउन के दौरान कोई कमी नहीं हुई है। एक अच्छी बात ये हुई है कि लोग यहां-वहां कचरा फेंकने के बजाय गाड़ियों में ही डलवा रहे हैं। इसलिए कचरे का कलेक्शन और ज्यादा बढ़ गया है। प्रतिदिन शहर में 645 टन यानी 6 लाख 45 हजार किलो कचरा निकलता है।

This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

दैनिक भास्कर

आज नो निगेटिव अखबार

जियो नो निगेटिव लाइफ | रायपुर, सोमवार 13 अप्रैल, 2020 | वैशाख, कृष्ण पक्ष-6, 2077 | dainikbhaskar.com

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	न्यूनतम	अधिकतम	आज का अनुमान (न्यूनतम)
रायपुर	24.4	40.0	25.0
दिल्ली	20.3	37.2	19.0
मुंबई	25.0	35.7	26.0
कोलकाता	24.4	35.4	26.0

कोरोना संकट • कटघोरा प्रदेश में हॉट स्पॉट, यहां आने-जाने वालों की निकाली जा रही सूची

कटघोरा से ही 6 नए केस, 18 घंटे में 13 पॉजिटिव छत्तीसगढ़ के 31 मामलों में 22 यहीं से मिले

10 ठीक हो चुके, बाकी का एम्स में चल रहा इलाज, जमाती 16 वर्षीय किशोर के संपर्क में आये थे सभी

भास्कर न्यूज | रायपुर/कोरबा

प्रदेश में कोरोना का हॉटस्पॉट बन चुके कटघोरा में रविवार को 6 नए मरीज मिल गए हैं। ये सभी मरीज 16 साल के उस लड़के से किसी न किसी तरह संपर्क में आए थे, जो कोरोना संक्रमित था और ठीक हो चुका है। इस तरह, पिछले 18 घंटे में मिले 13 नए कोरोना पॉजिटिव कटघोरा से हैं। प्रदेश में अब तक कोरोना के 31 मरीज मिल चुके हैं, जिनमें 22 केवल कटघोरा से निकले हैं। एम्स डायरेक्टर डॉ. नितिन एम नागरकर के मुताबिक सभी नए मामले क्लस्टर श्रेणी के हैं, यानी संपर्क में आने के कारण संक्रमण फैला है।

कटघोरा में शुरुआती केस मिलने के बाद वहां 9 हजार लोगों का परीक्षण कर दिया गया है। पिछले 18 घंटे में जो 13 केस मिले हैं, उनमें से 7 एम्स में भर्ती कर दिए गए हैं और बाकी 6 भी देर रात तक यहां लाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 3945 संदिग्धों की जांच की गई है। इनमें से 3856 सैंपल निगेटिव हैं। 58 की जांच की जा रही है। एम्स में 337 सैंपल की जांच के दौरान 6 नए पॉजिटिव मिले हैं। रायपुर में फिलहाल 21 मरीजों का इलाज चल रहा है। पूरे छत्तीसगढ़ में 76927 लोगों को होम क्वारेंटाइन में भी रखा गया है। इनमें विदेश यात्रा करके लौटने वालों की तादाद 2376 है। एम्स के डायरेक्टर नितिन एम नागरकर ने कहा है कि हॉटस्पॉट होने की वजह से कटघोरा में आने वाले कुछ दिन में मरीजों की संख्या बढ़ भी सकती है क्योंकि जितने मरीज आ रहे हैं। शेष | पेज 5

ऐसी घनी बस्ती है कटघोरा की... जहां तेजी से फैल रहा है कोरोना

30 तक लॉकडाउन बढ़ाने भूपेश सरकार भी सहमत

आज से सचिव घर से काम करेंगे, निजी अस्पतालों को इलाज शुरू करने के निर्देश, जमीन रजिस्ट्री 15 अप्रैल से

▪ दस से कम मजदूरों वाले लघु उद्योग खुलेंगे

रायपुर | सीएम भूपेश बघेल ने 21 दिन के लॉकडाउन के बाद प्रदेश में सोमवार से लोगों को राहत देने का ऐलान किया है। दस से कम मजदूरों वाले उद्योग शुरू किए जाएंगे। पंजीयन दफ्तर खुलेंगे। साथ ही, सभी निजी अस्पताल व नर्सिंग होम भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम बघेल ने सभी सचिवों व विभागों के डायरेक्टर को अपने-अपने बंगलों से ही दफ्तर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए सीएम बघेल ने 23 मार्च से ही लॉकडाउन का फैसला किया था। इसके बाद से मेडिकल स्टोर, दूध, सब्जी और राशन दुकानें ही खुल रही थीं। सीएम ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मंत्रियों से चर्चा की। इस दौरान सीएम ने कहा-किन-किन चीजों में ढील दी जाएगी, यह केंद्र सरकार की गाइडलाइन के आधार पर ही तय किया जाएगा। इसके बाद चार बड़े फैसले लिए। इसके अंतर्गत विभागीय कामकाज शुरू करने के लिए सभी सचिव व डायरेक्टर को घरों से ही दफ्तर संचालित करने कहा गया है। सीएम ने ऐसे उद्योगों की जानकारी मांगी है, जिनमें दस या कम मजदूर काम करते हैं और उसी परिसर में रह सकते हैं। ऐसे उद्योगों को जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसी तरह 15 अप्रैल से पंजीयन दफ्तर शुरू करने का फैसला लेकर सरकार ने जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्री की प्रक्रिया को भी हरी झंडी दे दी है। पेज-3 भी पढ़ें

कटघोराः जमातियों को मस्जिद में ठहराने और दावत कराने के मामले में 13 के खिलाफ एफआईआर

कटघोरा के पुरानी बस्ती स्थित जामा मस्जिद में महाराष्ट्र के कामठी के 16 जमाती ठहरे थे। इनमें शामिल एक जमाती किशोर कोरोना संक्रमित पाया गया था। किशोर के संपर्क में आकर बस्ती के 8 अन्य लोग भी कोरोना संक्रमित हो गए, जिन्हें एम्स भेजा गया है। इस मामले में कटघोरा पुलिस ने पूर्व में संक्रमित किशोर समेत मस्जिद में ठहरे 13 जमातियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया था। आरोपियों में कटघोरा के कांग्रेस नेता शेख इस्तियाक का भी नाम है। कोरोना वायरस के नियंत्रण के लिए जिले में धारा 144 लागू होने के बाद भी जान बूझकर मस्जिद में ठहराया गया था।

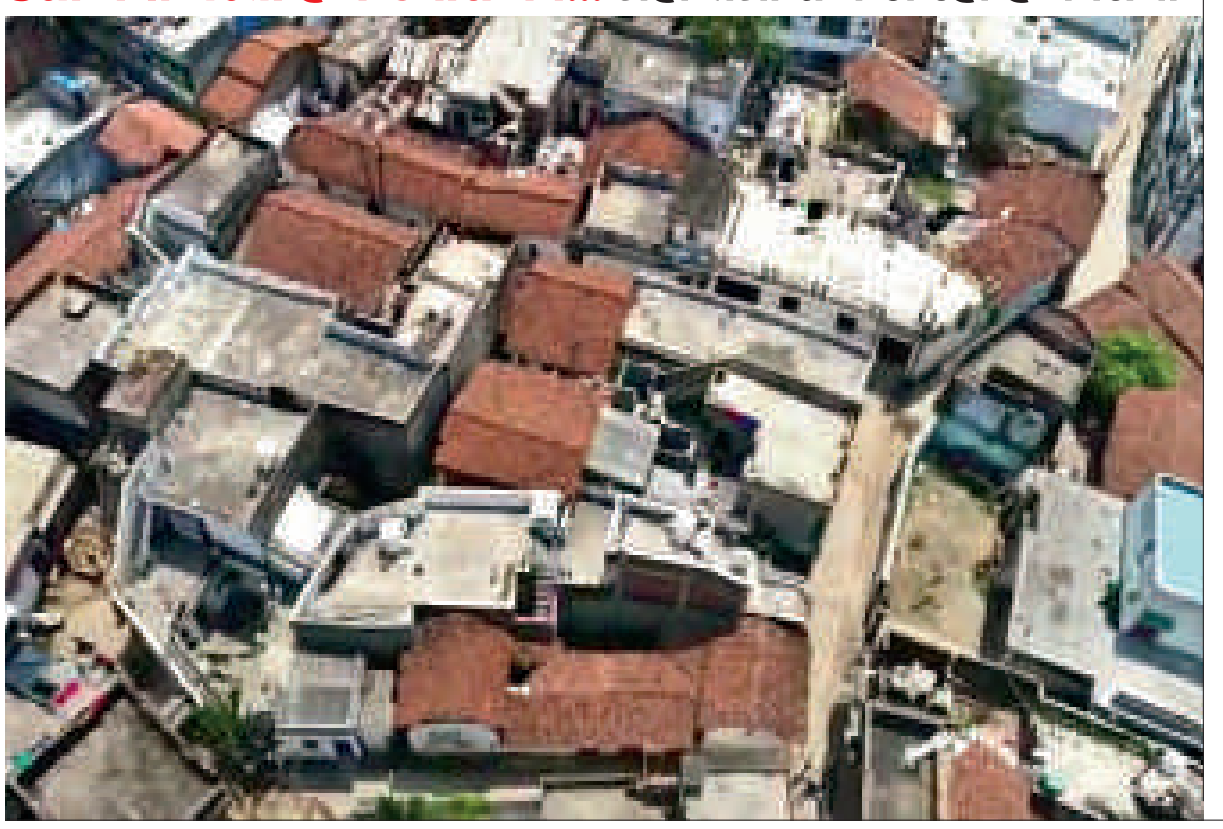

तैयारी : कलेक्टर बोलीं-450 की टीम तैनात, हमारा चैलेंज घनी बस्ती में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रखना

कटघोरा हॉट स्पॉट में जिला प्रशासन, पुलिस और हेल्थ विभाग के करीब साढ़े 450 लोगों की टीम तैनात की गई है। जरूरत के मुताबिक इसमें बढ़ोतरी या कमी की जा सकती है। भास्कर से बातचीत में कोरबा कलेक्टर किरण कौशल ने बताया कि अभी 300 से 400 सैंपल की जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। हमारा सबसे बड़ा चैलेंज है जो लोग भीतर घने इलाके में हैं, उन्हें वहीं रखना है। अभी तक जो भी पॉजिटिव केस आए हैं वो संक्रमित इलाके के अंदर से हैं। बाहरी इलाके में लिए गए सैंपल निगेटिव रहे हैं। इस लिहाज से देखे तो भविष्य में संक्रमित इलाके से अगर और भी केस पॉजिटिव आते हैं तो हम इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

महासमुंदः चर्च के बाहर चस्पा था धारा-144 का नोटिस अंदर चल रही थी प्रार्थना सभा, 37 पर एफआईआर दर्ज

महासमुंद | लॉकडाउन और धारा-144 लागू होने के बावजूद रविवार को नयापारा स्थित एक चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के मामले में 37 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चर्च का मेन गेट बंदकर अंदर 40 से अधिक लोग प्रार्थना कर रहे थे। जबकि बाहर एक नोटिस चस्पा था, जिस पर लिखा था कि धारा-144 लागू होने से आराधना फेसबुक पर लाइव होगी। पुलिस ने पादरी समेत 37 लोगों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा-188 के तहत कार्रवाई की है। हेल्थ चेकअप के बाद सभी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से इन्हें मुचलके पर रिहा किया गया है। शेष | पेज 5

न्यूज ब्रीफ

चीन ने एचडीएफसी के 1.01% शेयर्स खरीदे

नई दिल्ली | पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने एचडीएफसी में 1.01% की हिस्सेदारी खरीदी है। बैंक ने एचडीएफसी में 1.75 करोड़ शेयर्स खरीदे। मार्च में खत्म तिमाही के दौरान हुई खरीद की जानकारी बीएसई पर एचडीएफसी के शेयर होल्डिंग पैटर्न से मिली है। एक महीने में एचडीएफसी के शेयर करीब 25% गिरे हैं।

कोविड-19: विद्यार्थियों के लिए युक्ति लांच हुई

नई दिल्ली | केंद्र ने युक्ति के नाम से नया पोर्टल लॉन्च किया है। युक्ति यानी यंग इंडिया कॉम्बैटिंग कोविड विद नॉलेज। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के मुताबिक पोर्टल से विद्यार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान सुझाने के साथ ही उन्हें शारीरिक व मानसिक तौर पर फिट रहने में मदद मिलेगी।

मोदी ने 'मन की बात' के लिए लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अप्रैल को प्रसारित होने वाले अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के लिए जनता से सुझाव मांगे है। मोदी ने ट्वीट कर कहा कि सुझाव 1800117800 पर डायल कर रिकार्ड तथा माईगव अथवा नमो एप पर भेजे जा सकते हैं। पीएम ऐसे सुझावों को संबोधन में शामिल करते हैं।

न्यूयार्क टाइम्स में आज पढ़ें

- **5 जी टेक को महामारी फैलाने का दोषी बताया, ब्रिटेन में मोबाइल टॉवर फूंके**

पढ़ें जियो नो निगेटिव पेज

पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि में 30 जून तक राहत

नई दिल्ली | वित्त मंत्रालय ने पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि अकाउंट में वर्ष 2019-20 के लिए न्यूनतम राशि जमा कराने के लिए तीन महीने की राहत दे दी है। अब 30 जून तक इन खातों में न्यूनतम राशि जमा कराई जा सकेगी। इन खातों को सक्रिय बनाए रखने के लिए उपभोक्ताओं को हर साल न्यूनतम राशि जमा करानी होती है।

तलाक के पैसे से बन गईं 22वीं सबसे अमीर

वॉशिंगटन | अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी बेजोस फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची में 22वें नंबर पर हैं। यह अमीरी उन्हें बिजनेस से नहीं बल्कि तलाक से मिली राशि से हासिल हुई है। मैकेंजी की कुल संपत्ति 2.70 लाख करोड़ रु. है।

सिलेंडर की मांग बढ़ गई, प्लांट में नाइट शिफ्ट शुरू

गुवाहाटी | एलपीजी की मांग में करीब केवल असम में 70% की बढ़ोतरी को देखते हुए यहां सरकार ने दो बॉटलिंग प्लांट में नाइट शिफ्ट भी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत हर लाभार्थी परिवार को तीन महीने में तीन सिलेंडर देने हैं।

इटली से आए 37 स्टूडेंट्स को चिल्फी में ठहराने पर विरोध

▪ छात्रों को बॉर्डर पर रोका जानकारी के बाद छोड़ा

भास्कर न्यूज | कवर्धा/ बोड़ला

इटली से आए 37 स्टूडेंट्स दिल्ली से लग्जरी बस में उत्तरप्रदेश, राजस्थान और मध्यप्रदेश को क्रॉस कर शनिवार रात करीब 2 बजे धवईपानी (चिल्फी) पहुंचे। रात में अचानक आए इन मेहमानों को सूचना से प्रशासनिक व स्वास्थ्य अमले की नींद उड़ गई। यहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें बॉर्डर पर ही रोक लिया। प्रशासनिक अधिकारियों की अनुमति के बाद सभी को बाजार पारा चिल्फी स्थित शासकीय कन्या छात्रावास में ठहराया गया। हालांकि जानकारी लेकर रविवार की शाम 6 बजे को बस में बैठाकर रवाना कर दिया गया। स्थानीय लोगों को सुबह इसकी जानकारी हुई। शेष | पेज 5

इधर, चार थानेदार पीएचक्यू अटैच

रायपुर | डीजीपी डीएम अवस्थी ने अवैध शराब बिक्री और लॉकडाउन के पालन में ढिलाई की शिकायत के बाद राजनांदगांव और कवर्धा के चार थानेदारों को पुलिस मुख्यालय अटैच किया है। इनमें राजनांदगांव के डीएसपी श्यामसुंदर शर्मा, गातापार थाने के टीआई लक्ष्मण केंवट, बाघनदी के टीआई केसरी साहू और कवर्धा जिले के चिल्फी टीआई रमाकांत तिवारी और कुकदुर थाने के एसआई बृजेश सिन्हा के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद चारों को पुलिस मुख्यालय अटैच करने के निर्देश दिए हैं।

निजामुद्दीन समेत ज्यादा प्रभावित शहरों से ट्रेनों से 9 हजार लोग यहां पहुंचे, रेलवे ने सौंपी सूची

मुंबई, अमृतसर और पुरी समेत कई ट्रेनों से यहां आने वाले भी इसी सूची में

भास्कर एक्सक्लूसिव

अमनेश दुबे | रायपुर

13 से 20 मार्च के बीच निजामुद्दीन से आने वाली ट्रेनों से प्रदेश के अलग-अलग शहरों में उतरे जमातियों समेत सभी यात्रियों की सूची रेलवे ने छत्तीसगढ़ शासन को सौंप दी है। इस सूची में मुंबई, अमृतसर और पुरी समेत ऐसे शहरों से आने वाले यात्रियों का भी ब्योरा है, जहां कोरोना का संक्रमण ज्यादा है। कटघोरा में तब्लीगी जमात से संबंधित मामलों के लगातार सामने आने के बाद शासन ने रेलवे से बिलासपुर और पेंड्रारोड स्टेशनों में उतरे यात्रियों की जानकारी मांगी थी। यही नहीं, दुर्ग और रायपुर में निजामुद्दीन स्टेशन के साथ-साथ अन्य शहरों से आए यात्रियों का ब्योरा भी मांगा गया था। सब मिलाकर, रेलवे की तरफ से सौंपी गई सूची में 9 हजार से ज्यादा नाम, फोन नंबर और पता है। रेलवे ने जिन ट्रेनों का ब्योरा शासन को सौंपा है। शेष | पेज 5

सूची में सबके नाम-नंबर

रेलवे के रिजर्वेशन सिस्टम के जरिए इन यात्रियों की जानकारी जुटाई है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि कुछ यात्री जनरल बोगियों से भी आए होंगे, लेकिन इनका ब्योरा उपलब्ध नहीं है। भास्कर के पास जो सूची आई है, उसमें ट्रेन के रिजर्वेशन और एसी कोच में सफर करनेवाले यात्रियों का नाम, उनका फोन-मोबाइल नंबर दर्ज है। यह भी बताया गया है कि वह किस शहर से आया और कहां उतरा। शासन के आला अफसरों का कहना है कि इस सूची में शामिल लोगों से संपर्क किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उन्हें क्वारेंटाइन भी करेंगे।

हमने यात्रियों का ब्योरा दे दिया है

शासन ने रेलवे से मार्च में निजामुद्दीन सहित कुछ शहरों से आई ट्रेनों के यात्रियों का ब्योरा मांगा था, जिसे हमने सौंपा है। कोरोना से बचाव में यह उपयोगी होगा।

-तन्मय मुखोपाध्याय, सीनियर डीसीएम रायपुर मंडल

जम्मू-कश्मीर : पाकिस्तान की गोलाबारी में बच्चे सहित तीन लोगों की मौत, दो घायल

एजेंसी | श्रीनगर/नई दिल्ली

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर में रविवार को लगातार सातवें दिन संघर्ष-विराम का उल्लंघन किया। कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा से लगे गांवों में पाकिस्तानी सेना ने मोर्टार से गोले दागे और गोलीबारी की। इसमें एक बच्चे, एक महिला सहित तीन लोगों की मृत्यु हो गई। कुपवाड़ा के एसएसपी ने बताया कि दो की मौत कुपवाड़ा और एक नागरिक की मौत हंदवाड़ा में हुई है। पाकिस्तानी सेना ने गोलीबारी शाम करीब 5 बजे शुरू की। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जो करीब एक घंटे तक चली। यहां सुबह भी पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी के बाद भारतीय सेना ने ताबड़तोड़ जवाबी कार्रवाई की थी। वहीं पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले के किरनी और कस्बा सेक्टरों में दोपहर 1:40 बजे मोर्टार सहित छोटे हथियारों से अकारण गोलीबारी की। इसमें एक महिला और एक पुरुष घायल हो गया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल देवेंद्र आनंद ने कहा कि भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की है। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में अकारण गोलीबारी की थी।

माइक्रोबॉयोलॉजिस्ट के मुताबिक, सतह पर वायरस का जीवनकाल कम हो जाएगा

तेज गर्मी से देश में कोरोना के संक्रमण दर में कमी संभव

अब बढ़ने लगी गर्मी, रायपुर 40 व बिलासपुर में दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पार

एजेंसी/भास्कर न्यूज | नई दिल्ली/ रायपुर

भारतीय सूक्ष्म जीव वैज्ञानिकों ने कहा है कि देश में तेज गर्मी पड़ने के दौरान कोरोनावायरस के संक्रमण की दर में कमी आ सकती है। एनआईएच और "प्रोजेक्ट एंथ्रेक्स' पर अमेरिकी सेना के लैब के साथ काम कर चुके भारतीय माइक्रोबायोलॉजिस्ट प्रोफेसर वाई सिंह ने बताया कि अप्रैल के अंत तक 40 डिग्री से अधिक का तापमान कोरोनावायरस के असर को कम कर सकता है। वहीं छत्तीसगढ़ में लगातार बनते पश्चिमी विक्षोभ की वजह से लगभग ठंडा रहा अप्रैल अब जाकर गर्मी की चपेट में आना शुरू हुआ है। इस सीजन में पहली बार रविवार को राजधानी में दोपहर का तापमान 40 डिग्री पर पहुंच गया। बिलासपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा और वहां तापमान करीब 41 डिग्री रिकार्ड किया गया। दुर्ग और राजनांदगांव में भी पारा 40 डिग्री के करीब है। मौसम विज्ञानियों ने अगले तीन दिन तक गर्मी और बढ़ने के संकेत दिए हैं। प्रदेश में मौसम शुष्क है। आसपाक कोई बड़ा सिस्टम नहीं होने के कारण फिलहाल राज्य में बहुत अधिक बारिश के संकेत नहीं हैं। हवा की दिशा भी पश्चिम और उत्तर-पश्चिमी है। रेगिस्तान से आ रही शुष्क हवा ने प्रदेश में गर्मी बढ़ा दी है। ज्यादातर शहरों में दिन का तापमान 38 से 40 डिग्री के बीच पहुंच गया है। राजधानी में दिन का तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया,जो सामान्य के बराबर है। बिलासपुर में यह 40.8 डिग्री रिकार्ड किया गया। यह भी सामान्य के बराबर है। दुर्ग में 38 और राजनांदगांव में पारा 39.8 डिग्री रहा। सभी जगह तापमान सामान्य से उससे थोड़ा ऊपर ही रहा। हवा में नमी बहुत कम रह गई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार कर्नाटक से उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश तक 0.9 किलोमीटर तक एक द्रोणिका है। 13 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

वैज्ञानिकों का ये भी दावा

सीएसआईआर के इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स इंटीग्रेटेड बायोलॉजी में चीफ साइंटिस्ट रहे प्रोफेसर सिंह ने कहा, "तापमान अधिक होने पर किसी भी सतह पर वायरस के जीवित रहने की अवधि कम होगी। सतह या एरोसोल के माध्यम से इंसानों में उसका संक्रमण कम होगा। लेकिन कोई संक्रमित है, तो बाहर के तापमान उस पर कोई असर नहीं होगा।' अमेरिका के प्रसिद्ध संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंथनी फौसी के साथ काम कर चुके प्रख्यात वायरोलॉजिस्ट डॉ. अखिल सी. बनर्जी के अनुसार अगर तापमान 39 या 40 डिग्री के आसपास है, तो यह वायरस को निष्क्रिय करने में मदद करता है। दिल्ली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी से जुड़े रहे अखिल ने कहा, "अगर कोई भी व्यक्ति कोरोना संक्रमित रोगी के बहुत करीब खड़ा है, तो उसे वायरस के जोखिम का खतरा है। तापमान की भूमिका है, लेकिन इस विषय पर और अधिक डेटा की आवश्यकता है।'

गुरु तेग बहादुर की जयंती और वैसाखी पर जगमग स्वर्ण मंदिर

अमृतसर | सिखों के नौवें धर्म गुरु तेग बहादुर की 399वीं जयंती पर रविवार को स्वर्ण मंदिर में रोशनी की गई। सोमवार को देशभर में वैसाखी मनाई जाएगी। लॉकडाउन के बीच इस बार आम श्रद्धालु यहां अरदास तो नहीं कर पाएंगे, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपील की है कि सभी श्रद्धालु सोमवार सुबह 11 बजे अपने-अपने घरों पर ही अरदास करें कि हम कोविड-19 बीमारी को हरा दें। अकाल तख्त और एसजीपीसी ने भी लोगों से अपील की है कि वे वैसाखी मनाने के लिए इकट्ठे न हों। बता दें कि वैसाखी पंजाब-हरियाणा के किसान रबी की फसल पकने की खुशी के तौर पर मनाते हैं। इसी दिन 13 अप्रैल 1699 को 10वें गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

*This content is licensed for personal use only, not for commercial use.

City भास्कर
रायपुर, सोमवार, 13 अप्रैल 2020

LOCKDOWN quick TIPS

आज का फंडा

By एन. रघुरामन

दुर्योधन की दुर्दशा

एक बार दुर्योधन भगवान कृष्ण से कहता है, 'हे कृष्ण, मुझे पता है कि क्या सही है, लेकिन मैं इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं। और मुझे पता है कि क्या गलत है, लेकिन मैं इससे बच नहीं पा रहा हूं।' इसे 'दुर्योधन की दुर्दशा' कहते हैं।

जब हम ऐसे लोगों के आसपास होते हैं, जिनकी स्थिति 'दुर्योधन की दुर्दशा' जैसी होती है, तो उनका सामना कैसे करें? सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि अभी भी हम सबके भीतर दुर्योधन है। फेलिस लियोनार्डो बुस्कागिलया ने कहा है, 'मैं आपसे तब तक पर्फेक्शन की उम्मीद नहीं करूंगा, जब तक मैं खुद को पर्फेक्ट नहीं बना लेता। इसका मतलब है कि आप इस जीवन में तो सुरक्षित हैं।' तो पहले खुद को पर्फेक्ट बनाएं, फिर किसी और से ऐसा करने को कहें। इससे पहले कि वे आप जितना पर्फेक्शन हासिल करें, आप खुद को पहले से भी बेहतर बनाने के रास्ते पर चल पड़ें।

इंसान लगातार इम्पर्फेक्शन से पर्फेक्शन की ओर जाने की प्रक्रिया में होता है ओर इसी को उन्नति कहते हैं। वास्तव में, यदि हम सभी पर्फेक्ट हो जाएं, तो फिर कोई उन्नति नहीं होगी।

YB Generation Next!! & बाल भास्कर
Presents
Special Digital Edition
814 186 6633
balbhaskarmagazine

लॉकडाउन में पढ़ने और पढ़ाने का तरीका बदल गया है। शहर के स्कूल्स किस तरह इस मुश्किल दौर में भी स्टूडेंट्स की पढ़ाई कंटीन्यू रख रहे हैं, पढ़िए खास रिपोर्ट

एप और टीचर्स के बनाए वीडियोज से हो रही पढ़ाई, प्रोवाइड कर रहे स्टडी मटेरियल

होली हार्ट्सः तीन फेस में बांट दी है पढ़ाई, ले रहे एटीकेट्स और म्यूजिक की स्पेशल क्लास

स्कूल डायरेक्टर आशुतोष सिंह ने बताया, हमने स्टूडेंट्स की पढ़ाई को तीन फेस में बांट दिया है। पहले फेस में टीचर्स को अपने घर में अलग-अलग चैप्टर्स के वीडियोज बनाने कहा है, जिसे वे वॉट्सएप ग्रुप और यूट्यूब अकाउंट पर शेयर करते हैं। इसकी लिंक हर स्टूडेंट्स को भेजी दी गई है। दूसरे फेस में स्टूडेंट्स को शाम के वक्त असाइनमेंट और सुबह होम वर्क देते हैं। इसके अलावा छोटी क्लास के बच्चों को एक्स्ट्रा मार्क्स एप और 11वीं-12वीं के स्टूडेंट्स को टिम्स एप की मदद से पढ़ा रहे हैं। पढ़ाई के साथ उन्हें म्यूजिक, स्टोरीज और एटीकेट्स की क्लास भी दे रहे हैं। इसमें शहीदों की गाथा सुना रहे हैं। करियर गाइडेंस देने का प्लान किया है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र की 12 सफल हस्तियों के अनुभव और उनकी सक्सेस स्टोरी की रिकॉर्डिंग स्टूडेंट्स से शेयर करेंगे।

डीपीएसः मेल पर भेज रहे बेस्ट स्टडी मटेरियल, मोटिवेशनल बुक पढ़ने का देंगे असाइनमेंट

प्रिंसिपल रघुनाथ बैनर्जी ने बताया, स्टूडेंट्स को वेबसाइट के जरिए बेस्ट स्टडी मटेरियल प्रोवाइड कर रहे हैं। अभी स्टूडेंट्स को मैथ्स और इंग्लिश के मटेरियल मेल किया है। जल्द ही उन्हें असाइनमेंट देने की प्लानिंग है। इसमें इंग्लिश पोएट्री और उससे जुड़े सवाल भेजे जाएंगे। 6वीं से 8वीं के स्टूडेंट्स को हफ्तेभर में मोटिवेशनल बुक पढ़ने का असाइनमेंट देंगे। इसके बाद उन्हें बुक का रिव्यू करना होगा। बुक के जिस टॉपिक ने स्टूडेंट को प्रभावित किया है, उस पर एक लेख लिखना होगा। इसके अलावा उनसे पूछा जाएगा कि किताब की ऐसी क्या विशेषता है, जिसे आपके फ्रेंड्स और रिलेटिव्स भी पढ़ें। लॉकडाउन के बाद स्थिति सामान्य होने पर स्कूल में रविवार को भी क्लासेस लगेंगी। साथ ही छुट्टियों में भी कटौती की जाएगी। इस संबंध में फ्यूचर टाइम टेबल बना लिया गया है।

केपीएसः ऑनलाइन क्लासेस का ले रहे फीडबैक, टीचर्स के लिए शुरू की ऑनलाइन वर्कशॉप

प्रिंसिपल प्रियंका त्रिपाठी ने बताया, स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन क्लासेस चल रही हैं। उन्हें असाइनमेंट भी दे रहे हैं। स्टडी मटेरियल की लिंक भी स्टूडेंट्स को भेजी है ताकि वे पढ़ाई जारी रख सकें। लॉकडाउन में घर बैठकर कैसे पढ़ाएं और पढ़ें इसके लिए टीचर्स और स्टूडेंट्स के लिए काउंसिलिंग शुरू की है। हफ्ते में तीन दिन टीचर्स के लिए ऑनलाइन वर्कशॉप कंडक्ट करते हैं। 12वीं के स्टूडेंट्स की लर्निंग कंटीन्यू रखने उनकी काउंसिलिंग की जाएगी। ऑनलाइन क्लासेस का फीडबैक भी ले रहे हैं और अगर कहीं प्रॉब्लम आ रही है उसे तुरंत सॉल्व भी किया जा रहा है। इसके लिए 6 टीचर्स पर एक मेंटर अपॉइंट किया है। टीचर्स को ऑनलाइन कोर्स करने कहा गया है। अगले हफ्ते से पैरेंट्स से ऑनलाइन डिस्कशन कर बच्चों की पढ़ाई में उनकी हेल्प कैसे ली जा सकती है, इस पर बात करेंगे।

नेशनल लेवल सिंगिंग कॉन्टेस्ट में घर बैठें लें हिस्सा, जीतें प्राइज

सिटी रिपोर्टर | रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर की ओर से 'लॉकडाउन स्पेशल सुरश्री सिंगिंग कॉम्पिटीशन' का आयोजन ऑनलाइन किया जा रहा है। ये कॉम्पिटीशन नेशनल लेवल पर ओपन टू ऑल है। संस्था के एसपी शर्मा ने बताया कि कॉम्पिटीशन में हिस्सा लेने के लिए प्रतिभागी को पुराना फिल्मी गाना गाते हुए वीडियो रिकॉर्ड कर वॉट्सएप नंबर 8349988888 या 7000176855 पर भेजना होगा। साथ ही अपना नाम, उम्र और शहर का नाम लिखना है। रोज 3 प्रतिभागियों को विजेता घोषित कर पुरस्कार दिए जाएंगे।

तीन कैटेगरी में कॉन्टेस्टः विनर्स के सलेक्शन के लिए 5 लोगों की ज्यूरी बनाई गई है। अब तक रायपुर से अनुराग शर्मा और रचना चांडक विनर बनी हैं। कॉम्पिटीशन में अलग-अलग राज्य और शहरों से रोज 30 से भी ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कॉम्पिटीशन तीन कैटेगरी 7 से 15, 15 से 25 और 25 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागियों के लिए है। तीनों कैटेगरी से हर रोज एक-एक विनर का सलेक्शन किया जा रहा है। लॉकडाउन में लोगों को घर बैठे एंटरटेन करने और उन्हें अपना हुनर दिखाने के मकसद से यह कॉम्पिटीशन आयोजित किया जा रहा है।

RECIPE

आरज़ूमन ईरानी
शेफ

• संतरे की लस्सी

1 गाजर व 1 संतरे को छीलें। अब दूसरी तरफ 2 संतरे का जूस निकालें। यह आप मिक्सी में कर सकते हैं। इसे छान लें। अब गाजर, संतरे और 1 कप फ्रेश जूस को पीस लें। इसे बाउल में निकाल कर, कसा हुआ अदरक और 3 चम्मच दही मिलाएं। कंसिसटेंसी न ज्यादा पतली हो न ज्यादा गाढ़ी हो। इतना हो कि ग्लास में सर्व किया जा सके। यह ड्रिंक बॉडी को ठंडक पहुंचाने के साथ इम्युनिटी बढ़ाएगा। सुबह व दोपहर में पिएं।

• मूंगफली-पनीर करी

500 ग्राम आलू को कम तेल व हल्के से नमक के साथ धीमी आंच पर क्रिस्पी होने तक फ्राई करें। ओवन है तो 220 सेल्सियस पर 15 मिनट सेकें। मूंगफली के बटर के लिए मूंगफली को तवे पर सेक कर मिक्सी में 1 चम्मच तेल के साथ चलाएं। 10 मिनट तक पीसने पर मूंगफली तेल छोड़ देगी। करी के लिए कड़ाई में तेल के साथ राई व प्याज को पकाएं। प्याज के सुनहरे भूरे रंग का होते ही अदरक, लहसुन, हल्दी, काली मिर्च व जीरा पाउडर मिलाएं। मसालों की महक आते ही 3 टमाटर के साथ नमक मिलाएं। पकने के बाद इसमें मूंगफली का बटर मिलाएं। अब पानी डाल कर मसाले को अच्छे से भूनें। आखिर में पनीर मिलाएं। पकते ही धनिया के साथ सर्व करें। इसे चावल के साथ खाया जाता है।

ICAI के वेबिनार में कराएं रजिस्ट्रेशन स्टॉक मार्केट, टैक्स पर होगा डिस्कशन

सिटी रिपोर्टर | टैक्स, ऑडिट, स्टॉक मार्केट जैसे टॉपिक्स पर आईसीएआई वेबिनार और वेबकास्ट ऑर्गनाइज कर रहा है। इसमें एक्सपर्ट्स कई टॉपिक पर अपनी राय रखते हैं। रायपुर ब्रांच के चेयरमैन सीए किशोर बरडिया ने बताया कि नेशनल लेवल पर 16 अप्रैल तक होने वाले प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। पार्टिसिपेंट इन लिंक्स पर विजिट कर प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं।

इन लिंक्स पर करें विजिट

- 13 अप्रैल- ecpl.live/icai/research/13042020/ और ecpl.live/icai/13042020/ पर विजिट करें।
- 14 अप्रैल- ecpl.live/icai/cmp/ और ecpl.live/icai/14042020/ विजिट कर सकते हैं।
- 15 अप्रैल- ecpl.live/icai/15042020/ पर विजिट करें।
- 16 अप्रैल- ecpl.live/icai/16042020/ पर विजिट कर सकते हैं।

स्टेट टूरिज्म को प्रमोट करने ब्लॉग लिख रही हैं रचना कॉलेज स्टूडेंट्स को रोज देती हैं ऑनलाइन क्लास

सिटी रिपोर्टर . रायपुर

वुमंस को सोलो ट्रिप के लिए मोटिवेट करने वालीं रचना काबरा छत्तीसगढ़ के टूरिज्म को बढ़ावा देने के मकसद से इन दिनों ट्रैवल ब्लॉग लिख रही हैं। बटर फ्लाई विंग्स की फाउंडर प्रेसीडेंट रचना ने बताया, लॉकडाउन के कारण लोग घरों में हैं लेकिन परिस्थिति सामान्य होने के बाद देश के दूसरे हिस्सों से लोग यहां टूरिस्ट स्पॉट देखने आएंगे। इसलिए अलग-अलग जगहों के बारे में लिखने के साथ वहां की तस्वीर भी अपलोड कर रही हूं, ताकि विजिटर्स यहां के कल्चर को करीब से जान सकें। ब्लॉग्स को www.butterflywings.in के साथ इंस्टाग्राम और फेसबुक पेज पर अपलोड कर रही हूं। साथ ही वुमंस को मोटिवेट कर रही हूं कि वे अकेले भी ट्रैवल कर सकती हैं। पेशे से रूंगटा इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में असिस्टेंट प्रोफेसर रचना स्टूडेंट्स की ऑनलाइन क्लास भी ले रही हैं।

रचना काबरा

हसबैंड और बेटे के साथ करती हूं मेडिटेशन : लॉकडाउन के कारण डेली रूटीन में चेंजेस आए हैं। जिम बंद होने से घर पर कार्डियो एक्सरसाइज करती हूं। स्ट्रेस फ्री रहने हसबैंड आईपीएस दीपांशु के साथ मेडिटेशन करती हूं। बेटे नीलांश ने भी हमारे साथ मेडिटेशन करना शुरू कर दिया है।

धर्म . समाज . संस्था

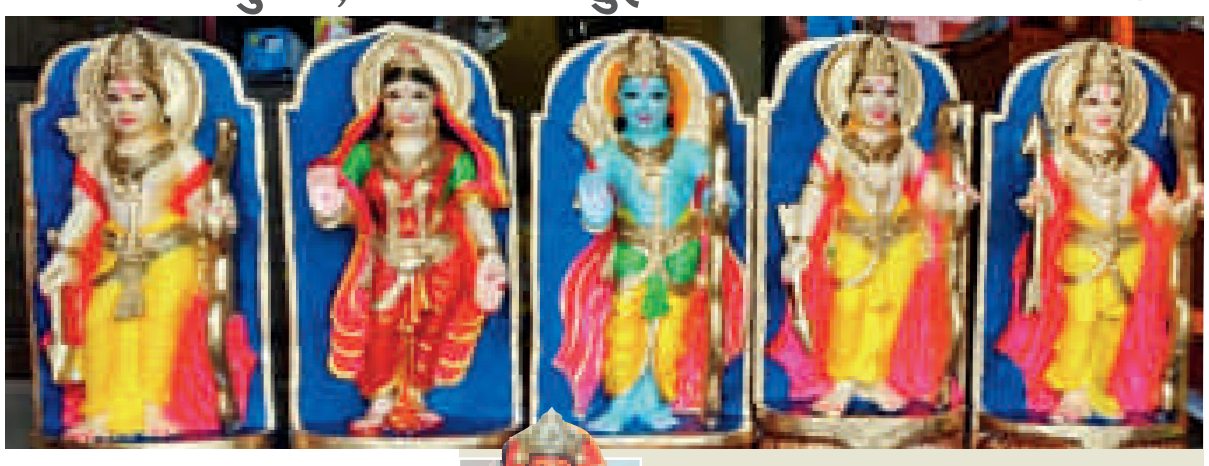

लॉकडाउन का ऐसा असर... आधी मूर्तियां ओडिशा में बनीं आधी रायपुर में, तब जाकर हुई भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा

रायपुर | लॉकडाउन का असर हर जगह दिख रहा है। घर-बाजार से लेकर मंदिरों में, यहां तक मूर्तियों पर भी। यह तस्वीर राम दरबार की है जिसे ओडिशा से बनकर आना था, लेकिन लॉकडाउन की वजह से आधी ही मूर्तियां आ पाईं। आधी प्रतिमाएं रायपुर में ही तैयार की गईं हैं। राम दरबार का निर्माण पूरा होने के बाद सिमगा से सटे सोमनाथ मंदिर में इसकी स्थापना की गई।

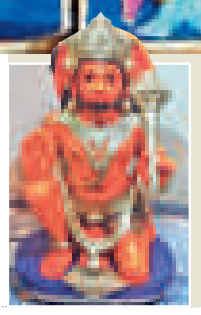

इतनी मेहनत मुहूर्त के लिएः अधूरी मूर्तियों को पूरा करने का काम किया है कालीबाड़ी में रहने वाले मूर्तिकार राकेश पुजारी ने। उन्होंने बताया, ये मूर्तियां ओडिशा के कारीगर तैयार कर रहे थे, लेकिन अचानक लॉकडाउन की घोषणा के बाद मूर्तियां आनन-फानन में स्थापना के लिए भेज दी गईं। रायपुर आने के बाद इन्हें पूरा किया गया ताकि तय मुहूर्त पर इनकी स्थापना की जा सके। सारी मूर्तियां सिंगल पत्थर को तराशकर बनाई गई हैं।

चरामेति फाउंडेशन ने 24 हजार फूड पैकेट बांटे

रायपुर | चरामेति फाउंडेशन की ओर से अब तक 24 हजार फूड पैकेट बांटे जा चुके हैं। फाउंडेशन के महासचिव राजेंद्र ओझा ने बताया, रायपुर में प्रतिदिन 18 सौ फूड पैकेट और 200 कप चाय बांटी जा रही है। इसके अलावा बिलासपुर में 200 पैकेट और कोरबा में 80 फूड पैकेट बांटे जा रहे हैं। आगे भी इसी तरह मदद करते रहेंगे।

संत कंवरराम की जयंती आज, सारे कार्यक्रम रद्द

रायपुर | संत कंवरराम की 135वीं जयंती सोमवार को है। कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए सिंधी समाज ने जयंती के सारे कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। युवा परिषद के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मध्यानी ने बताया कि समिति के सदस्य संत की प्रतिमा पर सिर्फ माल्यार्पण कर सादगी के साथ जयंती मनाएंगे। इस मौके पर जरूरतमंद परिवारों में राशन वितरण भी किया जाएगा।

फंसे मजदूरों को बचाने की मांग, ज्ञापन

रायपुर | राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस ने प्रदेशभर में फंसे मजदूरों को निकालने की मांग की है। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष भवानी सिंह मरकाम ने बताया कि इस संबंध में कलेक्टर एस भारतीदासन को राज्यपाल अनुसूइया उइके के नाम ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के चलते इस समय कई मजदूर जिलावार फंसे हुए है। जिन्हें शासन प्रशासन की ओर से भोजन और अन्य व्यवस्था कराई जा रही है। ज्ञापन के जरिए यह मांग की गई है कि इंटक के पदाधिकारियों को जिलेवार दौरा करने और राशन बांटने की परमिशन शामिल है। इस दौरान घनश्याम विश्वकर्मा, प्रकाश शर्मा, मनोज नायक, मनोज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मां एकवीरा फाउंडेशन... सेनेटाइजर का छिड़काव किया

मां एकवीरा फाउंडेशन ने रविवार को महामाया वार्ड में सेनेटाइजर छिड़काव किया गया। इस दौरान संस्था ने लोगों को सुरक्षित रहने जागरूक किया। साथ ही आसपास के खाली इलाकों को भी सेनेटाइज किया गया। लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जानकारी भी दी।

जलियांवाला बाग के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर | जलियांवाला बाग हत्याकांड को सोमवार को 101 वर्ष पूरे हो गए है। तिरंगा वंदन मंच ने जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन की शह पर हुए इस नरसंहार की पीड़ा आज भी देशवासियों के मन में है। लॉकडाउन के चलते श्रद्धांजलि के लिए सभा का आयोजन नहीं किया गया है।

सामायिक कर समाज ने याद किया महावीर को

रायपुर। महावीर जयंती पर प्रदेशभर में जैन समाज के लोगों ने अहिंसा, संयम और तप के साधक भगवान महावीर को अपने-अपने घरों में स्मरण करते हुए एक सामायिक किया और अपने समय का सदुपयोग किया। सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश बरलोटा ने बताया कि रात में आधे घंटे का नवकार महामंत्र का जाप अपने-अपने घरों में सभी सदस्यों के साथ प्रतिदिन करने का कार्यक्रम अभी भी जारी है।

आप भी भेजें खबरें
इस नंबर 9098686095 पर वाट्सएप कीजिए...

शोक संदेश

बैकुंठ राम साहू

रायपुर | जोरापारा निवासी 92 वर्षीय बैकुंठ राम साहू का रविवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह 10 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट में किया जाएगा। वे सोनूराम साहू, हरिनारायण साहू, स्व. दुर्गा प्रसाद साहू के पिता, नवीन, गिरीश और उमंग के दादा थे।

प्रयाग साहू

रायपुर | वल्लभ नगर निवासी प्रयाग साहू का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे विष्णु प्रसाद साहू के पुत्र थे।

पश्चिम विधानसभा में पशु-पक्षी न रहें भूखे, वॉलंटियर्स को जिम्मा

कम्युनिटी रिपोर्टर | रायपुर

पश्चिम विधानसभा में कहीं भी पशु-पक्षियों को भूखे-प्यासे न रहना पड़े, इसे लेकर विधायक विकास उपाध्याय ने वॉलंटियर्स की टीम बनाकर जिम्मेदारी बांटी है। रविवार को उन्होंने वॉलंटियर्स में सीमेंट से बने कोटना का निशुल्क वितरण भी किया। इस दौरान वॉलंटियर्स ने संकल्प लिया कि वे रोज पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करेंगे।

सहायता कोष के लिए मिले 1.43 लाख

सहायता कोष में गोगोई वैश्व समाज सुहाने एग्रो इंडिया प्रा. लि. और आनंद नायडू की ओर से 1 लाख 43 हजार रुपए की सहयोग राशि जमा करवाई गई है। इनमें समाज के सचिव संजय गुप्ता (1.1 लाख), सुहाने एग्रो के एके गेडा (11 हजार) और आनंद (11 हजार) की सहयोग राशि रविवार को चेक के माध्यम से विधायक विकास उपाध्याय को सौंपी गई।

कोरोना VS रायपुर सेवा परमो धर्मः... ताकि शहर में कोई भूखा न सोए

जैन समाज... 750 फूड पैकेट बांटे

दिगंबर जैन महासमिति की ओर से रविवार को 30 हजार लोगों के लिए भोजन जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया गया है। समिति के विनोद बड़जात्या ने बताया, 750 राशन पैकेट दिए गए हैं। इसमें 30 हजार लोगों के लिए भोजन तैयार हो सकता है।

सेजबहार... कार्ड नहीं उनकी मदद

सेजबहार में बहुत से परिवार ऐसे भी हैं जिनके पास राशन कार्ड नहीं है। इन्हें राशन के लिए काफी परेशानी हो रही थी जिसे लेकर मंत्री टीएस सिंहदेव से मदद की गुहार लगाई गई थी। मो. इस्लामुद्दीन और वारिस नायक ने बताया, अब इन्हें जिला पंचायत राशन दे रही है।

गायत्री परिवार... भोजन व श्रमदान

गायत्री परिवार भोजन देने के साथ श्रम दान भी कर रहा है। गायत्री परिजन जहां रोज हजार पैकेट भोजन बांट रहे हैं, वहीं अलग-अलग जगहों पर जाकर श्रम दान भी कर रहे हैं। जैसे खाटू श्याम में 40, अग्रवाल समाज टाटीबंध के काम में 40 परिजन रोज सहयोग कर रहे हैं।

समाजसेवा... 3 हजार को दिए मास्क

युवा समाजसेवी सुनीता नागरानी ने अलग-अलग इलाकों में बच्चों और बुजुर्गों में फल बांटे। साथ ही 3000 से ज्यादा जरूरतमंदों को राशन और मास्क भी मुहैया कराया है। उन्होंने गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए पौष्टिक आहार भी तैयार किया है।

भाजयुमो... 20 वार्डों में बांटे पैकेट

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर युवा मोर्चा ने रविवार को शहर के 20 वार्डों में राशन, सब्जी और थैला वितरण किया। इस दौरान विधायक बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, श्रीचंद सुंदरानी, संजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पश्चिम विस... जरूरतमंदों की मदद

हीरापुर के जरवाय इलाके में वार्ड अध्यक्ष ने रविवार को जरूरतमंदों में राशन और सब्जी बांटी। समाज सेवकों की ओर से मजदूरों और निर्धनों को राशन के साथ अन्य उपयोगी सामान दिया जा रहा है। साथ ही पैम्पलेट देकर सुरक्षित रहने के लिए उपाय बताएं जा रहे है।

महापौर ढेबर ने सोशल डिस्टेंसिंग पहले समझाई, फिर बांटा राशन

कम्युनिटी रिपोर्टर | रायपुर

महापौर एजाज ढेबर रोज अलग-अलग वर्ग के लोगों के बीच पहुंच रहे हैं और उनकी समस्याएं सुनकर समाधान कर रहे हैं। रविवार को वे टैगोर नगर स्थित अलाइट लर्निंग सेंटर पहुंचे जहां तृतीय लिंग समुदाय में राशन वितरण किया जाना था। मेयर ढेबर ने यहां पहले जरूरतमंदों को बिठाकर सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में समझाया। उसके बाद राशन वितरण किया।

सहायता कोष में सुनील ने दिए 1 लाख

कोरोना की रोकथाम के लिए सरकारी विभाग, कर्मचारियों, सामाजिक समितियों के साथ लोग व्यक्तिगत रूप से भी मदद करने के लिए आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में सुनील जैन ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम से मुलाकात कर उन्हें 1 लाख रुपए का चेक दिया। यह राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराई जाएगी।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

बैंड-बाजा, मैरिज हॉल, सराफा-श्रृंगार बाजार भी बेदम...क्योंकि अब तक टलीं पांच सौ शादियां

कोरोना इफेक्ट

अप्रैल और मई में अलग-अलग तारीखों पर होटलों-मैरिज हॉल की 350 से ज्यादा बुकिंग कैंसिल, बाद में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन यानी नुकसान की भरपाई मुश्किल

प्रशासनिक रिपोर्टर | रायपुर

कोरोना के खतरे की वजह से हुए लॉकडाउन का सबसे बड़ा असर शादियों के सबसे बड़े सीजन अप्रैल-मई में पड़ गया है। इन दो महीनों में केवल राजधानी में ही 500 से ज्यादा शादियां होनी थीं। शहर के 350 से ज्यादा छोटे-बड़े मैरिज भवन और होटल शादियों के लिए बुक थे। बैंड-बाजा, शादी के कार्ड और कैटरिंग वालों को एडवांस की रकम मिल गई थी। दूल्हे को बारात में जाने दिक्कत न हो इसलिए घोडियां और कारें तक बुक थीं। अप्रैल के पहले हफ्ते से सराफा, कपड़ा और श्रृंगार बाजार जगमगाने की तैयारी में था। फूल वालों ने रायपुर के अलावा नागपुर, पुणे, मध्यप्रदेश और दूसरे राज्यों से फूलों के भी ऑर्डर दे दिए थे। प्री वेडिंग फोटोशूट के लिए कैमरे और वीडियो वाले बुक थे। ये सारे कारोबार गहरे सन्नाटे में डूब गए हैं। सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि लॉकडाउन खुल भी गया तो इनमें से अधिकांश कारोबार के नुकसान की भरपाई नहीं हो पाएगी, क्योंकि एक बार समारोह स्थगित करनेवालों ने बाद में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का मन बना लिया है।

भास्कर ने सभी कारोबारियों से बात की तो एक परेशानी यह भी सामने आई कि अधिकतर शादियां अगले साल तक के लिए टल सकती हैं। जो शादियां होंगी वो भी पूरे सोशल डिस्टेंसिंग के साथ यानी केवल पारिवारिक सदस्यों के साथ। इससे शादी के सभी सेक्टरों पर कारोबार केवल 20 फीसदी तक का ही होने की संभावना जताई जा रही है। दरअसल 14 अप्रैल को खरमास खत्म होते ही मांगलिक कामों की शुरुआत होनी थी। अक्षय तृतीया पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में शादियां होनी तय थी। दैनिक भास्कर ने शादियों में काम आने वाले कई सेक्टरों के प्रमुख लोगों से बात की तो पता चला कि शादियां कैंसिल होने की वजह से अकेले रायपुर में 200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार प्रभावित हुआ है।

लोगों का एडवांस भी अटका

कारोबारियों का कहना है कि राजधानी में होटलों-मैरिज हॉल वगैरह में होने वाली हर शादी में वर-वधू पक्षों की ओर से औसतन 20 से 25 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। बड़ी शादियों में यह रकम 1 करोड़ से भी ज्यादा है। शहर में ऐसे भी कई परिवार हैं जहां शादियों की तैयारी लगभग पूरी हो गई थी और लोग लॉकडाउन खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब यह सभी शादियां कैंसिल कर दी गई है और ऐसे परिवारों के लाखों रुपए एडवांस में फंस भी गए हैं।

सबसे ज्यादा रौनक इन्हीं बाजारों में

शादियों के दो महीने के सीजन में सबसे ज्यादा रौनक सराफा, कपड़ा, शू, टेलर्स, श्रृंगार, ब्यूटी पार्लर, मेहंदी, मिठाई, किराना दुकानों में होनी थी। इन सभी बाजारों में लोगों की भारी भीड़ दिखाई देती, लेकिन अभी इन सभी बाजारों में ताले की वजह से कारोबार शून्य से आगे नहीं बढ़ पाया है। इतना ही नहीं इन शादियों के लिए मंदिरों और दूसरे पुजारियों से भी तारीखें ले ली गई थी। जिन परिवारों ने शादियों के लिए इन पुजारियों से संपर्क किया था वे अब उनसे दूर हो गए हैं।

विवाह के मुहूर्त 30 जून तक

पंडितों के अनुसार 30 जून तक विवाह के लग्न मुहूर्त हैं। एक जुलाई को आषाढ़ शुक्ल एकादशी (हरिशयरी एकादशी है) इस दिन भगवान क्षीर सागर में शयन के लिए चले जाते हैं और पुनः कार्तिक शुक्ल एकादशी देवोत्थान एकादशी के दिन जागते हैं, जो 25 नवंबर को है। इन चार महीनों मे किसी भी तरह का कोई मांगलिक काम नहीं किया जाता है।

इन तारीखों पर शादियां

अप्रैलः 15, 20, 21, 22, 25, 26, 27

मईः 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 10, 12, 17, 18, 19, 23, 24, 30

शादियों के सीजन में सालभर की बिक्री का एक तिहाई से ज्यादा का कारोबार हो जाता है। अब शादियां टलने की वजह से सराफा कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो गया है। बाजार में तेजी के लिए अब त्योहार तक का इंतजार करना होगा।
- हरख मालू, अध्यक्ष रायपुर सराफा एसोसिएशन

कारोबारियों ने अप्रैल-मई में शादियों के सीजन के अनुसार करोड़ों का स्टॉक जमा किया था। लेकिन अब लॉकडाउन से बड़ी रकम इस स्टॉक में फंस गई है। माल की बिक्री नहीं होने से स्टॉक के लिए लिया गया लोन परेशान करने लगा है।
- चंदर विधानी, अध्यक्ष, पंडरी थोक कपड़ा बाजार एसोसिएशन

शादियों का सीजन टलने की वजह से एक साथ कई सेक्टरों पर इसका सीधा असर हो रहा है। बड़ा कारोबारी हो या छोटा मजदूर, शादी के सीजन में अच्छा कारोबार करते थे। लेकिन अब व्यापार का खर्चा चलाना भी मुश्किल हो रहा है।
- जितेंद्र बरलोटा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ चैंबर

अब तक लगभग 33000 क्विंटल वनोपज संग्रहण

रायपुर | प्रदेश के जंगलों में लघु वनोपजों संग्रहण इन दिनों तेजी से चल रहा है। अब तक प्रदेश में वनवासियों तथा ग्रामीणों द्वारा चालू सीजन के दौरान 8 करोड़ 74 लाख रूपए की राशि के 32 हजार 814 क्विंटल लघु वनोपजों का संग्रहण हो चुका है। वन मंत्री मो. अकबर ने बताया कि चालू सीजन के दौरान राज्य में 8 लाख 46 हजार 920 क्विंटल लघु वनोपजों के संग्रहण का लक्ष्य है। इनकी कीमत 235 करोड़ है।

नापतौल विभाग ने शहर के 102 संस्थानों में की जांच

रायपुर | नापतौल विभाग ने शनिवार को राजधानी के 102 छोटे-बड़े व्यापारिक संस्थानों की जांच की। इस दौरान संतोषी नगर स्थित एक संस्थान के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। यहां अधिक कीमत पर वस्तुएं बेचने की शिकायत मिली थी। इससे पहले लॉकडाउन के दौरान आम लोगों को सही कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जरूरत के मुताबिक सामग्री मुहैया कराने खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने अनियमितता बरतने वाले संस्थानों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

अंबेडकर जयंती पर घर-घर कार्यक्रम करेगी भाजपा

रायपुर | संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को भाजपा ने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत स्तर पर आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। जो भी आयोजन होंगे, उसमें लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने कहा गया है। प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे 14 अप्रैल को अपने-अपने निवास में डॉ. अंबेडकर के चित्र का पूजन कर माल्यार्पण करें। जो भी आयोजन होंगे, उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करें।

बिलासपुर रोड।

राजधानी की सीमा सील, सरकारी अनुमति से ही कर सकेंगे प्रवेश

क्राइम रिपोर्टर | रायपुर

लॉकडाउन के दौरान रायपुर की सीमा को पूरी तरह सील कर दिया गया हैं। पुलिस शहर की सीमा पर 8 जगह बेरिकेड्स लगाया हैं, जहां से किसी को भी आने-जाने नहीं दिया जा रहा हैं। शासन की जिनके पास अनुमति हैं, उन्हें ही छूट दी जा रही है। बाकी लोगों को पुलिस फटकार लगाकर वहीं से लौटा रही हैं। सीमा पर 24 घंटे पुलिस वालों की ड्यूटी लगाई गई है। तीन शिफ्ट में सीमा पर पुलिस वाले ड्यूटी कर रहे हैं। हर शिफ्ट में अधिकारी को तैनात किया जा रहा है। शुक्रवार रात 12 बजे सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। पूरी तरह से बंद करके पैदल यात्रियों को भी आने नहीं दिया जा रहा है।

धूप में ड्यूटी, सड़क नहीं छोड़ रहे जवान

शनिवार दोपहर 1.30 बजे चिलचिलाती धूप में पुलिस के जवान खड़े हुए थे। आने-जाने वाली हर एक गाड़ियों को रोककर जांच की जा रही थी। देवरी टोल प्लाजा के पास धरसींवा पुलिस ने बेरीकेड्स लगाकर रायपुर-बिलासपुर सीमा को सील कर दिया हैं। वहां हर शिफ्ट में 6-7 जवान और एक एसआई तैनात रहते हैं।

नदी पार करने नहीं दे रही पुलिस

आरंग और महासमुंद पुलिस ने नदी मोड के पास बेरीकेड्स लगाया है। पुल के दोनों ओर पुलिस को तैनात किया गया है। दोनों जिलों की पुलिस कड़ाई से जांच कर रही है। साइकिल वालों को भी आने नहीं दिया जा रहा है। ज्यादातर एंबुलेंस और सरकारी गाड़ियों को आने-जाने दिया जा रहा हैं।

टोल प्लाजा से लौटा रहे जवान

रायपुर-भिलाई के बीच कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद कर दिया गया है। टोल पर फोर्स तैनात की गई हैं। हांलाकि रायपुर पुलिस चंदनीडीह के पास लोगों को लौटा रही हैं। दुर्ग-भिलाई वीआईपी जिला हैं। इसलिए वहां पर सुरक्षा का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दुर्ग पुलिस भी वहां से किसी को आसानी से आने नहीं दे रही है।

आज से सरकारी दफ्तरों के काम शुरू होंगे पर बंगलों से ही काम करेंगे अफसर

आर्थिक हालत सुधारने सरकार का बड़ा फैसला, उद्योग खोलने की शर्तें भी तय

कैबिनेट की बैठक में सीएम भूपेश बघेल ने मंत्रियों से चर्चा के बाद लिया निर्णय

भास्कर न्यूज | रायपुर

छत्तीसगढ़ में 15 अप्रैल के बाद 10 या इससे कम मजदूरों वाले उद्योगों में कामकाज शुरू हो जाएंगे। सीएम भूपेश बघेल ने इस संबंध में अधिकारियों को तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि उद्योग खोलने के लिए शर्तें भी तय की गई हैं। इसी तरह शराब दुकानें शुरू करने से पहले दूसरे राज्यों का अध्ययन करने कहा गया है। सीएम ने अफसरों से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। विभागीय कामकाज न रुके इसलिए सीएम ने कहा है कि मंत्रालय के सीएस, एसीएस और सचिव और संचालनालय के एचओडी अपने-अपने बंगलों में कैंप कार्यालय बनाकर काम करेंगे। इसी जगह से फाइलों का नियमानुसार मूवमेंट करेंगे। निचले स्तर के कर्मचारियों को अलग-अलग पालियों में बुलाया जाएगा। सीएम के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने गाइडलाइन जारी कर दी है। फाइलों को सुरक्षित रखने और वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए एनआईसी के एप या अन्य साधनों का उपयोग करने के लिए कहा गया है। सीएम ने कहा है कि कोरोना संक्रमण रोकने और बचावों के उपायों के अमल में सभी मंत्रियों, विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने टीम भावना के साथ काम किया है। यह एक लंबी लड़ाई है, जिसे सबको मिलकर लड़ना होगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग में सभी मंत्री, सीएस आरपी मंडल, एसीएस सुब्रत साहू, मनिंदर कौर द्विवेदी, डॉ कमलप्रीत सिंह, अलरमेलमंगई डी, अन्बलगन पी, सौम्या चौरसिया सहित विभिन्न विभागों के सचिव भी उपस्थित थे।

समाजसेवी संस्था नहीं बांट सकेंगे राशन, मेयर अध्यक्षों अपनी निधि से खरीद सकेंगे सामग्री

लॉकडाउन के दौरान समाजसेवी संस्थाओं द्वारा लोगों को राशन समेत अन्य जरुरी सामग्री बांट रही थी लेकिन राज्य सरकार ने उनके राशन वितरण पर रोक लगा दी है। शासन ने कहा कि यदि कोई संस्था सहयोग करना चाहता है तो वह स्थानीय प्रशासन के माध्यम से इसका वितरण कर सकता है। नगरीय प्रशासन ने सभी महापौरों, पालिका और पंचायत के अध्यक्षों और पार्षदों को उनकी निधि से जरुरतमंदों को बांटने के लिए राशन सामग्री खरीदने के लिए अनुमति प्रदान की है। यह अनुमति लॉकडाउन अवधि तक ही रहेगी।

उद्योग खोलने के लिए उद्योगपतियों को देना होगा शपथ-पत्र, इन निर्देशों का करना होगा पालन...

उद्योग खोलने के लिए सरकार ने निम्नलिखित शर्तों के साथ उद्योगपतियों को शपथ पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं. शर्तों का पालन करने पर ही सरकार उद्योग खोलने की अनुमति देगी. जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र को भेजे निर्देश में सरकार ने कहा है कि 14 अप्रैल के बाद उत्पादन प्रारंभ करने के संबंध में आपके जिले में स्थापित समस्त सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों से संलग्न प्रारूप में जानकारी प्राप्त कर आवेदन पत्र की पावती इकाई को उपलब्ध कराते हुए प्राप्त आवेदन पत्रों की सूची उद्योग संचालनालय को 14 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक भेजना सुनिश्चित करें. औद्योगिक इकाईयों से प्रारूप मेंजानकारी प्राप्त करने के संबंध में, स्थानीय औद्योगिक संघों को अवगत कराते हुए उनका भी सहयोग प्राप्त करें।

▪ कार्य स्थल पर साफ-सफाई की उचित व्यवस्था, ▪ निरंतर सैनेटाइजेशन की व्यवस्था ▪ कार्य पर पहुंचने के पूर्व एवं कार्यावधि समाप्त होने के बाद श्रमिकों के शरीर के तापमान की जांच ▪ कार्य के दौरान श्रमिकों के लिए साबुन/हैण्ड सैनेटाइजर एवं मास्क की व्यवस्था सुनिश्चित करना ▪ किसी भी श्रमिक में कोरोना के संक्रमण की आशंका होने पर तत्काल कार्यस्थल से दूर कर कोरोना कन्ट्रोल रूम (104) में तत्काल सूचित किया जाना होगा ▪ आवश्यकता पड़ने पर कार्यस्थल पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना ▪ कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करना ▪ उपरोक्त सभी कार्यो की व्यवस्था सुनिश्चित करने प्रभावशाली पर्यवेक्षण ▪ इकाई में केवल स्थानीय श्रमिकों को ही कार्य पर लिया जायेगा एवं इकाई में उत्पादन प्रमाण पत्र में दर्शाये श्रमिकों की संख्या का 40 प्रतिशत से अधिक कार्यरत नहीं होंगे ▪ आवागमन के लिए सामूहिक परिवहन की व्यवस्था नहीं की जायेगी।

पुनिया ने कहा- जरूरतमंद लोगों को सक्षम नेता अपने स्तर पर करें मदद

प्रदेश प्रभारी ने कहा- सत्ता और संगठन बेहतर तालमेल के साथ कोरोना संकट से निपट रहा

भास्कर न्यूज | रायपुर

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने कहा कि सत्ता और संगठन के अलावा जरूरतमंद लोगों को पार्टी के सक्षम पदाधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर भी मदद पहुंचाएं। संकट की इस घड़ी में लोगों की जितनी हो सकें मदद करें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बीच सत्ता और संगठन के नेताओं ने बेहतर तालमेल से कोरोना संकट में निपटने में अहम भूमिका निभाई है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई पीसीसी की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक में पुनिया ने कोरोना संकट से निपटने के लिए एआईसीसी द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। लगभग दो घंटे तक चली इस बैठक में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार मजदूर-दिहाड़ी वर्ग को मदद करने में पूरी ताकत से लगी है। कई पदाधिकारी पार्टी के वॉटसएप ग्रुप में लंबी चौड़ी लिस्ट भेजकर मदद का आग्रह कर रहे हैं। कोई बाहर इलाज के लिए गया था वहां पैसा खत्म हो गया तो ऐसे जान पहचान के लोगों की पार्टी पदाधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर मदद कर सकते हैं। बैठक में प्रभारी सचिव, डॉ.चंदन यादव, रामगोपाल अग्रवाल, गुरमुख सिंह होरा, गिरीश देवांगन,रवि घोष, चंद्रशेखर शुक्ला, पंकज शर्मा, शकुन डेहरिया, शैलेश नितिन त्रिवेदी, सीएम के सलाहकार विनोद वर्मा, राजेश तिवारी आदि मौजूद थे।

सीएम के फैसले, स्वास्थ्य मंत्री की दूरदर्शिता से बेहतर काम : मरकाम

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि सीएम बघेल सरकार ने त्वरित और प्रभावी फैसले लिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने दूरदर्शिता के साथ काम किया है। कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता अहम भूमिका निभा रहा है। इस लड़ाई में हमें पहली पंक्ति के सिपाही की भूमिका निभाना है और लोगों तक कांग्रेस सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं को पहुंचाना है।

बीजेपी का हमला- सभी संभागों में होने चाहिए लैब, सरकार का इंतजाम नहीं

सांसद सोनी का आश्वासन - अनुमति के लिए राज्य सरकार को सभी मदद देने के लिए तैयार

भास्कर न्यूज | रायपुर

राज्य में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ने पर बीजेपी राज्य सरकार के खिलाफ हमलावर हो गई है। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर और विधायक शिवरतन शर्मा ने आरोप लगाया है कि मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार की तैयारियां शून्य है। इस मसले पर सांसद सुनील सोनी ने आश्वस्त किया है कि वे राज्य सरकार को हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं।

सांसद सोनी ने कहा है कि अब तक सभी संभाग मुख्यालयों में लैब बना लेना चाहिए थे। एम्स सहयोग करने तैयार है। मेकाहारा और रायगढ़ में शीघ्र ही कोरोना टेस्टिंग लैब खोलने की जल्द ही अनुमति मिल जाएगी। इसके लिए वे भी एम्स से आग्रह करेंगे कि राज्य सरकार को सहयोग करें। राज्य व केंद्र सरकार दोनों को मिलकर कोरोना से लड़ना है। एम्स प्रबंधन के सदस्य होने के नाते वे लैब की अनुमति के लिए सहयोग करेंगे। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कोरोना की रोकथाम के लिए जो कोशिशें की जा रही हैं, वे कम हैं। समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए जाएंगे तो पूरे प्रदेश की स्थिति चिंताजनक हो जाएगी। पूर्व मंत्री चंद्राकर ने ट्वीट कर तबलीगी जमात से मिल रहे मरीजों पर सवाल किया है। प्रदेश प्रवक्ता शिवरतन शर्मा ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस महामारी से निपटने की तैयारी शून्य है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सभी संभागीय मुख्यालय में कोरोना ब्लड टेस्ट की व्यवस्था हो। शर्मा ने प्रदेश सरकार के इस कथन को गलत बताया है कि केंद्र सरकार ने ब्लड टेस्ट की अनुमति दो स्थानों में दी है। केंद्र सरकार ने एम्स को यह अधिकार दिया है कि जो पैथोलॉजी लैब कोरोना टेस्ट के नार्म्स को पूर्ण करे, उसे वह अनुमति दे सकते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश सरकार के मुखिया कोरोना ब्लड टेस्ट के पर्याप्त इंतजाम करने के बजाय केंद्र सरकार पर आरोप लगाने में लगे हुए हैं।

www.bhaskarad.com

दैनिक भास्कर

अभी के लिए दूरी मगर

जीवनसाथी की खोज होगी पूरी

BhaskarAd.com पर घर बैठे Online बुक करें मैट्रिमोनियलAds

BhaskarAd.com

घर से भी दफ्तर जैसा ही काम, निदान की टीम को हर दिन मिल रहीं करीब 300 शिकायतें

सिटी रिपोर्टर | रायपुर

निदान की टीम के 30 कॉल अटेंडर घर से ही रायपुर के लोगों की समस्याओं का निदान कर रहे हैं। 22 मार्च से ही पूरी टीम वर्क फ्रॉम होम मोड पर काम कर रही है। हालांकि निगम के जो विभाग अभी बंद हैं, उनसे जुड़ी शिकायतें नहीं ली जा रही हैं। लॉकडाउन के दौरान पीलिया के बढ़ते मामलों के बीच फिलहाल पानी की सप्लाई से जुड़ी कंपलेंट सबसे ज्यादा आ रही है।

इतना ही नहीं, रात के वक्त स्ट्रीट डॉग्स के मोहल्ले में शोर से जुड़ी शिकायतों के लिए लोग कॉल कर रहे हैं। वहीं ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव, सेनिटाइजेशन और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण फॉगिंग के लिए भी लोग कॉल कर रहे हैं। पूरे शहर में डोर टू डोर कलेक्शन को लेकर पहले सबसे ज्यादा कॉल दर्ज होते थे। लेकिन लॉकडाउन में इस तरह के कॉल अब न के बराबर ही आ रहे हैं। सुबह 6 बजे से निदान टीम सक्रिय हो जाती है। पिछले दिन शाम 6 बजे से 8 बजे की बीच आई कंपलेंट और ऑन लाइन शिकायतों को सबसे पहले संबंधित विभागों को ट्रांसफर किया जाता है।

30 लोगों की टीम घर में भी शिफ्ट रोस्टर में कर रही काम

लॉकडाउन में घर से काम करने वाले 30 लोगों की टीम, ऑफिस की तरह डेली रोस्टर पर काम कर रही है। इसमें काम के 8 घंटे निर्धारित हैं। इसके अलावा वीकली ऑफ भी दिया जा रहा है। यानी उस दिन कॉल अटेंड करने वालों को काम नहीं करना पड़ता है। टीम के सदस्य अपने तय वक्त में सिस्टम पर बैठ जाते हैं। पहले की तरह रोजाना शाम 8 बजे तक कॉल रिसीव किए जाते हैं।

अब समय पर नहीं मिल पाएगा रैपिड किट, टेंडर निरस्त किया

भास्कर न्यूज | रायपुर

कोरोना संक्रमण की जांच की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका है। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग ने पिछले दिनों 75 हजार रैपिड किट मंगाने के लिए निविदा जारी की थी। उम्मीद जगी थी कि राज्य में जांच में तेजी आएगी, लेकिन अचानक स्वास्थ्य विभाग ने निविदा को निरस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि तीन फर्मों को सप्लाई के लिए पात्र पाया गया था। सबसे कम दर में रैपिड किट सप्लाई करने वाली फर्म को शर्तों के अनुसार 75 हजार किट सप्लाई करना था लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अचानक तकनीकी कारण बताते हुए निविदा ही निरस्त कर दिया है। बता दें कि इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) से रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट की स्वीकृति मिलते ही सरकार ने 75 हजार रैपिड किट की खरीदी को मंजूरी दे दी थी। इसके बात महज दो दिनों में सारी औपचारिकताओं को पूरी करते हुए सीजीएमएससी ने शार्ट टर्म निविदा जारी कर दी। हालांकि, सप्लाई शुरू होने से पहले ही निविदा निरस्त कर दिया गया। अब रैपिड किट की खरीदी के लिए दोबारा टेंडर प्रोसेस करने में कम से कम 10 दिन लग सकते हैं।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

सामाजिक अशांति के संकेतों पर नजर रखें

दिल्ली के यमुना-पुश्ता के तीन शेल्टरहोम्स के बेघरों, भिखारियों और मजदूरों ने पुलिस पर पथराव किया और होम्स को आग लगा दी। पटियाला में पुलिस पर हमला भी संगीन है। देखने में इन घटनाओं को कुछ अराजक लोगों का उपद्रवी स्वभाव कहा जा सकता है, लेकिन कई मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन बढ़ाने के औचित्य को सही ठहराते हुए भी ऐसी शंका जाहिर की थी। लॉकडाउन-2 में उन मजदूरों की निराशा बढ़ेगी जो रोजी-रोटी खोकर भीख मांगने वालों के साथ लाइन में हाथ पसारे खड़े हैं। अपना मूल घर बेचारगी-जनित नैराश्य भाव में और ज्यादा अपनी ओर खींचता है। उधर, कुछ मुख्यमंत्री इन मजदूरों को इनके मूल-राज्य में भेजने की वकालत कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें तीन टाइम भोजन और निवास का प्रबंध करना पड़ रहा है, जबकि ये मजदूर किसी और राज्य में काम करते थे और किसी अन्य राज्य के निवासी हैं। जैसे जो मजदूर दिल्ली में काम करते थे, लेकिन जब लाखों की संख्या में इनका दिल्ली से पलायन हुआ तो रास्ते में उत्तर प्रदेश में इन्हें रोका गया और क्वारंटाइन केन्द्रों में डाला गया। महाराष्ट्र, केरल और बिना व्यथा कहे दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकारें भी चाहती हैं कि प्रवासी मजदूर अपने मूल गांवों में भेजे जाएं और वहां की सरकारें उनके भोजन, आजीविका और स्वास्थ्य की देखभाल करें। यहां पर दो नैतिक प्रश्न उठते हैं। लॉकडाउन के बाद जैसे ही दिल्ली से राज्यों की ओर पलायन शुरू हुआ, राज्यों ने अपना बॉर्डर ही सील नहीं किया, दिल्ली और बीच में आने वाले राज्य सरकारों से इन्हें जहां तक पहुंचे हैं, वहीं रोकने का आग्रह किया। इन राज्यों की जीडीपी में बाहर काम कर रहे मजदूरों द्वारा भेजे गए पैसे का योगदान भी अच्छा-खासा है, फिर सरकार अपनी जिम्मेदारी से क्यों भाग रही है? लेकिन दूसरा नैतिक पक्ष इससे भी मजबूत है। जिन राज्यों में ये मजदूर काम कर रहे हैं, वहां भी ये कृषि (पंजाब), उद्योग (मुंबई) और सेवा-क्षेत्र (दिल्ली और केरल) की रीढ़ की तरह हैं। मजदूर भले किसी एक राज्य से संबंध रखते हों, लेकिन वे दो राज्यों की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाते हैं। एक राज्य में काम करते हैं, दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजते हैं। विकास और खर्च का यह तंत्र आपस में जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस मुश्किल घड़ी में उनकी जिम्मेदारी सामूहिक ही होनी चाहिए।

हर हाल में नैतिकता का पालन करें

जीने की राह

पं. विजयशंकर मेहता
humarehanuman@gmail.com

यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि हमारे जीवन में आने वाला हर व्यक्ति हमारा हितकारी हो। कोरोना के इस दौर में एक वर्ग पर संदेह उठ रहा है कि क्या इन्होंने जान-बूझकर बीमारी फैलाने का खेल खेला? देखिए, कोई हमारा हित करे, हमारा भला सोचे तब तो जीवन आसान है, लेकिन परीक्षा तब होती है जब कोई हमें नुकसान पहुंचाने का प्रयास करे। तब क्या करें? शास्त्रों में कहा गया है कि ऐसे समय नैतिक बन जाइए। तो यहां भी एक सवाल उठ सकता है कि क्या नैतिक हो जाने से लोग हमारा अहित नहीं करेंगे? दरअसल, जैसे ही हम नैतिक बनते हैं, हमारे लिए मित्रता और शत्रुता के अर्थ बदल जाते हैं। जब हमारे साथ कुछ बुरा, कुछ अप्रिय होगा तो हम अपने आपको समझाएंगे कि रुक जाओ, देखो, सुरक्षा कर लो। जरूरत पड़े तो ही आक्रमण करो, अन्यथा कोई तो है जो हमारी मदद करेगा। कुछ आप करें, कुछ होने दें, यह नैतिकता का स्वर है। जब भीतर ये छह बातें जागेंगी तो आप नैतिक होते हैं- क्षमाशील हो जाएं- क्रोध गिरेगा, दयालु हो जाएं- वैराग्य जागेगा। शालीन बन जाएं- चरित्र प्रबल होगा, भाषा मधुर हो- व्यक्तित्व में विनम्रता उतरेगी। संयमी रहें- दृढ़ता के साथ नैतिकता का पालन कर पाएंगे और धैर्य रखें- परिणाम में शांति मिलेगी। कोई ऐसी शक्ति जरूर है जो नैतिकता के पालन में मदद करेगी। तो फुरसत के इन दिनों में परिवार के साथ रहते हुए उस शक्ति को खोजिए जो आपको नैतिक बना सके।

जीने की राह कॉलम पं. विजयशंकर मेहता जी की आवाज में मोबाइल पर सुनने के लिए 9190000072 पर मिस्ड कॉल करें

बंदिशों से परे • ये समय हमें जिंदगी की फिर से परिभाषा समझाने आया है, फासलों का नया फॉर्मूला बताने आया है

वक़्त के पांवों में कांटा नहीं चुभता, वह नहीं रुकता

इरशाद कामिल
कवि और गीतकार
officepost.irshad@gmail.com

खुश रहना हर हाल में
ये ताकीद बचाती आई है,
अपने जैसे कितनों को
उम्मीद बचाती आई है।

मैं अपने कमरे की खिड़की से बाहर देख रहा हूं बाहर खाली सड़क है। खाली सड़क कोरे कागज की तरह होती है जिस पर कभी भी कुछ भी लिखा जा सकता है। या फिर शायद खाली सड़क किसी खाली कैनवस की तरह होती है, जिस पर कुछ भी बन सकता है। जैसे अभी बन गया सड़क पर एक साइकिल, जिसे सत्रह-अठारह साल का लड़का चला रहा है। आधा घंटा पहले लोकल बस गुजरी थी, जिसे कोई अधेड़ चला रहा था। उससे पहले एक कार जिसे लड़की चला रही थी। लो अभी देखो जिन्दगी गुजर रही है सड़क पर से। आप पूछेंगे जिन्दगी दिखने में कैसी है-मैं कहूंगा जैसी आप कल्पना कर लें। आप पूछेंगे जिन्दगी कौन चला रहा है-मैं कहूंगा अपनी जिन्दगी के चालक आप हैं।

हम इस समय घर में बैठे बोर भी हो सकते हैं, बार-बार ये बोल भी सकते हैं कि ये कैदखाना खुल ही नहीं रहा। हम इसी समय अपने ही घरवालों के साथ वो तार भी जोड़ सकते हैं जो शायद हमें भी नहीं पता कि टूट रहा है। वो कनेक्शन भी फिर से ठीक कर सकते हैं जो मोबाइल ने लूज कर दिया था। वो पुल बना सकते हैं जो दो दिलों के बीच होता है। एक रिश्ते से दूसरे रिश्ते तक जाता हुआ।

एक दिन दफ्तर में काम के बोझ तले दबा मैं चाय का कप हाथ में लेकर उसके बारे में सोचने लगा। मैंने कभी उसे कहा नहीं कि उसका कॉफी कलर का बनाना क्लिप मुझे बहुत अच्छा लगता है, नहीं कहा कि मेरी इच्छा है कि हम दोनों किसी शाम दूर पहाड़ी ढलान पर बने घरों की बत्तियों को देखते हुए तब तक बातें करते रहें, जब तक कि दुनिया की सारी बातें खत्म ना हो जाए, कभी नहीं सराहा बहन के कारण घर में रहने वाली रौनक को, कितने साल हो गए अपने बेटे के साथ बचपन का कोई खेल खेले हुए...कितना टालता रहा हूं मैं वो छोटी-छोटी चीजें जो बहुत जरूरी थीं। मैंने कभी अपनी आंखों के नीचे पड़ने वाले काले गड्ढों को नहीं देखा। कई महीने हो गए लड़कपन के उस दोस्त का हाल पूछे भी जिसके घर के बाहर से मेरी साइकिल चोरी हो गई थी। तब मेरी उम्र उतनी ही थी, जितनी उस लड़के की, जो सलेटी सड़क की कैनवस पर काले रंग की साइकिल चला रहा था।

उम्र गुजरी भी नहीं
और कुछ गुजर भी गई
वक्त ठहरा भी नहीं
और कुछ ठहर भी गया।

हालांकि वक्त के पांवों में कभी कांटा नहीं चुभता, वो कभी नहीं रुकता, गुजर ही जाता है। अब मैं घर में हूं और मेरे पास वक्त भी है तो अब मैं बताऊंगा उसे उसके रेशमी बालों में लगे क्लिप के बारे, उसे बताऊंगा कि जिन्दगी को खूबसूरत बनाने में उसका भी उतना ही योगदान है, जितना मेरा। अब बहन से या किसी भाई से बचपन जैसी मासूम सी चालाकी करूंगा। अब फिर बेटे को अंगुली पकड़कर चलना सिखलाऊंगा। लेकिन चलने के ये रास्ते अलग होंगे, इस बार उसे ये भी बताऊंगा कि चलते हुए कई बार रास्ते की चीजों को ठहरकर देखना भी जरूरी होता है।

जैसे अभी हम सब ठहर गए, रुक गए। ये घर में बीत रहा समय उनके लिए बेहद यादगारी समय है, जिन्होंने अपने दिल और दिमाग बाजारवाद के पास गिरवी नहीं रख दिएहैं, जो रिश्तों के पौधों को पानी दे रहे हैं, अच्छा पढ़-लिख रहे हैं, अच्छा गीत-संगीत सुन रहे हैं, अच्छा सोच-विचार कर रहे हैं। वो सब खूबसूरत सोच वाले लोग घर से काम करते हुए वो सब कर लेंगे, जो उन्हें दफ्तर में बैठकर याद आता था। पुराने दोस्त को फोन करना, महबूबा के सिर के इकलौते सफेद बाल की तारीफ करना-बच्चे की पसंद न पसंद समझना, बीवी की मेहनत की कदर करना-अपनी सोच के बारे में सोचना, अपनी सेहत का ख्याल रखना या फिर ऐसा और भी बहुत कुछ जो दफ्तर में याद तो आता था लेकिन समय की कमी करने नहीं देती थी।

सीधे शब्दों में ये समय हमें जिन्दगी की फिर से परिभाषा समझाने आया है, फासलों का नया फॉर्मूला बताने आया है। रिश्तों के रेखाचित्र से स्वार्थों की धूल झाड़ने आया है। हमारे अहम् को, हमारी मैं को जमीन पर उतारने आया है। हमारी हमारे ही घर से जान-पहचान करवाने आया है। कुछ देर रुककर, सही और गलत दिशा के बारे में सोच कर फिर जल्दी ही निकल पड़ना है हमें वैसी ही किसी सड़क पर जिस पर सत्रह-अठारह साल का लड़का साइकल चला रहा था। शायद असगर गोंडवी का ये शेर याद करता हुआः

चला जाता हूं हंसता खेलता मौज-ए-हवादिस से*
*अगर आसानियां हों ज़िंदगी दुश्वार** हो जाए।*

*हादसों की लहर, **मुश्किल

नजरिया • कोरोना का फैलाव रोकने के लिए टोक्यो में पिछले हफ्ते ही लागू किए गए हैं नए कानून

जापान के स्वैच्छिक व सॉफ्ट लॉकडाउन पर तेज हुई बहस

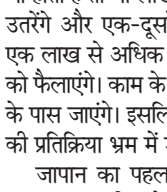

जूलियन रयाल
वरिष्ठ पत्रकार
टोक्यो से भास्कर के लिए विशेष

कोरोना वायरस के विस्तार को रोकने के लिए जापान ने नए कानून बनाए हैं, जो पिछले मंगलवार की मध्यरात्रि से प्रभावी हो गए हैं। सरकार ने इस माह के अंत तक सभी डिपार्टमेंटल स्टोर्स, स्कूल, जिम, गेम सेंटर्स, खेल परिसरों, स्वीमिंग पूल और अन्य सार्वजनिक स्थानों को बंद रखने के आदेश दिए हैं। साथ ही लोगों से कहा है कि बार और रेस्टोरेंट जाने की बजाय अधिक से अधिक घर पर ही रहें। कंपनियों से कहा गया है कि वे अपने कर्मचारियों के लिए दूर रहकर काम करने की व्यवस्था करें। हालांकि, बुधवार को हजारों लोग टोक्यो में काम पर जाने के लिए निकल आए थे। ट्रेन और सबवे कंपनियों के मुताबिक नए नियम लागू होने के बाद से टोक्यो आने वाले यात्रियों की संख्या में 60 फीसदी की कमी हुई है। यह निश्चित ही सकारात्मक है, लेकिन यह दुनिया के अन्य शहरों पेरिस, लंदन और न्यूयॉर्क के मुकाबले बहुत कम है। इसका मतलब साफ है कि जापान सरकार का 'सॉफ्ट लॉकडाउन' उतना प्रभावी न रहे जितना इसे होना चाहिए। टोक्यो के शिंजुकु स्टेशन से एक सामान्य काम वाले दिन 36.4 लाख लोग सफर करते हैं। अगर इसमें 60 फीसदी की कमी भी होती है तो भी लाखों लोग भरी हुई ट्रेनों से एक साथ उतरेंगे और एक-दूसरे के पीछे चलते हुए दुनिया में एक लाख से अधिक मौतों की वजह बने इस वायरस को फैलाएंगे। काम के बाद वे इसे लेकर अपने परिवारों के पास जाएंगे। इसलिए इस वायरस को लेकर जापान की प्रतिक्रिया भ्रम में डालने वाली है।

जापान का पहला केस 16 जनवरी को सामने आया था। चीन के वुहान से दक्षिण टोक्यो के कानागावा लौटा जापानी नागरिक जांच में पॉजिटिव पाया गया था। इससे अगले दो मामले जापान में छुट्टियां बिता रहे चीनी नागरिकों के थे और यह साफ दिखा रहा था कि जापान इस वायरस से बचने वाला नहीं है। सरकार की नीतियों में उच्च स्तर पर भ्रम का एक संकेत डायमंड प्रिंसेज क्रूज शिप पर वायरस के पुष्ट मामले सामने आने पर भी मिला था। इस जहाज को योकोहामा में रुकने पर मजबूर किया गया था और उसके यात्रियों तथा क्रू को जहाज पर ही क्वारेंटाइन किया गया था। जबकि, अनेक विशेषज्ञों का कहना था कि क्रूज को खाली कराकर 3711 यात्रियों व क्रू सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए, लेकिन सरकार ने बिल्कुल उल्टा किया। इसका परिणाम यह रहा कि 712 लोग संक्रमित हुए और शिप से उतरने से पहले ही 12 लोगों की मौत हो गई। सवाल उस समय भी उठे थे, जब सरकार ने यहां से जापानी यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन से घर जाने की अनुमति दे दी थी।

इसके बाद भी सरकार बीमारी को फैलने से रोकने के लिए कड़े प्रावधान करने का विरोध कर रही थी। इसके बारे में आलोचकों का कहना था कि सरकार जुलाई में प्रस्तावित टोक्यो ओलिंपिक खेलों को खोना नहीं चाहती थी, इसलिए वह ऐसा कर रही थी। सरकार ने संक्रमितों की संख्या कृत्रिम रूप से कम दिखाने के लिए जांच कराने के कड़े नियम भी बनाए थे। इसके अलावा जांचों की संख्या भी बहुत ही कम थी। हालांकि, दुनियाभर में वायरस का प्रकोप बढ़ने के बाद गत 24 मार्च को ओलिंपिक खेलों को 2021 की गर्मियों तक स्थगित कर दिया गया है। इसके कुछ दिनों के भीतर ही टेस्ट की संख्या और संक्रमितों की संख्या में भी तेजी दिखने लगी। 10 अप्रैल तक सरकार 64,387 टेस्ट कर चुकी थी, जो देश की 12.7 करोड़ की जनसंख्या की तुलना में बहुत ही कम हैं।

ओलिंपिक की तिथि आगे बढ़ने के बाद सरकार के पास इस बात की बड़ी गुंजाइश है कि वह वायरस को फैलने से रोकने के लिए प्रतिबंधों को लागू करे। हालांकि, जापान के कानूनों के तहत सरकार अन्य देशों की तरह पूर्ण लॉकडाउन लागू नहीं कर सकती। इस वजह से अधिकारी लोगों से प्रतिबंधों को मानने की गुजारिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा न करने वालों के लिए कोई दंड नहीं है। जापानी कंपनियां आज भी स्टाफ को बुला रही हैं और उन्हें अपने साथियों के साथ करीब बैठना पड़ता है। अनेक विदेशी नागरिक, जिनके देशों में लॉकडाउन लागू है, वे सरकार से ऐसा ही जापान में भी लागू करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब भी प्रतिबंध स्वैच्छिक हैं। इस हफ्ते मौसम के अच्छा रहने का पूर्वानुमान है और लोग पार्कों में घूमने व शॉपिंग के लिए निकलेंगे। इनमें से कोई भी अनजाने में वायरस का कैरियर हो सकता है।

महामारी के खत्म होने के बाद ही जापानियों के पास मौका होगा कि वे इस बात पर विचार करें कि सरकार ने प्रतिबंधों को अन्य देशों की तुलना में एक महीने बाद लागू करके ठीक किया या गलत। हो सकता है संक्रमितों की संख्या कम रहे। लेकिन, आज इस बात की पूरी आशंका है कि वायरस देश की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से में घुसपैठ कर चुका है। इसलिए हमारे लिए जरूरी है कि हम घर पर ही रहें और अपने लिए हम यहीं सबसे अच्छा कर सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

© The New York Times

दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

हर दिन 37 लाख गैलन दूध फेंका जा रहा

अमेरिका में रेस्त्रां, होटल, स्कूल, कॉलेज बंद होने से किसान मुश्किल में फंसे

डेविड बेलानी,माइकेल कोरकेरी

अमेरिका में विस्कांसिन और ओहायो में किसान प्रतिदिन लाखों गैलन ताजा दूध झाड़ियों और गड्ढों में फेंक देते हैं। इदाहो में एक किसान ने दस लाख पाउंड प्याज गाड़ने के लिए विशाल खाइयां खोदी हैं। अमेरिका के पूर्वी हिस्से को सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों की सप्लाई करने वाले फ्लोरिडा में बड़े ट्रेक्टर बीन्स और पत्ता गोभी की फसलों को रौंद रहे हैं। देश के बड़े कृषि फार्म इन इलाकों में हैं।

कोरोना वायरस के कारण रेस्त्रां, होटल, स्कूल, कॉलेज बंद होने से किसानों की आधे से अधिक फसल के कोई खरीददार नहीं हैं। रिटेल कारोबारी लोगों को घरों में खाने-पीने का सामान पहुंचा रहे हैं लेकिन वह इतना नहीं है कि पूरा उत्पादन खप सके। देश की सबसे बड़ी सहकारी समिति डेयरी फार्मर्स अमेरिका का अनुमान है कि किसान हर दिन 37 लाख गैलन दूध नष्ट कर रहे हैं। केवल एक चिकन प्रोसेसर हर सप्ताह साढ़े सात लाख अंडे नष्ट कर रहा है। दूध के प्रमुख ग्राहकों- स्कूल और कॉफी शॉप के बंद होने से दूध प्रोसेसिंग प्लांट के पास ऐसे समय ग्राहक कम हैं जब गायें बहुत तेज गति से अधिक दूध देती हैं। अंतरराष्ट्रीय डेयरी फूड्स एसोसिएशन के अनुसार देश में लगभग 5% दूध नष्ट किया जा रहा है। अगले कुछ माह में यह दोगुना हो जाएगा।

महामारी फैलने से पहले क्लीवलैंड में डेयरीमैन्स प्रोसेसिंग प्लांट कॉफी चेन स्टारबक्स के लिए रोजाना लगभग 13500 गैलन दूध का उत्पादन करता था। अब स्टारबक्स तीन दिन में एक बार इसका 30 प्रतिशत दूध लेता है। बीमारी फैलने के कुछ समय बाद तक प्लांट ने किसानों से हर दिन अपनी प्रोसेसिंग क्षमता का दोगुना दूध खरीदा था। अतिरिक्त दूध को रेफ्रीजरेटिड ट्रॉलर्स में स्टोर किया गया। सेंडरसन फार्म्स में चिकन प्रोसेसर हर सप्ताह सात लाख 50 हजार अंडे नष्ट करता है। यह उसके उत्पादन का 5.5% है। अब अंडों को पेट फूड बनाने वाले प्लांट में भेजा जा रहा है।

© The New York Times

सोशल मीडिया पर 5 जी टेक को महामारी फैलाने का दोषी बताया, ब्रिटेन में मोबाइल टॉवर जलाए

फेसबुक, व्हाट्सएप, यूट्यूब पर जमकर प्रचार, एक माह में टॉवर जलाने की 30 से अधिक घटनाएं

- 30 देशों में ऑनलाइन प्रचार अभियान ने जोर पकड़ा
- वुहान में वायरस का प्रकोप बढ़ने के साथ ट्रोलिंग बढ़ी

एडम सेटारिआनो, डेवी अल्बा | लंदन

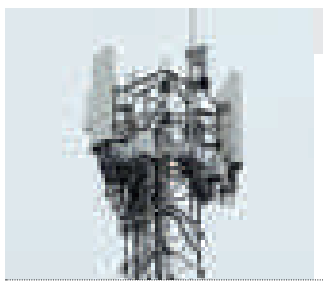

फेसबुक पर एक माह में पांच लाख फॉलोअर अभियान से जुड़े

सोशल मीडिया पर जॉन कुसेक और वुडी हारेलसन जैसे सेलेब्रिटी तक कोरोना वायरस को 5 जी से जोड़ने के गलत अभियान से जुड़े हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक विश्लेषण में पाया कि 487 फेसबुक ग्रुप, 84 इंस्टाग्राम अकाउंट, 52 ट्विटर अकाउंट और दर्जनों पोस्ट, वीडियो ने अभियान को आगे बढ़ाया है। फेसबुक ग्रुप में पिछले दो सप्ताह में पांच लाख नए फॉलोअर जुड़े हैं। इंस्टाग्राम पर 40 अकाउंट के एक नेटवर्क का ऑडिएंस इस माह दोगुना बढ़कर 58800 फॉलोअर तक पहुंच गया है।

जानलेवा कोरोना वायरस फैलाव के बीच सोशल मीडिया पर 5 जी टेक्नोलॉजी के खिलाफ जमकर अभियान चल रहा है। फेसबुक ग्रुप, व्हाट्सएप संदेशों और यूट्यूब पर यह गलत प्रचार हो रहा है कि 5 जी टेक्नोलॉजी की रेडियो तरंगों से लोगों के शरीर में परिवर्तन होते हैं इसलिए वह वायरस का शिकार हो जाता है। ब्रिटिश अधिकारियों ने बताया कि देश में इस माह वायरलैस टॉवर जलाने की 30 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। टेलीकॉम टेक्नीशियन को परेशान करने की 80 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। ब्रिटेन के बर्मिंघम, लिवरपूल सहित कई स्थानों और उत्तर आयरलैंड के बेलफास्ट में ऐसी घटनाएं हुई हैं।

23 मार्च को ब्रिटिश सरकार ने 5जी उपकरणों की खास सुरक्षा के आदेश जारी कर दिए हैं। इन घटनाओं से पता लगता है कि वास्तविक दुनिया में कोरोना वायरस साजिश का कैसा अंधा प्रचार किया जा रहा है। गलत प्रचार अभियान पर रिसर्च करने वाले विशेषज्ञों का कहना है, कोरोना वायरस से पहले कभी ऐसे अभियान ने इतनी जल्दी बहुत नुकसान नहीं पहुंचाया है। ब्रूसेल्स स्थित यूरोपियन यूनियन डिसइंफो लैब के डायरेक्टर अलेक्सांड्रे अलाफिलिपे कहते हैं, साजिश रचने वाले ऐसे अधिकतर अभियान ऑनलाइन सीमित रहते हैं लेकिन यह वास्तविक दुनिया में पहुंच गया है। उन्होंने इसे नई समस्या बताया है।

5जी कोरोना वायरस प्रचार के 10 सबसे लोकप्रिय वीडियो को यूट्यूब पर 58 लाख बार देखा गया। स्विटजरलैंड, उरुग्वे, जापान सहित 30 देशों में फेसबुक पर यह अभियान देखा जा सकता है। कोरोना वायरस से संबंधित ऑनलाइन गलत सूचनाओं की जांच करने वाली समिति की सदस्य ब्रिटिश सांसद जूलियन नाइट का कहना है, फेसबुक, यूट्यूब को स्थिति पर नियंत्रण पाने की कोशिश करनी चाहिए।

इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप की मालिक फेसबुक का कहना है, उसने कोविड-19 फैलाने में 5 जी टेक्नोलॉजी की भूमिका होने के दावों को हटाना शुरू कर दिया है। यूट्यूब ने कहा है, वह ऐसे वीडियो कम करेगा। ट्विटर का कहना है, उसने बीमारी के बारे में भ्रामक और नुकसानदेह कंटेंट के खिलाफ कार्रवाई की है। 5 जी टेक्नोलॉजी के खिलाफ राजनीतिक स्तर पर चले अभियान को इंटरनेट ट्रोल्स ने पकड़ लिया है।

जनवरी में वुहान, चीन में वायरस का प्रकोप बढ़ने के साथ 5जी विरोधी ट्रोल शुरू हो गए थे। 19 जनवरी को ट्विटर पर एक पोस्ट में बीमारी को 5जी से जोड़ने की अटकल लगाई गई। मीडिया इनसाइट कंपनी जिगनल लैब्स के अनुसार इस साल 7 अप्रैल तक ऐसा प्रचार छह लाख 99 हजार बार किया गया। ट्वीट में कहा गया, वुहान में पांच हजार से अधिक 5जी बेस स्टेशन हैं। 2021 तक 50 हजार हो जाएंगे। यह बीमारी है या 5जी। बेल्जियम न्यूज वेबसाइट पर एक डॉक्टर के हवाले से बताया गया कि 5जी जनता की सेहत को नुकसान पहुंचाता है।

© The New York Times

घर से बाहर एक्सरसाइज करते हुए भी सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी

- मास्क पहनते हुए दौड़ने से सभी लोग सुरक्षित रहते हैं
- सामान्य की तुलना में पतले मास्क से काम चल सकता है

ग्रेटचेन रेनॉल्ड्स

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने वाले लोगों के मन में सवाल उठता है कि घर से बाहर वर्कआउट करते समय फेस मास्क का उपयोग करना चाहिए अथवा नहीं। इस संबंध में विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। लेकिन, वे इस बात पर एकमत हैं कि लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखना चाहिए। शोधकर्ता कहते हैं, साइक्लिंग जैसी गहरी सांस लेने वाली एरोबिक एक्सरसाइज से वायरस फैलने के संबंध में अधिक जानकारी नहीं है। कई विशेषज्ञ कहते हैं, सामान्यतः मास्क या उसके बिना आउटडोर एक्सरसाइज सुरक्षित लगती है।

हांगकांग यूनिवर्सिटी में संक्रामक बीमारियों के प्रोफेसर बेंजामिन कोलिंग कहते हैं, भारी भीड़ को छोड़कर बाहरी इलाकों में कोविड-19 फैलने की संभावना अपेक्षाकृत कम ही रहती है। वे कहते हैं, दौड़ना सेहत के लिए अच्छा है। रनिंग के दौरान संक्रमण की आशंका कम होती है। अमेरिकी बीमारी नियंत्रण सेंटर का कहना है कि घर से बाहर जाने वाले लोगों को मास्क पहनना चाहिए। इससे दौड़ते समय अपने साथ दूसरे लोग भी आश्वस्त रहते हैं।

कठिन परिस्थितियों में एक्सरसाइज पर रिसर्च करने वाली न्यू मेक्सिको

यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट ब्रायने बेलोवरी कहती हैं, फेस मास्क के साथ साइकल चलाने और एक्सरसाइज करने वाले लोगों को सांस लेने में थोड़ी कठिनाई हो सकती है। रेडबाउड यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स के असिस्टेंट प्रोफेसर थिजिस एजवोगेल्स कहते हैं, मुंह और नाक पूरी तरह ढका होने से शरीर में हवा कम जाएगी। थोड़ी असुविधा तो होगी।

लावल यूनिवर्सिटी, क्यूबेक सिटी में कॉर्डियोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. लुईस बौलेट कहते हैं, मास्क भी जल्द गीले हो जाएंगे। गीले कपड़े के माध्यम से सांस लेना थोड़ा कठिन होता है। फेस मास्क के साथ एक्सरसाइज करते हुए चेहरे के आसपास नमी बनेगी। गर्मी महसूस होगी। नाक से अधिक द्रव निकलेगा। दौड़ते समय मास्क पहनने का अनुभव कुछ अलग ही होगा। इसलिए असुविधा से बचने के लिए हैडबैंड जैसा पतला कपड़ा चेहरे पर लगा सकते हैं। वर्कआउट के समय सर्जिकल मास्क पहनना बहुत ही असुविधाजनक है। सबसे अच्छा तरीका सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना है। घर आने पर हाथ और जैसा भी मास्क हो उसे डिसइंफेक्ट किया जाए।

© The New York Times

ट्रम्प के सलाहकार ने 29 जनवरी को 5 लाख मौतों की चेतावनी दे दी थी

- राष्ट्रपति की मनमानी से अमेरिका मुसीबत में फंसा
- सोशल डिस्टेंसिंग का पहला आदेश 16 मार्च को जारी हुआ

एरिक लिप्टन, डेविड सेंगर, मैगी हैबरमैन, माइकेल शीयर, मार्क मजेटी, जूलियन बार्न्स | वाशिंगटन

कोरोना वायरस की महामारी से निपटने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लापरवाही के सबूत लगातार सामने आ रहे हैं। संक्रमण का पहला मामला पता लगने से पहले पूर्व सैनिक विभाग के वरिष्ठ मेडिकल सलाहकार डॉ. कार्टर मेचर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कड़े कदम उठाने का आग्रह कर रहे थे। उन्होंने 28 जनवरी को सरकार और विश्वविद्यालयों के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को एक ई-मेल में लिखा था, बीमारी के विस्तार और नतीजों पर विश्वास करना मुश्किल लग रहा है। राष्ट्रपति के एक सलाहकार ने 29 जनवरी को वायरस से 5 लाख से अधिक मौतों की आशंका जताई थी। लेकिन, सोशल डिस्टेंसिंग सहित अन्य जरूरी फैसले मार्च के मध्य में लिए गए।

जनवरी माह में ट्रम्प ने बार-बार वायरस की गंभीरता को नजरअंदाज किया। उनका फोकस अन्य मामलों पर था। व्हाइट हाउस के उच्च सलाहकारों, विभिन्न विभागों और खुफिया एजेंसियों ने खतरे के संबंध में चेतावनी दी। आक्रामक कार्रवाई की सिफारिश की। लेकिन, ट्रम्प खतरे के संदेशों पर पानी डालते रहे। उन्हें अर्थव्यवस्था की अधिक चिंता थी। उन्होंने जनवरी के अंत में चीन से आवाजाही को सीमित करने का पहला ठोस कदम उठाया था। कांग्रेस से जरूरी मेडिकल सामान, टेस्टिंग के लिए पैसे की मंजूरी लेने के फैसले में ढील दी गई। संसद में महाभियोग की कार्रवाई के कारण ट्रम्प सरकार में बैठे लोगों पर संदेह कर रहे थे।

चीन से निपटने के सवाल पर भी ट्रम्प प्रशासन में गहरे मतभेद रहे। व्यापार वार्ता के दौरान चीन को अस्त-व्यस्त न करने के कारण वायरस का मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दर्जनों पूर्व और वर्तमान अधिकारियों से बातचीत, ई-मेल और अन्य दस्तावेजों की समीक्षा से जानलेवा वायरस से निपटने में देर की प्रक्रिया का पता लगाया है।

फरवरी के अंतिम सप्ताह में डा. कैडलेक की अगुआई में एक टास्क फोर्स ने 11 करोड़ लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने, 77 लाख लोगों के अस्पताल में भर्ती होने और पांच लाख 86 हजार मौतों का अनुमान लगाया था। टास्क फोर्स के सदस्य राष्ट्रपति से तत्काल मिलना चाहते थे लेकिन राष्ट्रपति भारत यात्रा पर निकल गए। 25 फरवरी को जब ट्रम्प एयरफोर्स वन विमान से भारत से लौट रहे थे तब नेशनल इम्युनाइजेशन, रेस्पिरेटरी डिसीज सेंटर की डायरेक्टर डॉ. नेंसी मेसोनियर ने तबाही की सार्वजनिक चेतावनी जारी कर दी। इसके साथ ही शेयर मार्केट ढह गया। 26 जनवरी को भारत लौटने पर ट्रम्प ने स्वास्थ्य सेक्रेटरी एलेक्स एजार से इस पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, डा. मेसोनियर ने बेवजह दहशत फैला दी है। सोशल डिस्टेंसिंग टाल दी गई। फरवरी और मार्च की शुरुआत तक ट्रम्प सरकार ने मास्क और अन्य सुरक्षा उपकरणों के लिए ऑर्डर जारी नहीं किए थे। 16 मार्च को सोशल डिस्टेंसिंग के आदेश जारी करने के बाद भी राष्ट्रपति कहते रहे कि वे अस्थायी प्रतिबंधों को भी हटाना चाहते हैं।

© The New York Times

देर से लिए गए सभी जरूरी फैसले

- नेशनल सिक्यूरिटी कौंसिल को जनवरी की शुरुआत में वायरस फैलने की कई खुफिया रिपोर्ट मिली थी।
- कौंसिल ने कुछ समय बाद शिकागो जैसे शहरों में लॉकडाउन और अमेरिकियों के घर से काम करने के विकल्प सामने रखे थे।
- 16 मार्च को देशभर में सोशल डिस्टेंसिंग लागू करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रपति कहते रहे कि अप्रैल में गर्मी बढ़ने पर वायरस गायब हो जाएगा।
- स्वास्थ्य एवं मानव सेवाओं के सेक्रेटरी एलेक्स अजार 30 जनवरी तक ट्रम्प को महामारी फैलने की चेतावनी तीन बार दे चुके थे।
- राष्ट्रपति के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने 29 जनवरी को एक मेमो में महामारी से लगभग 5 लाख मौतों और खरबों डॉलर के आर्थिक नुकसान का जिक्र किया था।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

आज का पंचांग

तिथि संवत् • वैशाख मास कृष्ण पक्ष षष्ठी सोमवार दोपहर 4.18 तक। विक्रम संवत् 2077, शाके 1942, हिजरी सन् 1439 रवि उत्तरायण, सोमवार, ग्रीष्म ऋतु।

आज का **सूर्यास्त** शामः 06.17 | कल का **सूर्योदय** प्रातः 5.53

सूर्योदयकालीन ग्रह विचार
सूर्य-मीन, चंद्र-धनु, मंगल-मकर, बुध-मीन, गुरु-मकर, शुक्र-वृषभ, शनि-मकर।

सूर्योदयकालीन नक्षत्र
मूल नक्षत्र रात 7.01 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, परिघ योग, विष्टि करण।

चौघड़िया
5.47 से 7.21 तक ..... अमृत
8.57 से 10.30 तक ..... शुभ
1.38 से 3.12 तक ..... चर
3.12 से 4.47 तक ..... लाभ
4.47 से 6.21 तक ..... अमृत
6.21 से 7.46 तक ..... चर

आज जन्मे बच्चों के नाम व राशि

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	अक्षर
7.00 तक	मूल	2	ताम्र	धनु	यो
12.59 तक	मूल	3	ताम्र	धनु	भा
7.01 तक	मूल	4	ताम्र	धनु	भी
1.06 तक	पूर्वाषाढ़ा	1	ताम्र	धनु	भू

दिशाशूल : पूर्व दिशा
यदि आवश्यक हो तो दूध से बनी वस्तु खाकर यात्रा प्रारंभ करें।

आराधना • अघोरेश्वराय ज्वलज्वालामालिने श्री साम्ब सदा शिवाय नमो नमः।

राहूकाल • 7.21 से 8.56 बजे तक।

खरीदारी शुभ समय • रात 8.00 से 9.30 बजे तक।

राशिफल

मेषः शुभ अंक...06। शुभ रंग... स्लेटी

आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आपको अजनबी लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम में बड़ों की सलाह लेना बेहतर रहेगा। पढ़ाई के प्रति आपकी एकाग्रता में कुछ कमी आएगी। आपको अपना ध्यान भटकाने से बचना चाहिए। साथ ही बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए। नजदीकी रिश्तों का ख्याल रखना चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए आपको योग और एक्सरसाइज का सहारा लेना चाहिए। अनाथालय में आर्थिक सहयोग करें। जीवन में आ रही सभी दिक्कतें दूर होंगी।

वृषभः शुभ अंक...04। शुभ रंग... हरा

आपको कई धन लाभ के मौके मिलेंगे। इन्हें आप हाथ से जाने भी नहीं देंगे। आज कोई कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आएगा। सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पेपर वर्क पूरा ना होने से आपका कोई जरूरी काम देरी से पूरा होगा। परिवार के लोगों से आपको सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः शुभ अंक...03। शुभ रंग... नारंगी

आप अपने जीवन में कुछ बदलाव करने की सोचेंगे। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको तरक्की के कई नए रास्ते मिलेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल जाएगा। आपको अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। आप अपने सभी कार्यों को बहुत हद तक समय से पूरा करने में सफल होंगे।

कर्कः शुभ अंक...01। शुभ रंग... बॉटल ग्रीन

आपका दिन घूमने-फिरने में बीतेगा। आप परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। इस राशि के व्यापारियों को अचानक से बड़ा धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे। आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव लाएंगे, जिसका फायदा भी आपको नजर आएगा।

सिंहः शुभ अंक...09। शुभ रंग... आसमानी

आस-पास कुछ पॉजिटिव बदलाव आपकी जिंदगी को बेहतर बनाएंगे। आपके काम में कुछ नए लोग भी जुड़ेंगे। समाज में आपका दायरा बढ़ेगा। आपका दिन बेहतर रहेगा। कुछ लोगों से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। लवमेट्स को अचानक कोई गिफ्ट मिलेगा। थोड़ी मेहनत से आपको किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। ऑफिस में आपका कोई नया दोस्त बनेगा, जिसके साथ लंबी दोस्ती चलेगी।

कन्याः शुभ अंक...02। शुभ रंग... हरा

आपका दांपत्य जीवन सुखद बना रहेगा। पार्टनर के साथ कहीं घूमने का मन बनाएंगे। दोस्तों की मदद से आपका कोई घरेलू कार्य सफल होगा। आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छोटे पैमाने पर अगर आप कोई काम शुरू कर रहे हैं तो आगे चलकर आपको फायदा होगा। महिला उद्यमियों को अच्छे लाभ के योग बन रहे हैं। आज आपको बिजनेस के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ेगी। यात्रा सफल भी रहेगी।

तुलाः शुभ अंक...01। शुभ रंग... बैंगनी

शारीरिक और मानसिक रुप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। सर्दी, कफ, बुखार की पीड़ा सताएगी। धर्म का काम करने में धन खर्च होने की स्थिति होगी। खर्च बढ़ेगा। लुभावने ऑफरों में न पड़ें उसका ध्यान रखें। जमीन, मकान आदि के दस्तावेजों में ठगी होने की संभावना है। माता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। निर्णय शक्ति डांवांडोल रहने से दुविधा में फंसे रहेंगे।

वृश्चिकः शुभ अंक...02। शुभ रंग... सफेद

आज आपकी आय और व्यापार में वृद्धि होने का योग है। व्यापार में नए लाभदायक संपर्क होंगे। कुटुंबीजनों और मित्रों के साथ हंसी-खुशी से पल बिताने का अवसर मिलेगा। प्रवास-पर्यटन का योग है। आज विशेष रूप से महिला वर्ग से लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के संबंधों में प्रगाढ़ आत्मीयता का अनुभव करेंगे। भाई-बंधुओं से तथा बुजुर्ग लोगों से लाभ होंगे। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनुः शुभ अंक...02। शुभ रंग... हरा

आज आपका हरेक कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा। घर-ऑफिस तथा सामाजिक क्षेत्र में अनुकूल वातावरण बनने से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। उच्च पदाधिकारियों के सहयोगपूर्ण व्यवहार के कारण आपकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। गृहस्थ जीवन में आनंद छाएगा। उत्तम सांसारिक सुख प्राप्त कर सकेंगे।

मकरः शुभ अंक...02। शुभ रंग... सफेद

पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी तरह के कानूनी मामले में बड़ी मदद मिलेगी। आज आप परिवार के साथ घरेलू सामान की शॉपिंग करेंगे। परिवार में सबकी इच्छा पूरी करने में आप सफल होंगे। आपको दूसरों की मदद करने के मौके मिलेंगे। दोस्तों के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। ऑफिस में पदोन्नति होने के योग बन रहे हैं।

कुंभः शुभ अंक...02। शुभ रंग... हरा

आप पर काम का बोझ ज्यादा रहेगा। आपको कार्यों में किसी अनुभवी की राय फायदेमंद रहेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते को लेकर आप भावुक होंगे। आपको अपनी भावनाओं पर थोड़ा काबू रखना चाहिए। कारोबार में फायदा होगा, लेकिन आपको अपने खर्चों पर अभी भी कंट्रोल बनाकर रखना बेहतर रहेगा। दांपत्य संबंध में मजबूती आएगी। लवमेट्स कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे।

मीनः शुभ अंक...02। शुभ रंग... सफेद

आपको किसी पारिवारिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा। आज आपको किसी भी वाद-विवाद से बचना फायदेमंद रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चलने की जरूरत है। ऑफिस में स्थिति आपके अनुकूल रहेगी। आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा हुआ रहेगा। सीनियर्स आपके किसीकाम से खुश होंगे।

▪ ज्योतिषाचार्य डॉ.दत्तात्रेय होस्केरे

ड्रोन फोटो : संदीप शर्मा, सुयश मिश्रा।

कटघोरा... अस्पताल चौक

कोरोना से जंग जीतना है तो यह सन्नाटा जरूरी...

कोरबा| एक चूक ने कटघोरा को प्रदेश में कोरोना का हॉट स्पाट बना दिया। प्रदेश के कुल 33 में से 23 केस यहीं से हैं। यहां अब पिछले 3 दिन से कर्फ्यू है। मेन रोड व गलियों में सन्नाटा पसरा है। वैसे यह सन्नाटा कोरोना से बचाव व जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है। यह संदेश न केवल कोरबा जिला बल्की राज्य के सभी लोगों के लिए है।

3 दिनों में साढ़े 7 सौ सैंपलः गुरुवार को कटघोरा के पुरानी बस्ती क्षेत्र में एक साथ 7 लोगों की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद क्षेत्र में घर-घर सर्वे व सैंपलिंग की जा रही है। शुक्रवार को 195 सैंपल, दूसरे दिन शनिवार को 327 व तीसरे दिन रविवार को 238 सैंपल लिए गए। 3 दिन में साढ़े 7 सौ लोगों के सैंपल लिए गए।

335 रिपोर्ट निगेटिव
23 रिपोर्ट पॉजिटिव
02 मरीज ठीक हुए
02 की रिपोर्ट बाकी

लॉकडाउन में अतिआवश्यक सेवाओं के लिए दी गई छूट की टाइमिंग घटाने के बाद अब जोनवार सीलबंद

कटघोरा में संक्रमितों के संपर्क में आने वालों की खोजबीन तेज कांकेर में यात्रा की जानकारी छुपाई तो एफआईआर के निर्देश

भास्कर न्यूज|कोरबा

कोरोना पॉजिटिव मरीज लगातार बढ़ने के साथ ही कटघोरा हॉट स्पाट बन गया। प्रशासन ने इसके लिए जहां कटघोरा को पूरी तरह सीलबंद करने के साथ ही नगर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। लोगों की सैंपलिंग भी तेज कर दी गई है। कोरोना संक्रमण का केंद्र माने जा रहे दावत में शामिल होने वालों की जानकारी जुटाने के लिए पुलिस के खंगाले जा रहे कॉल डंप में शहरी क्षेत्र से भी लोगों के शामिल होने का पता चल रहा है।

ट्रेस होने वालों को परिवार समेत क्वारेंटाइन सेंटर भेजा जा रहा है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ता-मितानीन के साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर सर्वे कर रहे हैं। दूसरी ओर अब प्रशासन ने शहर में कोरोना संक्रमण रोकने पर जोर लगा दिया है। इसके लिए प्रशासन, पुलिस, निगम व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। जोनवार क्षेत्रों को सीलबंद कर दिया गया है। क्षेत्र में प्रवेश व निकासी मार्गों पर नाकेबंदी करके पुलिस जवान तैनात किए गए है। जहां से बेवजह लोगों की आवाजाही बंद की जा रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि यदि कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए लोग संक्रमित निकले तो संबंधित क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक कोरोना वायरस का संक्रमण न फैले। पुलिस की साइबर सेल कटघोरा में 20 मार्च को हुए दावत और 30 मार्च को हुए मैयत में शामिल लोगों की खोजबीन तेज कर दी है।

प्रसव के 2 सप्ताह बाद महिला कोरोना पॉजिटिव, नर्सिंग होम बंद

रविवार की सुबह प्रशासन ने बुधवारी बाजार के पास स्थित एक नर्सिंग होम को बंद कराने के साथ ही वहां डॉक्टर परिवार समेत काम करने वाले कर्मचारियों को भी होम क्वारेंटाइन किया है। बताया जाता है कि कटघोरा एक महिला को प्रसव के लिए उक्त नर्सिंग होम में 17 मार्च को भर्ती कराया गया था।

दंपती ने ईस्टर पर कराया सामूहिक भोज, केस दर्ज

लॉकडाउन के दौरान शुक्रवार को ईस्टर त्योहार पर शहर में एक दंपती ने प्रार्थना व सामूहिक भोज का आयोजन किया। पुलिस ने मामले में दंपती समेत भोज में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। सिटी कोतवाली दुर्गेश राठौर ने बताया कि शहर के पंप हाउस झोपड़ीपारा में रहने वाली दुर्गा साहू के द्वारा अपने घर में ईस्टर त्योहार के लिए प्रार्थना करने सामूहिक भोजन करवा रही थी, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। संक्रमण फैलने की आशंका को देखते कोतवाली पुलिस ने सभी लोगों के खिलाफ धारा 188, 269, 270, 271, 34 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

पामगढ़ मजदूरों से बनवा रहे थे ईंट, 27 पर जुर्म

शिवरीनारायण-पामगढ़ | लॉकडाउन के दौरान भी लोग ईंट भट्ठों में मजदूरों को बुलाकर काम करवा रहे हैं। जिले में ऐसे तीन प्रकरण आ गए हैं। रविवार को शिवरीनारायण पुलिस ने केरा रोड के 4 ईट भट्ठों में कार्रवाई की। इस दौरान चार ईंट भट्ठा संचालकों छोटेलाल प्रजापति पिता भोलाराम प्रजापति शिवरीनारायण व पांच लेबर, राजेंद्र प्रजापति पिता रामप्यारे प्रजापति शिवरीनारायण के भट्ठा में पांच लेबर, ठेकेदार विजय यादव पिता मुन्ना यादव तुस्मा के ईंट भट्ठा में 6 लेबर और ठेकेदार कांताप्रसाद प्रजापति पिता युगल किशोर प्रजापति शिवरीनारायण के भट्ठा में ईंट बनाते 7 मजदूरों को पकड़ा। पुलिस ने भट्ठा संचालकों के साथ ही वहां काम कर रहे मजदूरों के खिलाफ भी धारा 144 व लॉकडाउन के उल्लंघन का मामला दर्ज किया।

जशपुर 35 लोगों के सैंपल भेजे रायपुर, 31 की रिपोर्ट निगेटिव

जशपुरनगर | जिले में प्रशासन ने एहतियातन कई नए कदम भी उठाए हैं। कोरोना टेस्ट के लिए अब तक 35 लोगों के सैंपल भेजे जा चुके हैं। अच्छी बात यह है कि इनमें से 31 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। चार सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी है।

कांकेर दंपती हनीमून मनाने गए थे कुल्लु मनाली

कांकेर | पखांजूर क्षेत्र के ग्राम कापसी का एक दंपती हनीमून मनाने कुल्लु मनाली गया था। स्वास्थ्य विभाग का अमला उनके घर सर्वे करने पहुंचा तो दंपती ने यह जानकारी छुपा ली। बाद में यह जानकारी सामने आई तो विभाग ने मामला दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

आईईडी की चपेट में आया जवान

सुकमा | जिले से सटे ओडिशा के मलकानगिरी जिले की सीमा से सटे जंगलों में शनिवार शाम प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर डीआरजी जवान पोयामी सोमा मामूली रूप से घायल हो गया। गनीमत यह रही कि जवान सीधे तौर पर ब्लास्ट की जद में नहीं आया। उपचार के बाद जवान को मेकॉज से डिस्चार्ज कर दिया गया है। बताया गया कि ब्लास्ट में जवान के मामूली रूप से घायल होने के बावजूद फोर्स की टुकड़ी ने तुलसी डोंगरी में एलओपी लेकर पूरी रात यहीं गुजारी। रविवार सुबह लगभग 11 बजे डीआरजी जवानों की टुकड़ी पुसपाल कैंप लौट आई।

आसपास की खबरें

मोहल्लों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव

आरंग| ग्राम पंचायत भानसोज को रोग मुक्त बनाने के लिए गांव की गलियों को सैनिटाइज करने का काम किया जा रहा है। गली मोहल्लों में कीटनाशक दवा छिड़काव किया जा रहा है। उपसरपंच संजीव चन्द्राकर, पंच हरि बंजारे, भुनेश्वर धीवर, कैलाश साहू, ग्रामीण छगन चन्द्राकर, गोलू चंद्राकर, देवेंद्र वर्मा, लेवेंट काठरे, हेमन्त गोरेलाल, चनेश्वर साहू, मुलु चन्द्राकर द्वारा दवाई का छिड़काव करवाया गया। साथ ही ग्रामीणों को सोशल डिस्टेंस का पालन करने , चेहरे पर मास्क लगाने, लॉक डाउन का पालन करने का निवेदन किया गया।

मास्क लगवाकर दिया जा रहा चावल

आरंग| जनपद पंचायत आरंग की पंचायत मंदिरहसौद में उचित मूल्य की दुकान में पात्र गरीब परिवारों को 2 माह का निःशुल्क चावल दिया जा रहा है। चावल देने के पहले राशनकार्ड धारियों को सोशल डिस्टेन्स का पालन करवाया जा रहा है। उक्त काम मे जनपद सदस्य प्रतिनिधि पिंटू निर्मलकर सहयोग कर रहे हैं।

पेट्रोल पंप पर भी सोशल डिस्टेंस का कर रहे पालन

आरंग| जनपद पंचायत आरंग के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के गांवो में स्थित पेट्रोल पम्पो पर कर्मचारीगण सोशल डिस्टेंस का पालन करवा रहे हैं। मास्क लगाकर आने वाले ग्राहकों को ही पेट्रोल दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत नारा के पेट्रोल पंप में कर्मचारियों द्वारा मार्किंग की गई है।

विधायक ने राशन बांटा

धरसींवा| विधायक अनीता योगेंद्र शर्मा ने ग्राम पंचायत छपोरा से शुरू होकर लालपुर, मटिया, भुरकोनी, बरोदा ,सकरी, पिरदा ,तुलसी ,सेरीखेड़ी ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया व लोगों को कोरोना के लिए जागरूक किया । जनपद अध्यक्ष ,जनपद उपाध्यक्ष व सदस्यों द्वारा दो माह का मानदेय 89800/ रुपये सहायता कोष में जमा करने हेतु धरसीवा तहसीलदार रवि विश्वकर्मा व विधायक को चेक के रूप में सौंपा गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सूचना
पत्र सं.ई/पीबी/आर/आसीटी/2020 दिनांक: 10.04.2020. कोविड-19 वैश्विक महामारी से संबंधित आवश्यकताओं को देखते हुये हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के क्षेत्राधिकार में अधिसूचना संख्या ई/पी.बी./आर/आर.सी.टी./2020 दिनांक-06.04.2020 के तहत चिकित्सकों, फर्मासिस्ट, स्टाफ नर्स एवं लैब सुपरिटेंडेन्ट पद पर संविदा के आधार पर ई मेल के माध्यम से आवेदन प्राप्त किये गये हैं।
समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त पदों के विरूद्ध आयोजित होने वाले साक्षात्कार के लिये उन्हें भौतिक रूप से कार्यालय में उपस्थित नही होना है। समस्त आवेदको का विभिन्न पदों हेतु साक्षात्कार ऑनलाईन ली जायेगी जिसकी जानकारी उन्हें ई.मेल एवं फोन कॉल के माध्यम से समयानुसार दी जायेगी।
कृते वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी
पीआर/आर/सीनि.डीपीओ/एपी/002 द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

जैकेट व पेज 1 के शेष

पति-पत्नी व बेटे की धारदार हथियार से अज्ञात ने मार डाला

जबकि पत्नी महेश्वरी दूसरे कमरे में अकेली सोई थीं। सबने शनिवार रात 10:30 बजे तक टीवी पर रामायण सीरियल देखा। इसके बाद दंपती की 20 साल की बेटी पूनम अपनी दादी और चचेरी बहन के साथ रोज की तरह सोने के लिए नए मकान के कमरे में चली गई। जबकि यशवंत, महेश्वरी और देवेंद्र पुराने मकान के नीचे कमरों में सोये थे। मृतक के पिता दानीराम साहू उसी मकान में ऊपर के कमरे में सो रहे थे। दानीराम के उठने के बाद ही सुबह 6 बजे घटना का पता चला। दोनों मकान एक ही परिसर में हैं। पिता-पुत्र की लाश उनके बिस्तर पर ही पड़ी थी, दोनों के सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ वार किया गया था। महिला की लाश कमरे के बाहर बरामदे में खून से लथपथ पड़ी थी। यशवंत क्षेत्र के संपन्न किसान थे और प्राथमिक जांच में किसी तरह के विवाद की बात सामने नहीं आई है।

दो व्यवसायी भाइयों की दोस्त ने गोली मारकर हत्या कर दी

हत्या वाले दिन दोनों मृतक व्यापारी कैरम खेलने आकाश के घर आए थे। हत्या की वजह जमीन बेचने के बाद रुपए का लेन-देन बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी आकाश, श्रवण व पिस्टल सप्लाई करने वाले शहर के गंगापुर निवासी रमेश अग्रवाल व बतौली थाना के ग्राम बरगीडीह निवासी शिव पटेल को गिरफ्तार कर लिया है।

इधर, खदान धंसने से तीन की मौत, जेसीबी से निकाले शव

ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे एसडीएम व टीआई ने ग्रामीणों से शवों को बाहर निकालने के लिए मिट्टी हटाने का काम शुरू किया, लेकिन कुछ देर बाद लोगों की हिम्मत जवाब दे गई। इसके बाद जेसीबी बुलाकर तीनों शव बाहर निकाले गए। पीएम के बाद तीनों के शव परिजन को सौंप दिए गए।

अमूल दूध की गाड़ी में कच्ची शराब बनाने रायपुर से ले जा रहे थे महुआ, 10 टन जब्त

इसके बाद सभी गाड़ियों की जांच के निर्देश दिए गए थे। रविवार को जरहागांव थाने की टीम ने रायपुर से तखतपुर जा रहे एक ट्रक को रोककर जांच की। ट्रक के सामने अमूल लिखा था और ग्लास में अत्यावश्यक सेवा का उल्लेख था। राज्य में दूध का परिवहन प्रतिबंधित नहीं है, इसलिए पुलिस को चकमा देने के लिए यह पैंतरा अपनाया गया था, लेकिन जब ट्रक को रोककर जांच की गई तो उसमें दस टन महुआ मिला। महुआ परिवहन का कोई परमिट भी नहीं था, इसलिए लॉकडाउन के उल्लंघन और वन उपज व्यापार विनियमन नियम के तहत ड्राइवर दिनेश सप्रे को गिरफ्तार किया गया है।

बिलासपुर आईजी दीपांशु काबरा के मुताबिक लोरमी पुलिस ने महुए की गाड़ियां पकड़ी थीं, उसके बाद से ही जांच तेज करने के निर्देश दिए गए थे। अत्यावश्यक सेवा की आड़ लेकर आरोपी पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि मुखबिर की सूचना पर पकड़ लिया गया है। रायपुर से किसने महुआ भेजा था और तखतपुर में किसे डिलीवरी देनी थी, इसकी जांच की जा रही है।

केंद्र ने राज्यों को लिखा- सामान ढोने वाले वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित हो

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्य सरकारों को पत्र भेजकर सभी प्रकार के ट्रांसपोर्ट वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। इन वाहनों में एक ड्राइवर और एक सहयोगी हो सकता है। हालांकि, ये वाहन हॉटस्पॉट और कंटेनमेंट क्षेत्रों में नहीं चलेंगे।

कटघोरा से ही 6 नए केस, 18 घंटे में 13 पॉजिटिव छत्तीसगढ़ के 31 मामलों में 22 यहीं से मिले

उनसे कई लोगों का संपर्क हुआ होगा तो वे भी खतरे में हैं। इसलिए सभी की जांच की जा रही है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मामले बढ़ते भी हैं तो यहां इलाज के लिए पूरे इंतजाम हैं।

एम्स दे रहा कोरोना टेस्ट का प्रशिक्षण : एम्स के डायरेक्टर ने कहा की एम्स की टीम प्रदेश के अन्य चिकित्सा संस्थानों में कोरोना टेस्ट का प्रशिक्षण दे रही है। जल्द ही रायपुर मेडिकल कॉलेज में जांच की सुविधा शुरु हो जाएगी। इसके बाद हर दिन लैब टेस्ट की संख्या भी बढ़ जाएगी। फिलहाल हर दिन तीन-साढ़े 3 सौ सैंपल जांचे जा रहे हैं। यह संख्या दो-तीन दिन में बढ़कर औसतन 400 से ऊपर हो जाएगी।

महासमुंदः चर्च के बाहर चस्पा था धारा-144 का नोटिस अंदर चल रही थी प्रार्थना सभा, 37 पर एफआईआर दर्ज

थाना प्रभारी राकेश खुंटेश्वर ने बताया कि सुबह 11 बजे नयापारा स्थित फेलोशिप चर्च में प्रार्थना सभा होने की सूचना पर पुलिस पहुंची तो अंदर पादरी प्राणेश्वर राव समेत 25 महिला, 12 पुरुष और कुछ बच्चे प्रार्थना कर रहे थे। इन सबको पुलिस वैन से टाउन हॉल लाया गया। यहां सेहत की जांच के बाद जुर्म दर्ज किया गया। नोडल अफसर डॉ. अनिरुद्ध कसार ने बताया कि किसी में भी कोरोना के कोई लक्षण नहीं मिले हैं।

बेवजह बैठे 5 लोगों पर भी एफआईआर : कोतवाली पुलिस ने शहर के वार्ड नंबर 28 में मौहारीभाठा पानी टंकी के नीचे बेवजह बैठे 5 लोगों पर भी केस दर्ज किया है। शनिवार को गश्त के दौरान पानी टंकी के नीचे दिनेश चंद्राकर, कुमार दास मानिकपुरी, गुडडू यादव, होरीलाल ढीमर, रामकुमार धीवर बिना मास्क लगाए बैठे थे।सबके खिलाफ धारा 188, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इटली से आए 37 स्टूडेंट्स को चिल्फी में ठहराने पर विरोध

लगभग 20 से 25 की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और छात्रावास में इटली से आए स्टूडेंट्स को ठहराने को लेकर विरोध जताया। यहां उपस्थित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने पहले तो उन्हें समझाइश दी। लॉकडाउन के दौरान एक जगह पर इतनी संख्या में लोगों को एकत्रित न होने कहा। कहा कि आप लोग निश्चिंत रहिए आपके गांव को कुछ नहीं होगा। आपके गांव की सुरक्षा हमारा दायित्व है। मामले में एसपी केएल ध्रुव का कहना है कि कोई लाठीचार्ज नहीं हुआ था। एक साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए तो थोड़ी सख्ती करते हुए उन्हें घर भेजा गया।

निजामुद्दीन समेत ज्यादा प्रभावित शहरों से ट्रेनों से 9 हजार लोग यहां पहुंचे, रेलवे ने सौंपी सूची

उनमें अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, निजामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, निजामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस, हरिद्वार-पुरी उत्कल एक्सप्रेस और अमृतसर-विशाखापत्तनम हीराकुंड एक्सप्रेस शामिल है। इसके अलावा, 13 से 20 मार्च के बीच पेंड्रारोड स्टेशन में आने वाली सभी ट्रेनों के यात्रियों का ब्योरा अलग से तैयार किया गया है। 17 मार्च को रायगढ़ से गोंदिया के बीच चलने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस के कुछ यात्रियों का डेटा भी इस सूची में हैं। क्योंकि इसी ट्रेन में राजनांदगांव से चढ़ने वाला एक यात्री बाद में कोरोना पाजिटिव निकला था।

ट्रेनें और आए यात्रीः संपर्क क्रांति एक्सप्रेस- 4292, गोंडवाना एक्सप्रेस- 2642, उत्कल एक्सप्रेस-1032, जनशताब्दी एक्सप्रेस- 142, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस- 546, हीराकुंड एक्सप्रेस-184, पेंड्रा रोड आई ट्रेनें - 129

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

शुरुआत करने के लिए आपका महान होना जरूरी नहीं है लेकिन महान बनने के लिए शुरू करना जरूरी है -जिग जिगलर

दैनिक भास्कर
yougle
यूगल...सफलता का सर्च इंजन
• RAIPUR • MONDAY • 13/04/2020

दैनिक भास्कर ऐप
जॉब्स, एग्जाम्स और एजूकेशन का हर अपडेट पाइए रियल टाइम में। एक्सपर्ट गाइडेंस के साथ नए जॉब्स के लिए कीजिए अपनी तैयारी।
91900-00098 पर मिस्ड कॉल देकर या प्ले/ऐप स्टोर से अभी डाउनलोड करें।

नई सोच से मुश्किल को अवसर में बदल रहे हैं ये इनोवेटर्स

आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस कहावत को चरितार्थ होते हुए देखने का इससे अच्छा मौका नहीं मिल सकता। देश के स्टूडेंट्स ही नहीं एकेडमिशयंस भी इसमें इनोवेशन के अवसर तलाश रहे हैं और कोविड-19 को फैलने से रोकने की दिशा में ऐसे कई इनोवेटिव प्रॉडक्ट्स का निर्माण कर रहे हैं जो इस महामारी से लड़ने में न केवल मेडिकल प्रोफेशनल्स बल्कि आम लोगों के लिए भी काफी मददगार साबित हो रहे हैं। ये इनोवेटर्स अपनी आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग से कलर चेंजिंग मास्क से लेकर सोशल डिस्टेंसिंग के लिए आईओटी डिवाइस और संक्रमितों को ट्रैक करने वाले एप बनाने तक, अपने प्रयासादेशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं।

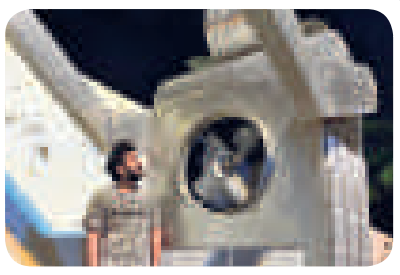

सार्वजनिक स्थानों को आसानी से सैनेटाइज कर सकता है यह रोबोट

कोरोनावायरस से लड़ाई की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए आईआईटी खड़गपुर और एम्स के दो पूर्व छात्र देबयान साहा और शशि रंजन ने अस्पतालों सहित सार्वजनिक स्थानों को कीटाणुमुक्त करने के लिए एयरलेस माइनस कोरोना यूवी बॉट नाम का एक डिवाइस तैयार किया है। अल्ट्रावायलेट लाइट पर आधारित यह रोबोट अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, शॉपिंग मॉल्स और दूसरे सार्वजनिक स्थानों को आयोनाइज्ड वॉटर के स्प्रे से स्टरलाइज कर सकता है वो भी बिना किसी को संक्रमण का एक्सपोजर दिए। रिमोट से कंट्रोल किए जाने वाले इस रोबोट की अल्ट्रावायलेट स्टरलाइजेशन टेक्नोलॉजी उन वायरस और माइक्रो ऑर्गेनिजम्स को मारने में बेहद प्रभावी है जो सामान्य सफाई के बाद भी सतह पर रह जाते हैं।

स्टूडेंट्स ने तैयार किया जिलों के लिए एक लाइव ट्रैकिंग सिस्टम

हैदराबाद के तीन इंजीनियर्स ने एक ऐसा लाइव ट्रैकर बनाया है जिसकी मदद से जिलों के हिसाब से कोरोना के मामलों को ट्रैक किया जा सकता है। महिंद्रा इकोल सेंट्रल इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन स्टूडेंट्स राघव एनएस, अनंत श्रीकर और ऋषभ रामनाथन द्वारा बनाया गया यह ट्रैकर ऑफिशियल हैल्थ वेबसाइट्स और न्यूज आउटलेट्स से डेटा इकट्ठा करता है और फिर जिले के अनुसार देश के नक्शे में संक्रमण की स्थिति को चिह्नित करता है। इससे आम लोग उन क्षेत्रों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं जहां संक्रमण है और खुद का बचाव कर सकते हैं। कोव-इंडिया नाम का यह ट्रैकर देश का पहला लाइव ट्रैकर है जो आपको अपने आस-पड़ोस की स्थिति की ताजा जानकारी से अवगत करवा रहा है।

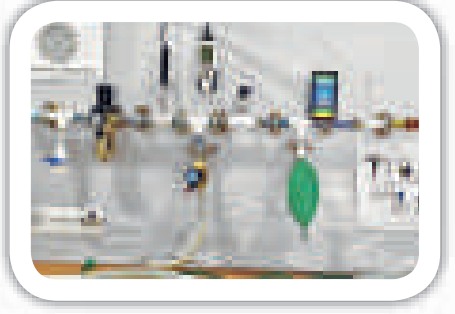

आईआईटी रुड़की ने बनाया जरूरी सुविधाओं से लैस पोर्टेबल वेंटिलेटर

महामारी के चलते मरीजों के लिए वेंटिलेटर्स के महत्व को समझते हुए आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने लॉकडाउन से एक हफ्ते पहले ही कम लागत का पोर्टेबल वेंटिलेटर बनाने का काम शुरू कर दिया था। आईआईटी रुड़की के प्रो. अक्षय द्विवेदी और प्रो. अरूप कुमार दास ने एम्स ऋषिकेश के डॉ. देबेंद्र त्रिपाठी की मदद से इसे तैयार किया है और सफलतापूर्वक इसका टेस्ट भी कर लिया है। प्राण वायु नाम के इस वेंटिलेटर में रिमोट मॉनिटरिंग, ऑपरेटिंग मीटर, टच स्क्रीन से नियंत्रण, सांस लेने के लिए नमी और तापमान नियंत्रण जैसी कई सुविधाएं हैं और इसकी मदद से किसी भी वार्ड को आईसीयू में बदला जा सकता है। इसकी लागत 25 हजार रुपए आंकी गई है, जबकि बाजार में वेंटिलेटर की कीमत लाखों में है।

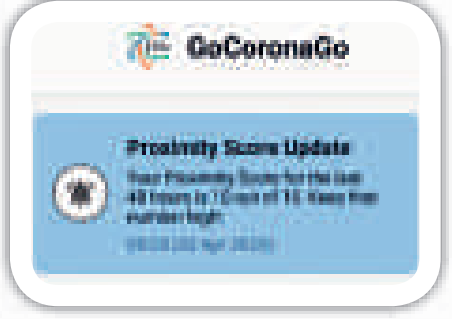

संपर्क-ओ-मीटर और गो कोरोना गो जैसे एप्स भी किए गए डेवलप

आईआईटी रोपड़ के बीटेक स्टूडेंट ने एक ऐसा एप तैयार किया है जो नक्शे पर ऐसे क्षेत्रों की पहचान करता है जहां कोरोनावायरस के संक्रमण की सबसे अधिक संभावना हो। संपर्क-ओ-मीटर नाम का यह एप कई फैक्टर्स को स्टडी करके एक रिस्क स्कोर जेनरेट करता है और लोगों को सेल्फ आइसोलेशन सहित डॉक्टर से संपर्क करने जैसे एहतियाती कदम उठाने का अलर्ट भी देता है। इसी तरह बैंगलुरु स्थित आईआईएससी संस्थान की एक टीम ने गो कोरोना गो नाम से एक एप तैयार किया है जो कोविड-19 के संक्रमित या पॉजिटिव व्यक्ति के साथ यात्रा करने पर आपको उसकी जानकारी देगा। इसके लिए यह एप जीपीएस और ब्लूटुथ का इस्तेमाल करते हुए उस व्यक्ति की पिछली बातचीत को ट्रैक करता है।

ये इनोवेशंस भी हैं कारगर

- आईआईटी गुवाहाटी के स्टूडेंट्स ने रेसरफ्लाय नामक एक ऐसा ड्रोन तैयार किया है जो बड़ी जगहों पर सैनेटाइजर का स्प्रे करने में सक्षम है। टीम में शामिल एक स्टूडेंट अनंत मित्तल के अनुसार एक ड्रोन 20 लोगों को रिप्लेस कर सकता है जो इस समय में काफी मददगार है।
- वडोदरा के इंजीनियर्स और वायरल ब्रेन सिस्टम के कोफाउंडर्स ने तीन लेयर वाले एंटी इंफेक्शियस ग्लव्स का निर्माण किया है। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि इन्हें पहनने के बाद आप जिस चीज को टच करेंगे वह सैनिटाइज हो जाएगी। ये ग्लव्स तीन दिन तक काम करेंगे।
- बैन कोरोना नाम के स्टार्टअप ने कलर चेंजिंग मास्क बनाया है। कोरोनावायरस के संपर्क में आने के बाद इस मास्क की स्ट्रिप का रंग गुलाबी हो जाता है। यही नहीं यह मास्क वायरस को पेनिट्रेट होकर आपको संक्रमित करने से भी बचाता है।

USEFUL TECHNIQUE

गेटिंग थिंग्स डन से सीखें टाइम मैनेजमेंट

प्रोफेशनल्स के लिए हमेशा प्रॉडक्टिव बने रहना मुश्किल है और यही डिजिटल नोमैड्स और रिमोट वर्कर्स के लिए भी लागू होता है। अगर आप भी इस परेशानी का सामना कर रहे हैं तो गेटिंग थिंग्स डन नाम की प्रॉडक्टिविटी टेक्नीक मदद कर सकती है। प्रॉडक्टिविटी कंसल्टेंट डेविड एलन की इस टेक्नीक को स्टेप-बाय-स्टेप फॉलो करके आप बेहतर सेल्फ मैनेजमेंट कर सकते हैं और वर्कलोड के बढ़ने से होने वाले स्ट्रेस से भी दूर रह सकते हैं।

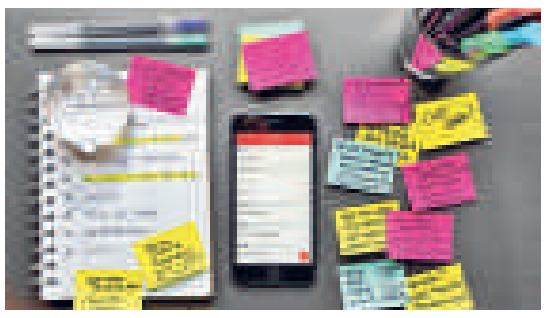

स्टेप 1 - हर काम को पहले कैप्चर करें

आपके दिमाग में आ रहे उन सभी कार्यों को लिख लें जो आपका ध्यान लगातार खींच रहे हैं। इसमें अलग-अलग कैटेगरीज हो सकती हैं जैसे ऑफिस के काम, घर के टास्क आदि। इन सभी की पहचान करना जरूरी है ताकि आप बाद में इन्हें पूरा कर लें और कोई काम छूट न जाए।

स्टेप 2 - प्रोसेस को स्पष्ट करना जरूरी

जब आप हर काम को रिव्यू करें तो यह सवाल पूछें कि क्या यह एक्शन लेने लायक है? इससे आप ऐसे काम करने से बच जाएंगे जो गैर-जरूरी हैं। जो जरूरी काम हैं उन्हें पूरा करने में कितना समय लगेगा, इसकी गणना करें। जिस काम में 2 मिनट या उससे कम समय लगे उसे तुरंत कर डालें।

स्टेप 3 - कैटेगरी के अनुसार ऑर्गनाइज करें

अब अपनी एक्शन लिस्ट के टास्क्स को कैटेगरी के अनुसार अलग करें। उदाहरण के लिए जरूरी फोन कॉल्स को फोन की कैटेगरी और घर का ग्रोसरी का सामान ग्रोसरी की लिस्ट में लिखें। इससे आप अपने काम को अलग-अलग बैच में बांटने में कामयाब होंगे।

स्टेप 4 - रिव्यू और फिर रिफ्लेक्ट करें

अपनी ऑर्गनाइज्ड लिस्ट को लगातार रिव्यू करते रहें। बदलते दिन के साथ आपकी वरीयताएं भी बदल सकती हैं। याद रखें प्रॉडक्टिविटी सीधे तौर पर लगातार रिव्यू और एडजस्टमेंट्स पर निर्भर होती है। प्रॉडक्टिव बने रहने के लिए जरूरी है कि आप अपने लिस्ट को क्लीन और अपडेट करते रहें।

स्टेप 5 - एंगेज्ड रहें और काम पूरा करें

पहले चार स्टेप्स को फॉलो कर लेंगे तो आपके लिए गेटिंग द थिंग्स डन के पांचवें स्टेप को आसान बना सकता है। इस स्टेप में आपको अपने जरूरी कामों की पूरी जानकारी है और यह भी कि हर दिन आपको क्या करना है। बस लिस्ट निकालिए और प्लान को पूरा कर लीजिए।

जेईई मेन के मॉक टेस्ट्स लेने में आपके मददगार बनेंगे ये वेब पोर्टल्स

आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी जैसे टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन के लिए जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम यानी जेईई सबसे मुश्किल एंट्रेंस एग्जाम्स में से एक है। अगर आप भी इस साल यह एग्जाम देने वाले हैं तो कोरोनावायरस की वजह से इसके स्थगित होने से आपको अपने तैयारी को और मजबूत करने का टाइम मिला है। मॉक टेस्ट्स इसमें काफी मदद कर सकते हैं। ये टेस्ट्स लेकर आप पढ़े हुए सिलेबस का रिवीजन कर सकते हैं और इसके रिजल्ट के आधार पर अपने कमजोर टॉपिक्स को मजबूत बना सकते हैं। कुछ वेबसाइट्स हैं जहां से आप मॉक टेस्ट्स में हिस्सा लेकर बेहतर रिजल्ट के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (www.nta.ac.in)

जेईई मेन सहित प्रमुख एंट्रेंस एग्जाम्स का आयोजन करने वाली एजेंसी भी अपनी वेबसाइट पर मॉक टेस्ट उपलब्ध करवाती है। आप चाहें तो ऑनलाइन टेस्ट्स और क्विज के लिए भी यहां रजिस्टर कर सकते हैं।

बायजूज (https://byjus.com/)

ऑनलाइन एजुकेशन में बायजूज ने देश में एक खास पहचान बनाई है। इस प्लेटफॉर्म पर आपको बोर्ड एग्जाम से लेकर कई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध है। यहां आपको जेईई मेन एग्जाम के मॉक टेस्ट भी उपलब्ध होंगे। आप वेबसाइट पर सब्जेक्ट वाइज भी मॉक टेस्ट में हिस्सा ले सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यहां आपको इनके सॉल्यूशंस और आंसर की भी उपलब्ध करवाई जाती है।

एम्बाइब (https://www.embibe.com/)

एम्बाइब की फ्री जेईई मेन फ्री मॉक टेस्ट सीरीज भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकती है। स्टूडेंट्स यहां चैप्टर-वाइज टेस्ट, फुल टेस्ट या रिवीजन टेस्ट ले सकते हैं। आपकी मदद के लिए यहां हरेक टेस्ट पूरा करने के बाद आपका स्कोर और हर सब्जेक्ट के लिए टाइम-मैनेजमेंट एनालिसिस भी उपलब्ध होता है जो आपको तैयारी में बहुत मदद करता है।

ONLINE PROGRAM

स्किल्स मजबूत बनाएं टीसीएस के फ्री कॅरिअर एज प्रोग्राम से

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की स्ट्रैटजिक यूनिट टीसीएस आईओएन ने 15 दिनों का एक सेल्फ पेस्ड डिजिटल सर्टिफिकेशन प्रोग्राम शुरू किया है। कॅरिअर एज नाम का यह कोर्स दो हफ्ते का ऑनलाइन डिजिटल प्रोग्राम है, जिसके अंत में एक ऑनलाइन डिजिटल असेस्मेंट और सर्टिफिकेशन होगा। युवाओं के लिए खासतौर से तैयार इस प्रोग्राम में नैनो वीडियोज, केस स्टडीज और असस्मेंट्स शामिल होंगे जो सीखने वालों को अपनी ताकतों और कमजोरियों को समझने और उनका आकलन करने का मौका देंगे। कॅरिअर एज को दिलचस्प और प्रैक्टिकल

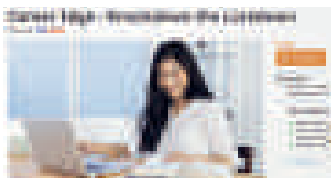

बनाने के लिए इसमें टीसीएस के कर्मचारियों द्वारा होस्ट किए गए रिकॉर्डेड वेबिनार्स भी होंगे। यहां आपको अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स से लेकर प्रेजेंटेशन और सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर बनाने जैसे कई उपयोगी कोर्स मिलेंगे। कोर्स से जुड़ी जानकारी के लिए इस लिंक पर जाएं -
https://learning.tcsionhub.in/courses/career-edge/

STARTUP ADVICE

क्राइसिस में वेंचर्स के लिए टॉप वीसी की सलाह

कोविड-19 के चलते बिजनेसेज थम गए हैं, ग्लोबल ट्रेड घाटे में है और सप्लाई चेन्स बाधित हैं। जाहिर सी बात है कि यह समय स्टार्टअप फाउंडर्स के लिए चिंताजनक है। अब उनके सामने इनोवेशन की बजाय अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती है। ऐसी परिस्थिति में उनकी मदद करने के लिए एक्सेल, लाइटस्पीड, मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया आदि टॉप वेंचर कैपिटलिस्ट्स (वीसी) व प्राइवेट इक्विटी फर्म्स ने एक डॉक्यूमेंट तैयार किया है जिसमें बताए स्टेप्स उठाकर स्टार्टअप्स इस बाधा को सफलतापूर्वक पार कर सकते हैं।

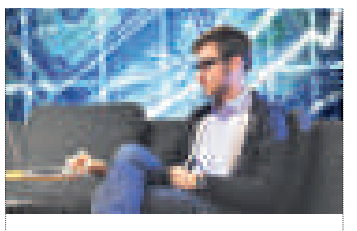

फंड्स के लिए धैर्य रखें

स्टार्टअप्स को नकदी खत्म होने से पहले 12 से 18 महीने तक खुद को बचाना होगा। कई इन्वेस्टर्स 'हर कीमत पर ग्रोथ' की बजाय 'प्रॉफिटेबिलिटी की राह पर बढ़ते हुए उचित ग्रोथ' के बारे में सोचना शुरू करेंगे। ऐसे में बिजनेस प्लान को एडजस्ट करने के लिए तैयार रहें।

पूरी प्लानिंग है जरूरी

स्टार्टअप्स तीन चीजें मानकर चलें- उन्हें चीजें मिलने में देरी होगी, ग्राहक पहले से कंज्यूम की जा चुकी सर्विसेज की कीमतों में कटौती की मांग करेंगे और कॉन्ट्रैक्ट्स आखिरी समय पर फाइनल नहीं हो पाएंगे। ऐसे में गोल्स को बदलते समय टीम के साथ कम्युनिकेशन महत्वपूर्ण होगा।

जोखिम को समझें

फाउंडर्स रिस्क मैनेजमेंट पर फोकस करें। वे देखें कि कस्टमर्स व उनके सेक्टर्स को नुकसान पहुंचा है या नहीं। इसके अलावा एम्प्लॉईज व बाहरी स्टेकहोल्डर्स से स्पष्ट कम्युनिकेशन व ट्रांसपेरेंसी जरूरी हैं।

STUDY @ HOME ये ट्रिक्स अपनाकर लें ऑनलाइन क्लासेज का पूरा फायदा

पहली बार ले रहे हैं ऑनलाइन क्लासेज, बेहतर फोकस में काम आएंगी ये टिप्स

कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने की दिशा में उठाए गए कदमों के चलते यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी बंद कर दिए गए। इससे स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान न हो इसके लिए यूनिवर्सिटीज ने भी अब ऑनलाइन क्लासेज शुरू कर दी हैं। हालांकि स्टूडेंट्स से भरी क्लास में बैठकर पढ़ने वालों के लिए अब घर के कमरे में अकेले पढ़ना, रिसोर्सेज के लिए इंटरनेट चेक करना और असाइनमेंट्स को ऑनलाइन पूरे करना आसान नहीं है। दूसरी ओर सोशल मीडिया फीड्स और वॉट्सएप मैसेजेज की भरमार आपको डिस्ट्रैक्ट करने के साथ ही एंग्जाइटी से भी भर सकती है। ऐसे में ये टिप्स आपके लिए मददगार साबित हो सकती है।

पुराने तरीके से बनाएं नोट्स

एक ऑनलाइन लेक्चर या प्रेजेंटेशन को देखते हुए नोट्स बना रहे हैं तो लैपटॉप पर टाइप करने की बजाय पेन और पेपर काम में लें। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि हाथ से नोट्स लिखने वालों की तुलना में टाइप करने वाले स्टूडेंट्स ने कॉन्सेप्चुअल क्वेश्चंस पर खराब परफॉर्म किया। यही नहीं टाइप करने वालों में लेक्चर के हरेक शब्द को ट्रांसक्राइब करने की टेंडेंसी देखी गई जो इंफॉर्मेशन को अपने शब्दों में प्रोसेस करने और रीफ्रेम करने के ठीक विपरीत आपकी लर्निंग को प्रभावित करती है।

बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें

ऑनलाइन पढ़ते हुए बीच-बीच में ब्रेक लेना न भूलें। एमआईटी स्लोन के सीनियर लेक्चरर बॉब पोजेन कहते हैं कि 75 से 90 मिनट तक काम करना आपके ब्रेन को दो मोड्स में काम करने में मदद करता है। पहला है लर्निंग या फोकस और दूसरा है कंसॉलिडेशन। टास्क करने के बाद 15 मिनट का ब्रेक लेना ब्रेन को इंफॉर्मेशन को कंसॉलिडेट करके उसे याद रखने में मदद करता है।

डिस्ट्रैक्शंस को रखें दूर : अगर ट्विटर, नेटफ्लिक्स या वॉट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पढ़ाई के बीच आपका ध्यान भटकाते हैं और फोकस नहीं करने देते तो ऐसे कई एप्स मौजूद हैं जो आपकी इस परेशानी को दूर कर सकते हैं। इनमें फोकसमी, फ्रीडम और फॉरेस्ट कुछ लोकप्रिय एप्स हैं जिनकी मदद आप ले सकते हैं।

स्टडी प्लान की मदद लें : एक स्टडी कैलेंडर बनाएं जिसमें आने वाले एग्जाम्स, असाइनमेंट्स सबमिट करने की तारीख आदि की जानकारी हो। इसे अपने कम्प्यूटर या मोबाइल में सेव करके रखें और जब भी पढ़ने बैठें एक बार जरूर देख लें। हर हफ्ते की शुरुआत में टु-डू लिस्ट बनाएं और समयबद्ध रहते हुए इन्हें पूरा करें।

STORY CONTEST

पैशन स्टोरी कॉन्टेस्ट में अपनी स्टोरी शेयर कर जीतें इनाम

युवाओं को शॉर्ट-टर्म गिग्स का अवसर देने वाले प्लेटफॉर्म लेमनऑप डॉट कॉम की ओर से पैशन स्टोरी कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्टेस्ट में आप अपने बेस्ट अचीवमेंट / प्रोजेक्ट / स्किल्स से जुड़ी 60 सेकंड की एक वीडियो स्टोरी या अधिकतम 500 शब्दों का राइटअप सबमिट कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आपकी स्टोरी आपके किसी खास कॉलेज प्रोजेक्ट, किसी ऐसी स्किल जिसके प्रति आप पैशनेट हों, आपके किसी इनवेंशन या कॉलेज में शुरू किए गए किसी स्टार्टअप या क्लब के बारे में हो सकती है। प्रतियोगिता में प्रथम विजेता को 15,000 रुपए, दूसरे विजेता को 6,000 रुपए और तीसरे विजेता को 4,000 रुपए का इनाम दिया जाएगा। अगर आप कॉलेज स्टूडेंट हैं या 2019 में ग्रेजुएट हो चुके हैं तो इसमें 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए आपको लेमनऑप का एप डाउनलोड करना होगा। अधिक जानकारी के लिए देखें lemonop.com

teentalkइंडिया.com
8 THINGS TO DO WHEN YOU ARE HAVING A BAD DAY

- Be kind to yourself
- Make a happy meal for yourself
- Set a small goal and achieve it
- Be nice to someone
- Create a Gratitude Journal
- Remember this is temporary
- Sleep over it
- Watch comedy movies

Teentalkindia EXPERTS are here to help

For further queries Chat or Email with Teentalkindia Counsellors on teentalkइंडिया.com
A CSR initiative by Dainik Bhaskar
Log on to www.teentalkindia.com

• एडिटोरियल टीम : अक्षमा गुप्ता, अपर्णा प्रवीण कुमार, रवि प्रकाश मुदगल, चित्रेश रिझवानी • डिजाइन : भारत पहुजा

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

वेटनरी के 118 व बीमा अधिकारी के 52 पदों के लिए आवेदन मांगे

रायपुर | छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने लॉकडाउन के बीच दो विभिन्न विभागों में रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगा है। श्रम विभाग के अंतर्गत बीमा चिकित्सा पदाधिकारी के 52 पदों के लिए आवेदन मांगा गया है। 9 अप्रैल से 8 मई के बीच ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि तय की गई है। 11 से 17 मई तक आवेदन में त्रुटि सुधार कर सकते हैं। इसके अलावा पशुधन विकास विभाग में पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के 80 व 82 पदों के लिए आवेदन मांगा है। ऐसे में 118 पदों पर भर्ती प्रक्रिया होगी। हालांकि इन पदों के लिए 18 मार्च से ही आवेदन करने की तिथि है।

ऑनलाइन एप्लाई करने के लिए 16 अप्रैल तक का ही समय दिया गया है। 19 से 25 अप्रैल तक आवेदन की त्रुटि में सुधार का अवसर अभ्यर्थियों को मिलेगा। दोनों ही विभागों में रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। उम्मीदवारों ऑनलाइन आवेदन करने में किसी तरह की परेशानी होने पर वे आयोग द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके सहयोग ले सकते हैं। चूंकि लॉकडाउन में साइबर कैफे बंद है, इसलिए उम्मीदवार अपने मोबाइल या लैपटॉप से आयोग की वेबसाइट पर विजिट करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क का भुगतान भी डिजिटल माध्यम से ही करना है।

बारहवीं मैथ्स के आधार पर दाखिले का दिया था अवसर फिर भी प्राइवेट कॉलेजों की सीटें नहीं भरीं

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए पिछली बार नियम बदला तब भी सीटें थीं खाली, फिर प्रक्रिया शुरू

एंट्रेंस अलर्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | रायपुर

खेती किसानी की पढ़ाई में बीएससी एग्रीकल्चर व हार्टीकल्चर की डिमांड बरकरार है। वहीं दूसरी ओर एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की स्थिति कमजोर रही है। पिछली बार इस कोर्स में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश नियमों में बदलाव किया फिर भी सीटें खाली रह गई थी। नए सत्र में दाखिले के लिए एक बार प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार ज्यादा से ज्यादा सीटों पर प्रवेश होगा।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध राज्य में चार एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। इसमें दो सरकारी और प्राइवेट कॉलेज हैं। सरकारी कॉलेजों की स्थिति थोड़ी बेहतर है, लेकिन प्राइवेट की सीटें खाली रह गई थी।

शासकीय कॉलेज रायपुर और मुंगेली में करीब 132 सीटें हैं। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर की सीटें तो पहले-दूसरे चरण की काउंसिलिंग में ही भर गई थी। मुंगेली के सरकारी कॉलेजों में सीटें खाली थी, बाद में यहां की अधिकांश सीटों पर भी प्रवेश हो गया। दोनों प्राइवेट कॉलेज जहां 57-57 यानी 114 सीटें हैं। पिछली बार तीन चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी यहां की कई सीटें खाली थी। इसके बाद विश्वविद्यालय ने प्रवेश के लिए नया फार्मूला अपनाया। सीटें खाली रहने पर मैथ ग्रुप से बारहवीं पास करने वाले छात्रों को भी प्रवेश का अवसर दिया गया। जबकि एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए प्री इंजीनियरिंग टेस्ट में शामिल होना जरूरी होता है।

इसके बाद भी सीटें नहीं भरी। कई सीटें खाली रह गई। विश्वविद्यालय से संचालित इस कोर्स पर एक बार फिर सबकी नजरे हैं, क्योंकि एक ओर बीएससी स्तर के ही एग्रीकल्चर व हार्टीकल्चर पाठ्यक्रमों की डिमांड ज्यादा है। इसकी एक-एक सीट के लिए कड़ी स्पर्धा है। शिक्षाविदों का कहना है कि तकनीकी क्षेत्रों में आ रहे बदलाव से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसी तरह स्वरोजगार में भी संभावनाओं को देखते हुए इस बार उम्मीद है कि छात्रों का रुझान इस कोर्स की ओर भी रहेगा।

पीईटी के माध्यम से होगा प्रवेश, आवेदन 3 मई तक

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के प्रवेश के लिए प्री इंजीनियरिंग टेस्ट यानी पीईटी में शामिल होना जरूरी है। इसके नतीजों के आधार पर प्रवेश होगा। पीईटी के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पिछले महीने से शुरू है। 3 मई तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इस साल फूड प्रोसेसिंग की पढ़ाई को लेकर विवि में एक संस्थान शुरू होने वाला है। संभावना है कि इसमें भी दाखिला पीईटी के माध्यम ही होगा। हालांकि, अभी विवि से इस संबंध में कोई निर्देश जारी नहीं हुआ है। पीईटी के लिए आवेदन वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in से भरे जा सकते हैं।

तकनीकी कोर्स की सीटें रही थी खाली

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग ही नहीं पिछली बार विभिन्न तकनीकी कोर्स की सीटें भी खाली थी। इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, एमसीए या फिर अन्य कोर्स की भी सीटें नहीं भरी थी। नए सत्र के लिए फिर से प्रक्रिया शुरू हुई है। इस बार उम्मीद है कि इंजीनियरिंग के प्रति रुझान बढ़ेगा और पिछली बार से ज्यादा सीटों पर प्रवेश होगा। राज्य में कुल 38 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। यहां साढ़े 15 हजार सीटें हैं। पिछली बार सरकारी कॉलेजों की सीटें भर गई थी। प्राइवेट खाली रही।

पिछली बार बीए की स्थिति इससे बेहतर थी

शिक्षाविदों ने बताया कि पिछली बार बीए की स्थिति एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग से बेहतर रही थी। अच्छे कॉलेजों में बीए का कटऑफ 55 प्रतिशत तक गया था। शुरुआत में यह प्रतिशत अधिक था। जबकि एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में जब सीटें खाली हुई तो इसे भरने के लिए प्रवेश परीक्षा नहीं देने वाले छात्रों को भी अवसर दिया गया। यही नहीं बारहवीं में सामान्य वर्ग में 50 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग में 40 प्रतिशत नंबर पाने वाले स्टूडेंट्स को भी एडमिशन के लिए बुलाया गया था।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. निनाद बोधनकर, प्रोफेसर भू-विज्ञान विभाग, पं.रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी

हर क्षेत्र में बढ़ रही जीआईएस की उपयोगिता इसलिए कॅरियर के लिए बेहतर विकल्प

भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की उपयोगिता दिनों दिन बढ़ रही है। इसलिए निकट भविष्य के लिए यह कॅरियर के लिए बेहतर विकल्प है। इसमें रोजगार की संभावनाएं तो है ही स्वरोजगार के भी अवसर हैं। जीआईएस एक कौशल पाठ्यक्रम के रूप में भी आगे बढ़ रहा है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जीव विज्ञान, जल विज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग, नगरपालिका नियोजन, भूविज्ञान आदि के साथ जीआईएस की पढ़ाई करना बहुत उपयोगी होगा। वर्तमान दौर में मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहन प्रौद्योगिकी से लेकर शहरी प्रशासन, ई-गवर्नेंस, रिमोट सेंसिंग, ऊर्जा क्षेत्र, विज्ञापन और विपणन तक हर क्षेत्र भू-स्थानिक डाटा पर निर्भरहै। इसलिए इसकी उपयोगिता बढ़ रही है। जीआईएस और रिमोट सेंसिंग काम करने के लिए प्रौद्योगिकी के दो रोमांचक क्षेत्र हैं। हर दिन, कई फैसले भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। जैसे नए स्थानों को इंगित करने, जलवायु परिवर्तन की भविष्यवाणी करने, बिजली के परिणामों की रिपोर्टिंग करने, अपराध पैटर्न का विश्लेषण करने और वर्तमान में कोरोना वायरस के फैलाव के विश्लेषणात्मक अध्ययन में इसकी अहम भूमिका है। जीआईएस का उपयोग ना सिर्फ मानचित्रण के लिए किया जाता है। बल्कि इसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में भी किया जाता है। दूरसंचार में नेटवर्क संकेतों को बनाए रखने के लिए, परिवहन में सड़कों पर यातायात और गतिशीलता को समझने, रियल एस्टेट में भूमि पंजीकरण का सर्वेक्षण करने, खनिज अयस्कों की पहचान, आपदा प्रबंधन एवं मेडिकल फोरेंसिक अध्ययन के लिए भी जीआईएस का उपयोग किया जा रहा है। कई अन्य क्षेत्र जैसे शिक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, खुदरा, इलेक्ट्रिक और गैस उपयोगिताएँ आदि विभिन्न उद्देश्यों के लिए जीआईएस सिस्टम का उपयोग करते हैं।

क्रॉस वर्ड 5336

निजी स्कूलों में एडमिशन के लिए आरटीई से बुधवार तक स्वीकार किए जाएंगे आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर | रायपुर

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) से निजी स्कूलों में आरक्षित सीटों पर एडमिशन के लिए आवेदन बुधवार तक स्वीकार किए जाएंगे। रायपुर के स्कूलों में आरक्षित साढ़े आठ हजार सीटों के लिए आठ हजार तक आवेदन मिल चुके हैं। हालांकि, पिछली बार की तुलना में प्रथम चरण में आवेदनों की संख्या कम है। पिछली बार करीब बारह हजार आवेदन मिले थे। कोरोना वायरस और लॉकडाउन की वजह से स्कूल बंद हैं। सरकारी स्कूल बंद होने से भी पैरेंट्स आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए आवेदनों की संख्या कम है। तय शेड्यूल के अनुसार 12 से 14 अप्रैल तक स्कूलों में आरटीई मेले को आयोजन किया जाना था। लेकिन इसका आयोजन नहीं हो पाया। इसलिए यह भी संभावना है कि प्रथम चरण के लिए आवेदन की तारीख बढ़ेगी। गौरतलब है कि प्रदेश के प्राइवेट स्कूलों में आरटीई से करीब 81 हजार सीटें आरक्षित की गई है। पिछली बार अधिकांश सीटें खाली रह गई थी। इस बार दाखिले की प्रक्रिया चार चरणों में करने की योजना बनायी गई है। पहले चरण के तहत ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं। ऑनलाइन पोर्टल eduportal.cg.nic.in/rte के माध्यम फार्म भरे जा सकते हैं।

फार्म भरने के लिए यह दस्तावेज जरूरी : आरटीई की आरक्षित सीटों पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए कुछ दस्तावेजों का जरूरी है। जन्म प्रमाण पत्र, पहचान प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र। इसके अलावा गरीबी रेखा से नीचे प्रमाण, विकलांगता के संदर्भ में सरकारी अस्पताल से संबंधित प्रमाण पत्र भी जरूरी है।

हमार गांव हमार खेत कार्यक्रम पर कुलपति आज देंगे जानकारी

रायपुर | इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एसके.पाटील 12 अप्रैल को सुबह 11 बजे यू-ट्यूब पर अपनी बात रखेंगे। वे यहां हमार गांव हमार खेत कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देंगे। विवि से मिली जानकारी के मुताबिक करीब 45 मिनट तक का यह कार्यक्रम होगा। इसके लिए तैयारियां कर ली गई है। विवि के शिक्षक व छात्रों को इसकी जानकारी दे दी गई है।

गौरतलब है कि कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए हमार गांव हमार खेत कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है। इसके माध्यम छात्रों को कृषि एवं इससे संबंधित व्यवसाय के संदर्भ में विभिन्न तरह की जानकारी दी जाएगी। इस योजना के तहत छात्र खुद के खेतों में भी काम करेंगे। विवि की वेबसाइट igkvmis.cg.nic.in पर इस संदर्भ में जानकारी दी गई है।

भास्कर classified

आवश्यकता appointment

ऑफिस स्टॉफ

श्री राम फाइनेंस कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, शंकरनगर, रायपुर में एडमिन मैनेजर एवं एडमिन एक्सीक्यूटिव पद हेतु 10 स्मार्ट युवतियों की आवश्यकता है। संपर्क- 6262616841.

तकनीकीकर्मी

Consultancy firm based at Raipur is hiring:1.Civil/ Mechanical Engineer (Fresher/ Experience), 2.MBA (Finance) or M.COM, 3.Administrative officer/ HR Manager- (Diploma/ MBA IN HR), 4.Steno (Short hand skills), 5.PA to Executive- (M.Com/Engineering back ground) Candidates versed in English and computer will be preferred. Candidates can send resume at: cgvacany@gmail.com

पार्टटाइम

रायपुर घर बैठे फाइनेंस कंपनी के कॉलिंग कार्य हेतु 20 स्मार्ट हिंदी /ओड़िया भाषी युवितयों की आवश्यकता है। लैपटॉप/ डेक्सटॉप वालों को प्राथमिकता। संपर्क- 9109968244.

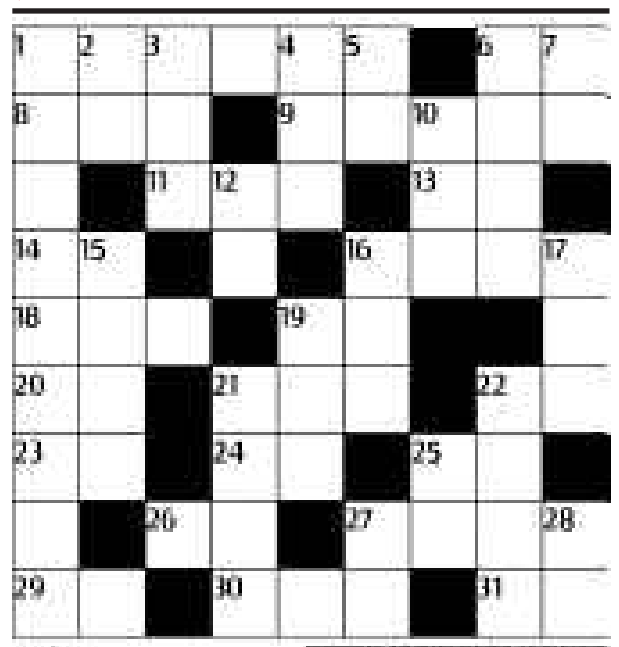

Telecom 4G कंपनी SMS/Job करके लड़के-लड़कियाँ गृहणियां घरबैठे कमाये 18,500- 45,000 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त name address sms/ Whatsapp- 6294754538, 8252587143

AIRTLE 4G कंपनी SMS/JOB करके लड़के-लड़कियाँ, गृहणियां घरबैठे कमाये 18,000- 45,000 महीना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त name address call/ Whatsapp-09163246718, 09163246672

सर्विसेस services

गुप्त रोग

नि:संतान/गुप्तरोग-छत्तीसगढ़ की पहली आईएसओ 9001-2015सर्टिफाईड क्लीनिक (MSME रजिस्टर्ड) कम्प्युटराइज्ड मशीनो द्वारा जांच। बुरी आदतो या हार्मोनल गड़बड़ियों कारण लिंग का विकास न होना, शीघ्रपतन,पतला पन,छोटापन,नपुंसकता,शुक्राणुहीनता नोट-सेक्ससमस्या का सम्पूर्ण समाधान हेतु मिले-सिटीकेयर क्लीनिक फाफाडीहचौक और स्टेशनचौक के बीच होटल सिमरन हैरिटेज के पास, रायपुर। मो- 09755849375,09827114419 प्रतिदिन मिले-11-2, 5-8(रविवार11-2)

ज्योतिष astrology

ज्योतिष

गुरु रहमान 151 फीस काम के बाद काले इल्म द्वारा 7 घंटे में तूफानी समाधान ग्रहकलेश, किया-कराया, मनचाही शादी, सौतन दुशमन छुटकारा, तलाक- 9818754460

प्रॉपर्टी property

जमीन

प्लाट उपलब्ध- महादेवघाट से 8 किलोमीटर पर 175/- व 150/- प्रतिवर्गफीट, मेनरोड 400/- फलदारवृक्ष , बिजली,पानी, चौकीदार व अन्य सुविधायुक्त नकद व किस्तो में। 7999310109

Dainik Bhaskar GROUP

पाठकों को इस प्रकाशन में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले उपयुक्त पूछताछ करने और उचित परामर्श लेने की सलाह दी जाती है। डीबी कॉर्प लिमिटेड विज्ञापनदाताओं के उत्पादों और सेवाओं को लेकर किए गए दावों की जिम्मेदारी नहीं लेता है। डीबी कॉर्प लिमिटेड के प्रिंटर, प्रकाशक, संपादक और मालिक। -अगर विज्ञापनदाता ऐसे दावों का सम्मान नहीं करते हैं तो दैनिक भास्कर प्रकाशन समूह को किसी भी परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकेगा।

SUDOKU 2380

	9	1		3				4
	4				7			
		8	9					1
		7		9				6
		9	3		5	1		
1						2		
5					1	3		
	1		4				8	
8				7		6	1	

बैसाखी का त्योहार

भारत भर में बैसाखी का पर्व सभी जगह मनाया जाता है। इसे दूसरे नाम से खेती का पर्व भी कहा जाता है। कृषक इसे बड़े आनंद और उत्साह के साथ मनाते हुए खुशियों का इजहार करते हैं। बैसाखी मुख्यतः कृषि पर्व है। पंजाब की भूमि से जब रबी की फसल पककर तैयार हो जाती है तब यह पर्व मनाया जाता है। इस कृषि पर्व की आध्यात्मिक पर्व के रूप में भी काफी मान्यता है।

खालसा पंथ की स्थापना

सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह ने बैसाखी के दिन ही आनंदपुर साहिब में वर्ष 1699 में खालसा पंथ की नींव रखी थी। इसका 'खालसा' खालिस शब्द से बना है, जिसका अर्थ शुद्ध, पावन या पवित्र होता है। दशम गुरु, गुरु गोविन्द सिंह ने इसी दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी, इसलिए बैसाखी का पर्व सूर्य की तिथि के अनुसार मनाया जाने लगा। खालसा-पंथ की स्थापना के पीछे गुरु गोविन्द सिंह का मुख्य लक्ष्य लोगों के धार्मिक, नैतिक और व्यावहारिक जीवन को श्रेष्ठ बनाना था।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

स्पोर्ट्स

Did You Know

ब्रिटेन का एक रग्बी टूर्नामेंट, जो कोलकाता से शुरू हुआ; ट्रॉफी भी भारतीयों ने बनाई थी

रग्बी का सबसे पुराना टूर्नामेंट केलकटा कप है। यह इंग्लैंड और स्कॉटलैंड की टीमों के बीच खेला जाता है। भले ही यह टूर्नामेंट ब्रिटेन का हो, लेकिन

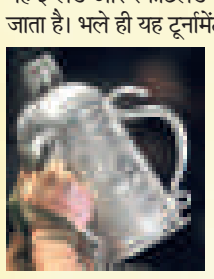

इसकी शुरुआत 148 साल पहले तत्कालीन कलकत्ता से हुई थी। 1872 में क्रिसमस के दिन इंग्लैंड और स्कॉटलैंड की 20-20 सदस्यीय टीमों के बीच पहली बार इसका मुकाबला कलकत्ता क्लब में हुआ था। लेकिन भारत का मौसम इस खेल के लिए अनुकूल नहीं था, इसलिए दो साल बाद टूर्नामेंट ब्रिटेन शिफ्ट हो गया। इसकी ट्रॉफी भी भारतीय शिल्पकारों ने बनाई थी।

127 बार खेला जा चुका है टूर्नामेंट।

71 बार इंग्लैंड, स्कॉटलैंड 40 बार जीता।

16 बार टाई रहा, रिजल्ट नहीं निकला।

मंडे पॉजिटिव ■ उन खिलाड़ियों की कहानियां, जिन्होंने हाईएस्ट लेवल पर खेला, अब लोगों की जिंदगियां बचा रहे

© The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

रोले और हेले ने संन्यास के बाद मेडिकल की पढ़ाई की थी

एनएफएल खिलाड़ी रहे रोले डॉक्टर हैं, 24 घंटे सेवा दे रहे

सलीम वलजी | न्यूयॉर्क

33 साल के मायरोन रोले अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) में टेनेसी टाइटंस की ओर से खेलते थे। 2013 में उन्होंने खेलना छोड़ दिया और फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन में दाखिला लिया। 2017 में वे ग्रेजुएट हुए। अब मेसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से न्यूरोसर्जरी की पढ़ाई कर रहे। यहां वे कोविड-19 के मरीजों को भी ट्रीटमेंट दे रहे हैं। वे इमरजेंसी रूम के डॉक्टरों वाली टीम में हैं। वे और उनके साथी 24-24 घंटे सेवा दे रहे हैं। रोले कहते हैं, 'हमें सुबह 4-5 बजे से काम शुरू करना पड़ता है। सभी मरीजों को देखने के बाद उनकी

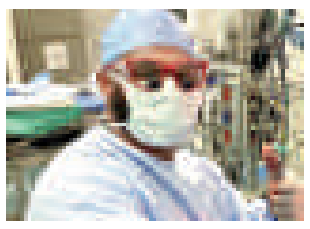

पूरी डिटेल लेकर उसे हमारी जगह आने वाले डॉक्टर को बताने का काम भी जुड़ गया है। ऐसे में 24 घंटे काम करना पड़ रहा है। बीच में एक-दो घंटे की नींद ले पाएं तो खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। रोले कहते हैं, 'यहां मुझे परेशानी नहीं आती क्योंकि फुटबॉल ने मुझे अनुशासन, फोकस, कड़ी मेहनत, निष्ठा, टीमवर्क और प्रतिकूल परिस्थितियों से उबरना सिखाया है।'

चार बार की ओलिंपिक चैंपियन हेले मेडिकल उपकरण जुटा रहीं

कनाडा की हेले विकेनहेसर चार बार की ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं। पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी हेले अब यूनिवर्सिटी ऑफ केलगेरी से मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं। वे बताती हैं, 'जब वे 10 साल की थीं, तब उन्होंने दो सपने देखे थे। एक तो प्रोफेशनल हॉकी खेलना और दूसरा डॉक्टर बनना। मेरा एक सपना तो पूरा हो गया है। अब दूसरा सपना पूरा कर रही हूं।' 41 साल की हेले ने 2017 में आइस हॉकी से संन्यास ले लिया था। दो हफ्ते पहले तक वे टोरंटो में इमरजेंसी रूम में रोटेशन पर थीं। लेकिन जब देश में कोरोनावायरस से स्थिति खराब होने लगी, तब सभी मेडिकल स्टूडेंट और ट्रेनी को उससे निपटने के काम में लगा दिया गया। हेले ने कहा, 'मेडिकल

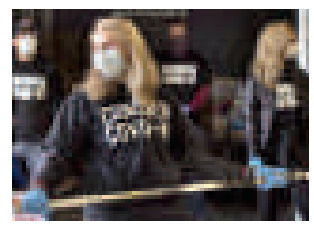

स्टूडेंट को कोविड-19 के मरीज के इलाज की अनुमति नहीं है। इसलिए हमें पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) जुटाने के काम में लगा दिया गया। इसके अलावा हम उन मरीजों को भी ट्रेस कर रहे हैं, जो संक्रमित हैं।' हेले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के ऑफिस से लगातार संपर्क में हैं और कनाडा में सोशल डिस्टेंसिंग एडवाइजरी को प्रमोट करने में भी मदद कर रही हैं।

कॉल सेंटर में काम कर रहे फुटबॉलर विनीत, जरूरत की चीजें पहुंचा रहे हैं

11 दिन से एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर रहे

कन्नूर| आईएसएल टीम जमशेदपुर एफसी के फुटबॉलर सीके विनीत केरल के कन्नूर जिले में 11 दिनों से एक कॉल सेंटर एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम कर रहे हैं। वह मंगटीडम पंचायत में लगे कॉल सेंटर में काम कर रहे हैं, जिसे कन्नूर प्रशासन और केरल स्पोर्ट्स काउंसिल ने शुरू किया है। विनीत स्थानीय लोगों द्वारा किए गए कॉल उठाते हैं जिसमें लोग उनसे जरूरत की चीजें मांगते हैं और उनतक वे चीजें पहुंचाई जाती हैं। विनीत ने कहा, 'इस सेंटर पर 28 मार्च से काम चल रहा है। जब कोई कठिनाई आती है तब या तो हम चुपचाप बैठ सकते हैं या आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। मेरा राज्य और जिला कन्नूर पीड़ित है और मैं पीछे रहकर यह सब नहीं देख सकता था।' जिस कॉल सेंटर में विनीत काम कर रहे हैं वहां कुल 15 लोग हैं और हर दिन करीब 200 कॉल आते हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

सभी बोर्ड को आईपीएल के लिए कैलेंडर दोबारा तैयार करना चाहिएः अजहर

हैदराबाद | भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मो. अजहरुद्दीन का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट कैलेंडर को फिर

से बनाने की जरूरत है। अजहर को लगता है कि आईपीएल के लिए एफटीपी में बदलाव करना जरूरी है। वो आईपीएल को भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही विदेशी खिलाड़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण मानते हैं। अजहरुद्दीन ने कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप का स्लॉट खत्म नहीं होगा। ये अक्टूबर के तीसरे हफ्ते में होने वाला है। अगर चीजें ठीक होती हैं, तो विश्वास है कि टूर्नामेंट होगा।'

भारतीय फुटबॉलर जेजे लालपेखलुआ ने 27 लोगों के साथ ब्लड डोनेट किया

नई दिल्ली| भारतीय फुटबॉल टीम के स्ट्राइकर जेजे लालपेखलुआ ने मिजोरम में जरूरतमंद लोगों को बचाने के लिए रक्तदान किया क्योंकि वहां खून मिलने में काफी दिक्कत हो रही है। जेजे ने कहा, 'लॉकडाउन के कारण 'ब्लड यूनिट्स' आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) से जुड़े अस्पतालों को मदद की जरूरत है। हम 33 लोग वहां गए थे जिनमें से 27 को रक्तदान करने के लिए फिट माना गया।'

गांगुली आईपीएल पर आज कर सकते हैं फैसला, स्थगित हो सकती है लीग

बोले- जब पूरी दुनिया में खेल संभव नहीं तो आईपीएल भूल ही जाइए

एजेंसी | मुंबई

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली सोमवार को आईपीएल को लेकर बड़ा ऐलान कर सकते हैं। वायरस के कारण स्थिति में अभी कोई सुधार नहीं हुआ है। कई राज्यों में लॉकडाउन 30 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दिया गया है। ऐसे में आयोजन संभव नहीं है। गांगुली इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर सकते हैं। गांगुली ने कहा, 'मैं सोमवार को बीसीसीआई के अन्य अधिकारियों से बात करने के बाद ही कोई अपडेट दे सकूंगा। व्यावहारिक रूप से जब दुनिया में हर जगह जीवन

अस्त-व्यस्त हो गया है, तो खेल का भविष्य कहां दिखाई देता है। लीग के आयोजन कराने के लिए खिलाड़ी कहां से मिलेंगे। खिलाड़ी यात्रा कहां से करेंगे। यह तो बेहद साधारण सी बात है कि जब पूरी दुनिया में किसी भी तरह के खेल संभव नहीं हैं तो फिर आईपीएल तो भूल ही जाइए। गांगुली ने कहा कि वे घर से ही बोर्ड और आईसीसी का काम कर रहे हैं।

अक्टूबर-नवंबर में हो सकता है आयोजन

आईपीएल के मुकाबले अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप के मैच होने हैं। जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 6 महीने का ट्रेवल बैन है। वह वर्ल्ड कप का आयोजन टाल सकता है। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक ऐसी कोई बात नहीं कही है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि आईपीएल खाली स्टेडियम में कराया जा सकता है लेकिन आगामी टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन दर्शकों के बिना नहीं कराया जा सकता।

1900 करोड़ रु. में टॉटेनहम से यूनाइटेड जा सकते हैं हैरी केन, सबसे बड़ी डील होगी

एजेंसी | लंदन

हैरी केन मौजूदा सीजन में टॉटेनहम छोड़कर मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़ सकते हैं। टॉटेनहम के चेयरमैन डेनियल लेवी ने इसकी मंजूरी दे दी है। हैरी केन लगभग 1900 करोड़ रुपए में यूनाइटेड से जुड़ सकते

हैं। अगर ऐसा हुआ तो यह रिकॉर्ड डील होगी। इसके पहले 2017 में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने बार्सिलोना से नेमार को 1880 करोड़ रुपए में खरीदा था। कोरोनावायरस के कारण इंग्लिश प्रीमियर लीग के मुकाबले अभी स्थगित हैं। लॉकडाउन के कारण टॉटेनहम आर्थिक रूप से परेशानी में हैं। नए स्टेडियम के लिए टॉटेनहम ने लगभग 6 हजार करोड़ रुपए का लोन भी लिया है। लेवी हैरी केन के उस बयान से भी नाराज हैं, जिसमें उन्होंने जून तक लीग के पूरा नहीं होने पर इसे खत्म करने की बात कही थी। केन ने कुछ दिन पहले कहा था कि यदि वे क्लब की ओर से ट्रॉफी नहीं जीत पाते हैं तो उसे छोड़ देंगे।

लॉकडाउन में लक्ष्मण बेटे के साथ टेटे खेल रहे, वीवीएस कप भी खेला

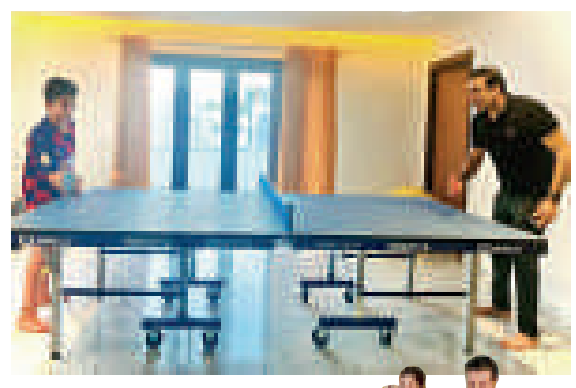

हैदराबाद | लॉकडाउन में वीवीएस लक्ष्मण टेबल टेनिस खेलकर समय बिता रहे हैं। उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर वीवीएस कप का भी आयोजन किया। उन्होंने कहा, 'बच्चों के साथ रहना अच्छा है। ये मेरे करिअर का सबसे लंबा ब्रेक है। परिवार के सभी सदस्य मिलकर मेरी पुरानी पारियां भी देख रहे हैं।'

बेटी अचिंत्या के साथ पसंदीदा किताबें भी पढ़ते हैं।

GLAMOUR

परदे के पीछे

जयप्रकाश चौकसे, फिल्म समीक्षक

पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई

सई परांजपे ने अत्यंत मनोरंजक फिल्म 'चश्मेबद्दूर' बनाई थी। दीप्ति नवल 'चमकी' नामक कपड़े धोने का साबुन घर-घर जाकर बेचती हैं। तीन युवा एक किराए के मकान में रहते हैं और उनमें दीप्ति नवल को प्रभावित करने की होड़ लगी है। सई परांजपे ने खरगोश और कछुए की दौड़ से प्रेरित 'कथा' नामक फिल्म बनाई थी। ज्ञातव्य है कि खरगोश और कछुए में तेजी से मंजिल पर पहुंचने की प्रतिस्पर्धा होती है। आधी दूरी तय करके अहंकार से भरा खरगोश झपकी ले लेता है और धीरे चलने वाला कछुआ मंजिल पर पहुंच जाता है। 'कथा' में नसीरुद्दीन शाह कछुआ और फारूख शेख खरगोश बने थे। उस दौर में फारूख शेख को गरीब निर्माता का राजेश खन्ना माना जाता था।

परांजपे की 'स्पर्श' नामक फिल्म में नसीरुद्दीन शाह जन्मांध हैं और ईश्वरीय कमतरी के शिकार लोगों की एक संस्था को संचालित करते हैं। शबाना आजमी अभिनीत पात्र एक युवा विधवा का है, जिसे नसीर संचालित संस्था में नौकरी मिल जाती है। दोनों एक-दूसरे को करीब से जानते हुए प्रेम करने लगते हैं। नसीर, शबाना के विगत की बात अन्य स्रोत से जानकर उससे नाराज हो जाता है। राज कपूर की प्रेम त्रिकोण फिल्म 'संगम' में भी ऐसी ही परिस्थिति बनती है। शैलेंद्र रचित गीत है- 'ओ मेरे समन ओ मेरे सनम, जो सच है सामने आया है, जो बीत गया वह सपना था, यह धरती है इंसानों की, कुछ और नहीं इंसान हैं हम...। बहरहाल, समय का मरहम गलतफहमी से जन्मे जख्मों को भर देता है। इसी तरह 'स्पर्श' भी एक सुखांत फिल्म है।

खाकसार की लिखी आर.के. नैयर की फिल्म 'कत्ल' में ध्वनि पर निराशा साधने वाले पात्र की कथा प्रस्तुत की गई थी। ऋतिक रोशन और यामी गौतम अभिनीत 'काबिल' का अंधा नायक भी अपनी पत्नी के साथ दुष्कर्म करने वाले चार लोगों का कत्ल कर देता है। 'काबिल' दक्षिण कोरिया में बनी फिल्म की प्रेरणा से बनी थी। अंग्रेजी साहित्य के महान लेखक जॉन मिल्टन ने 'पैराडाइज लॉस्ट' नामक महाकाव्य लिखा। उन्होंने 'सैमसन एगोनिस्टिक' भी लिखा था। अपने दल के लिए हजारों प्रतिवेदन लिखते-लिखते उनकी आंखों की रोशनी चली गई। अंधा होने के बाद उन्होंने महाकाव्य 'पैराडाइज रिगेंड' लिखा। गौरतलब है कि देख सकने के समय 'पैराडाइज लॉस्ट' और दृष्टि जाने पर 'पैराडाइज रिगेंड' लिखा है। हमारे ग्वालियर के मित्र पवन करण के दामाद का नाम भी जॉन मिल्टन है। कवियों के नाम अपने बच्चों को दिए जाएं, यह तो समझ में आता है, परंतु दक्षिण भारत में एक नेता पुत्र का नाम हिटलर है। मुंबई में 'हिटलर' नामक रेस्त्रां के मालिक को रेस्त्रां का नाम बदलने के लिए आंदोलन किया गया था। टाइटल में 'गेजा' का इस्तेमाल इसे बाइबिल प्रेरित 'सैमसन एगोनिस्टिक' से जोड़ देता है। उपन्यास में एक सीनेटर अपनी पत्नी और बेटी के साथ यात्रा कर रहा है। कार दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है। सीनेटर मर जाता है, पुत्री की एक आंख चोटिल हो जाती है, पत्नी उसे एक अस्पताल में ले जाती है। बहरहाल, अस्पताल का एक डॉक्टर उसका पूर्व परिचित है।

सच्चाई यह है कि इसी डॉक्टर ने महिला के साथ विवाह करने से इनकार किया था। महिला डॉक्टर को पुरानी बातें सुनाकर उसे शल्यक्रिया करने में देरी कराती है। मेडिकल तथ्य है कि जख्मी आंख समय रहते निकाली जाए तो दूसरी आंख भी काम करना बंद कर देती है। जरा इस रोग के नाम पर गौर करें 'सिम्पैथेटिक ऑप्थैल्मिया'। बहरहाल शल्य क्रिया में देरी के कारण कन्या की दूसरी आंख भी काम नहीं करती। वह महिला डॉक्टर पर लापरवाही का मुकदमा कायम करके एक बिलियन डॉलर का दावा ठोंकती है। अदालत में डॉक्टर अपना बचाव स्वयं करता है। लब्बोलुआब यह है कि डॉक्टर मुकदमा जीत जाता है। बाद में यह साफ होता है कि सीनेटर की पत्नी ही षड्यंत्र रचती है। एक कहावत है कि- प्रेम निवेदन में अस्वीकार होने वाली स्त्री घायल शेरनी के समान होती है। याद आता है कि फिल्म 'मेरी आंखें, तेरी सूरत' का गीत- 'पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, एक-एक पल जैसे एक जुग बीता, जुग बीते मोहें नींद न आई।'

CONTROVERSY

'मसकली' रीक्रिएशन विवाद पर ओरिजिनल गाने के सिंगर मोहित चौहान बोले...

'असली कसूरवार तो रीक्रिएटेड गाने बनवाने वाले निर्माता ही हैं'

फिल्म 'दिल्ली 6' के हिट गाने 'मसकली' का रीक्रिएटेड वर्जन हाल ही में रिलीज हुआ। इस गाने को प्रसून जोशी ने लिखा था और मोहित चौहान ने गाया था वहीं संगीत ए आर रहमान ने दिया था। प्रसून और रहमान इस रीक्रिएटेड गाने पर पहले ही ऐतराज जता चुके हैं और अब मोहित चौहान ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में मोहित ने कहा, 'प्रसून और रहमान साहब ने भी जो कहा है मैं उसका सपोर्ट करता हूं। मुझे नहीं लगता है कि इस तरह से रीक्रिएटेड वर्जन बनाए जाने चाहिए। कभी जरूरत हो तो ठीक है बनाइए, लेकिन इरादतन ट्रेंड बनाने के लिए किसी भी हिट गाने को उठाकर उसको कचरा कर देने का कोई सेंस नहीं बनता। किसी को भी ऐसा करने से पहले गाने के ओरिजिनल कंपोजर से परमिशन लेनी चाहिए। खासतौर पर जब उस गाने को रहमान साहब ने कंपोज किया हो। उनसे बिना इजाजत लिए गाने के नए वर्जन को बनाने को मैं सपोर्ट नहीं करता।'

मोहित कहते हैं, *'इसमें अंतिम तौर पर जवाबदेही गाने रीक्रिएट करवाने वाले प्रोड्यूसर्स की बनती है। इसे बनाने वाले तनिष्क बागची या किसी का इसमें दोष नहीं है, जिनके पास गाने के राइट्स हैं, जो गाने रीक्रिएट करवाते हैं, उन पर उंगली उठनी चाहिए। मैं किसी का नाम नहीं ले रहा, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी उनकी बनती है, क्योंकि वही गाने बनवाने का ऑर्डर देते हैं। मुझे लगता है तनिष्क ओरिजिनल गाने भी अच्छे बना सकते हैं। 98 में मैंने 'डूबा-डूबा' गाना बनाया था, फिर अब तक इसके 50 वर्जन बन चुके हैं पर ओरिजिनल की बात ही कुछ और है। रीक्रिएशन सस्ता, शॉर्टकट तरीका है तुरंत पॉपुलैरिटी पाने का, पर ध्यान रहे वह पॉपुलैरिटी टिकती नहीं।*

SOCIAL INITIATIVE

बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रियंका ने बांटे हेडफोन

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें प्रियंका बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता जता रही हैं। वे कह रही हैं, 'इस समय में लोगों को कम्युनिटी के रूप में मदद के लिए आगे आना चाहिए। युवा सशक्तीकरण और शिक्षा ये दोनों कार्य मेरे दिल के करीब हैं, इसलिए मैं जेबीएल के साथ मिलकर लॉस एंजेलिस के बच्चों को हेडफोन देने का काम कर रही हूं, जिससे वह वर्चुअल क्लासरूम में पढ़ाई कर सकें।' प्रियंका की इस पहल को काफी तारीफ भी मिल रही है।

एथलीट पीटी उषा का रोल प्ले करना चाहती हैं अहाना कुमरा

'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का' फेम एक्ट्रेस अहाना कुमरा ने हाल ही में इच्छा जताई है कि वे एथलीट पीटी उषा का रोल प्ले करना चाहती हैं। अहाना बताती हैं...'एक बार मैं मैंगलोर में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी और उसी दौरान अपने खाली वक्त में मैं मंगला स्टेडियम गई, जहां मुझे एक महिला कुछ बच्चियों को ट्रेनिंग देती हुई दिखीं। मैंने पास जाकर उनकी स्पोर्ट्स एकेडमी और उनका नाम पूछा। उन्होंने जैसे ही अपना नाम बताया मुझे बेहद शर्मिंदगी महसूस हुई कि मैं देश का नाम रोशन करने वाली एथलीट पीटी उषा को नहीं पहचान पाई। मैंने लंबे अरसे से उन्हें नहीं देखा था। तुरंत उनसे माफी मांगी और फिर हम कई बार मिले। आगे मुझे अगर मौका मिला तो मैं पीटी उषा का रोल जरूर करूंगी।

'तीन दिन तक डरती रही कि कहीं मैं भी कोरोना से संक्रमित तो नहीं हूं'

SHARING EXPERIENCE

एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि पिछले महीने उन्हें लगा था कि वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। इस बात से वह बेहद डर गई थीं।' दरअसल, कृति पिछले महीने ही पुलकित सम्राट के भाई की सगाई में हिस्सा लेने गई थीं। इंटरनेशनल फ्लाइट से वे दिल्ली से मुंबई लौटी थीं। इसके तुरंत बाद उन्हें सर्दी और खांसी हो गई और वह बिना देर किए सेल्फ क्वारेंटाइन में चली गईं। कृति कहती हैं...'शुरुआती तीन दिन मैं बेहद डर गई थी कि मेरे अंदर वायरस आ गया है। उस दौरान टेस्ट किट्स भी उपलब्ध नहीं थी और डॉक्टर ने मुझे कहा कि आपको फीवर नहीं है इसलिए सबसे दूरी बनाए रखें। फिर धीरे-धीरे तबियत में सुधार हुआ तब जाकर मुझे चैन मिला।'

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन, मैनेजमेंट गुरु [raghu@dbcorp.in]

यह मानवता पर फिर से विश्वास जगाने का समय है

यह बहुत अफसोस की बात होगी, अगर हम कोरोना वायरस से मुक्त हो चुकी दुनिया में जाएं और सब कुछ वैसा ही करने लगें, जैसा पहले करते थे। हम सभी के लिए इतने बुरे अनुभव के बाद कुछ बदलाव तो होने ही चाहिए। क्योंकि वायरस ने हमें ऐसे भयानक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट में डाल दिया है, जैसा हम में से बहुत से लोगों ने अब तक के जीवन में नहीं देखा होगा। यही कारण है कि हम अब ऐसे व्यक्ति नहीं हो सकते, जो आत्म-केंद्रित हो, अपने लिए ही चीजें खरीदें और सब कुछ खुद के लिए ही करें। कम खर्चीले होकर खरीदना और खुलकर साझा करना जीवन के नए नियम हो सकते हैं। ये उन कई सीखों में से एक हो सकती है, जो हम लॉकडाउन के इस अनुभव से सीखना चाहते हैं। हमारे बीच कम से कम कुछ लोग तो ऐसे हैं जो इस विचार को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण यहां दिया जा रहा है।

बीती 7 अप्रैल को सुबह 10.52 बजे नागपुर में मध्य रेलवे के व्यावसायिक विभाग के निरीक्षक खुशरू पोचा का फोन बजा। चूंकि वे लॉकडाउन के बाद से ही कई परिवारों को भोजन देने की ड्यूटी निभा रहे थे, इसलिए उन्होंने सोचा कि यह फोन भी किसी की मदद के लिए आया होगा। लेकिन दूसरी तरफ से जो आवाज आई, उसने उन्हें चौंका दिया। नहीं, नहीं, आवाज ने यह नहीं कहा कि 'मोगेंबो खुश हुआ।' लेकिन अमरीश पुरी जैसी ही अलग आवाज में कुछ इसी तरह की बात कही। आवाज ने कहा, 'आप अच्छा काम कर रहे हैं। ऐसे ही करते रहिए। आपको सरकार की तरफ से किसी मदद की जरूरत हो तो राज्य सचिवालय से बेझिझक संपर्क कीजिएगा।' और यह अचंभित करने वाला कॉल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का था।

क्या आप सोच रहे हैं कि दानी आत्मा वाले पारसी, खुशरू पोचा ने ऐसा क्या किया? उन्होंने अपने मित्रभाव, निजी और पेशेवर संपर्कों का इस्तेमाल सोशल मीडिया के माध्यम से दुनियाभर के लोगों से भोजन और दान इकट्ठा करने में किया। वे 1999 से ही गरीबों की मदद कर रहे हैं, जब उन्होंने indianblooddonors.com वेबसाइट की शुरुआत उन लोगों के लिए की थी, जिन्हें खून की जरूरत होती है। आज उन्होंने अकेले अपने दम पर ही 40 लाख रुपए से ज्यादा की भोजन और राहत सामग्री इकट्ठा की है, जिससे 6000 परिवारों की मदद हुई है। इसके अलावा उन्होंने गरीबों तक भोजन पहुंचाने के लिए दो टन चावल कुछ एनजीओ को दान किए हैं। वे देश के कई शहरों में 21 'सेवा किचन्स' चला रहे हैं। इन सेवा किचन्स ने ऑनलाइन डोनेशन प्लेटफॉर्म donatekart.com से टायअप किया है, ताकि गरीबों को खाना मिल सके।

जो भी व्यक्ति दान करना चाहता है, वह donatekart.com पर जाकर 616 रुपए की किट गरीबों में बांटने के लिए खरीद सकता है। किट में 5 किग्रा चावल, 5 किग्रा आटा, 1 किग्रा तुअर दाल, आधा किग्रा शक्कर, 750 मिली तेल, एक छोटा पैकेट नमक, मसाले और अचार होते हैं। मौजूदा महामारी में राहत कार्य के लिए पोचा वाट्सएप ग्रुप्स, अपनी वेबसाइट्स, जैसे ब्लड डोनेशन की वेबसाइट और sevakitchen.org और अन्य एप्स के माध्यम से मदद के निवेदन भेज रहे हैं। इन्हें डोनेटकार्ट की मदद मिल रही है, जो उन्हें जरूरत का सामान उपलब्ध करा रही है। निवेदन इस वेबसाइट के माध्यम से जाते हैं और दानदाता अपना योगदान देते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर पैसा शामिल नहीं है। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि मुसीबत में गरीबों की मदद कर रहे पोचा की सेवाओं की सराहना करने के लिए ठाकरे ने उन्हें फोन किया।

पोचा के समूह की पहुंच बढ़ाने में सोशल मीडिया ने काफी मदद की। साल 2016 में पोचा ने गरीबों की मदद करने के लिए ऑनलाइन पहल 'नेकी का पिटारा' शुरू की। इसके तहत अस्पतालों में एक फ्रिज रखा जाता है और उसमें फल, दूध, लस्सी, ब्रेड और अंडे जैसी चीजें रखते हैं, जिनका मरीज इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टॉक खत्म होने पर उस क्षेत्र से संबंधित ग्रुप पिटारा यानी फ्रिज दोबारा भर देता है। फिलहाल देश के कई शहरों में ऐसे 20 पिटारा हैं।

फंडा यह है कि नई दुनिया में खुशरू पोचा जैसे शांत योद्धा अधिक होने चाहिए क्योंकि हम स्वार्थी होकर इस दुनिया से मानवता को मिटने नहीं दे सकते।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

जीवन की लंबाई नहीं, गहराई मायने रखती है।
- आरडब्ल्यू इमर्सन

कोरोना से लड़ाई का संदेश, मुंबई में सीएसटी को सजाया

मुंबई | मुंबई में कोरानावायरस के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने का संदेश देने के लिए छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी) को आकर्षक लाइट से सजाया गया है। सीएसटी दुनिया की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। यह देश का सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन है। लॉकडाउन के कारण यह स्टेशन बंद है। इससे पहले दुनियाभर में ऐतिहासिक इमारतों को कोरोना से लड़ाई का संदेश देने के लिए सजाया जा चुका है। इसमें पेरिस का एफिल टावर और मिस्र के पिरमिड शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 221 केस बढ़े, अब तक 1982

होटल ताज के 6 कर्मचारी संक्रमित, धारावी बस्ती में भी 15 नए मामले आए

मुंबई में अस्पताल के बाहर ब्रिज के नीचे मरीज और उनके तिमारदार।

कोरोना का मरीज मिला तो अस्पताल से अन्य मरीजों को बाहर किया

भास्कर न्यूज | मुंबई

मुंबई के होटल ताज महल पैलेस के 6 कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक होटल ने कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों और अन्य कर्मियों के ठहरने की व्यवस्था की थी। उसके बाद उसने अपने 500 कर्मचारियों की जांच कराई। तब संक्रमण के मामले सामने आए। होटल का संचालन करने वाली इंडियन होटल्स कंपनी ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि उसने आंकड़े स्पष्ट नहीं किए हैं। उधर, धारावी स्लम बस्ती में रविवार को 15 नए मामले आए। यहां 43 मामले मिले हैं। बीएमसी के केईएम अस्पताल में कोराना मरीज मिलने के बाद ओपीडी खाली करवा लिया गया है। यहां से अन्य 60-70 मरीजों को उनके तीमारदारों सहित बाहर निकाल दिया गया है। ये लोग अस्पताल के पास फ्लाइओवर के नीचे रह रहे हैं। महाराष्ट्र में 221 केस बढ़कर 1982 हो गए हैं।

क्विक अपडेट

देश **अहमदाबादः घर के बाहर मास्क नहीं लगाया तो जेल होगी**

कर्नाटकः राज्य परिवहन ने लॉकडाउन की अवधि में बढ़ोतरी को देखते हुए सभी बस बुकिंग रद्द की।

छत्तीसगढ़ : कोरबा जिले में तब्लीगी जमात के सदस्यों के संपर्क में आए 7 लोग संक्रमित हुए।

तमिलनाडु : दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने जरूरी सामग्री नहीं मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया।

गुजरातः अहमदाबाद में मास्क नहीं लगाने पर 5 हजार रु. जुर्माना, जुर्माना नहीं भरा तो जेल होगी।

झारखंड : 60 साल के बुजुर्ग की मौत, यह राज्य में कोरोनावायरस के कारण दूसरी मौत।

नई दिल्लीः दिल्ली में एक और हॉटस्पॉट महावीर एन्क्लेव सील किया गया। कुल 34 स्पॉट सील।

केरलः एक ही दिन में 36 लोग कोरोना से पूरी तरह ठीक हुए। अब तक 179 ठीक हो चुके।

जम्मू-कश्मीर : कोरोनावायरस की स्थिति को देखते हुए 65 कैदियों को जेल से रिहा किया गया है।

विदेश **न्यूयॉर्क के महापौर ने कहा- स्कूल अब सितंबर में ही खुलेंगे**

यूएईः लॉकडाउन के कारण नया ट्रेंड दिखा, घरों से ही इंटरनेट के जरिए शादियां होने लगी हैं।

अमेरिकाः न्यूयॉर्क के महापौर ने कहा है कि सरकार से जुड़े स्कूल अब सितंबर में ही खुलेंगे।

सिंगापुरः कोरोनावायरस के 191 नए केस सामने आए। इनमें 51 भारतीय लोग भी शामिल हैं।

पाकिस्तान : सिंध प्रांत में बढ़ते जा रहे हैं कोरोना के मामले। पिछले 24 घंटे में 20 लोग पॉजिटिव।

श्रीलंकाः देशभर में कोरोनावायरस से मौत होने के बाद शव को जलाना अनिवार्य किया गया।

चीनः कोरोना फैलने के दौरान अफ्रीकी समुदाय के साथ भेदभाव बढ़ा। ज्यादा टेस्ट इन्हीं के हो रहे।

हांगकांग : लॉकडाउन तोड़कर लोग समुद्र तटों, आईलैंड पर घूमने गए। जुलूस में भी शामिल हुए।

रूस : रूस और चीन सीमा पर मौजूद सुईफेन्हे में 194 पॉजिटिव, मेडिकल एक्सपर्ट की टीम पहुंची।

देशः राजस्थान में एक दिन में 118, तमिलनाडु में 106 नए केस

राज्य	कुल मामले	नए केस	मौतें	ठीक हुए
महाराष्ट्र	1982	221	149	217
दिल्ली	1154	85	24	27
तमिलनाडु	1075	106	11	50
राजस्थान	796	118	9	63
मध्यप्रदेश	553	83	43	38
गुजरात	516	48	24	44
तेलंगाना	503	16	14	96
उत्तर प्रदेश	483	31	5	46
आंध्रप्रदेश	420	15	7	11
केरल	375	2	2	179

(रात 12:00 बजे तक के आंकड़े)

अफवाहों के विरुद्ध भास्कर की पहल

कोरोना पर सोशल मीडिया पर बहुत सी खबरें वायरल हो रही हैं। इनमें से कई समाचार झूठे हैं। भास्कर ऐसी खबरों की पड़ताल करेगा और पाठकों को सच्चाई बताएगा।

वायरलः हर 15 मिनट में पानी पीने से कोरोना फेफड़ों तक नहीं पहुंच पाता।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हर 15 मिनट में पानी पीने से कोरोना की रोकथाम नहीं की जा सकती। वायरस हजारों की संख्या में होते हैं।

कोरोना के लिए सरकारी हेल्पलाइन...
वॉट्सएप नंबर 90131-51515 पर मैसेज करें।
नेशनल हेल्पलाइन 011-23978046 पर कॉल करें।

नई नीति • लॉकडाउन के बीच केंद्र सरकार के मंत्री- अफसर काम पर लौटेंगे

आज से हर दिन पीएमओ से मंत्रालयों की मीटिंग, एक तिहाई स्टॉफ ऑफिस में होंगे

लॉकडाउन के दौरान अभी तक कुछ मंत्री-अफसर ही मंत्रालय आ रहे थे

भास्कर टीम | नई दिल्ली

लॉकडाउन के बीच केंद्रीय मंत्रालयों में सोमवार से मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों समेत करीब एक तिहाई स्टाफ काम पर लौटेगा। अभी कुछ मंत्री और अधिकारी जरूरत पड़ने पर मंत्रालय आ रहे थे। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालयों के साथ पीएमओ रोज कम से कम एक बार मीटिंग करेगा। इससे काम में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। शुरुआती दौर में आर्थिक स्थिति सुधारने का रोडमैप, संबंधित मंत्रालयों की दिक्कतों के बारे में उनसे जानकारी ली जाएगी। इस संबंध में नीति आयोग, मानव संसाधन मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय और सूचना प्रोद्यौगिकी मंत्रालयों के प्रतिनिधियों से हमने बात की। सभी ने कहा कि सुरक्षाकर्मी मंत्रालय के अंदर आने वाले हर व्यक्ति का थर्मल चेकअप करेंगे। मीटिंग में सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा जाएगा।

अलग-अलग मंत्रालयों ने दिखाई कामकाज में तेजी लाने की तैयारी

दिल्ली के नेहरू प्लेस कोरोना के कारण वीरान पड़ा है।

अन्य विभागः नीति आयोग में ई फाइलिंग से काम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मीटिंग होगी

नीति आयोगः वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से ज्यादा मीटिंग की जाएगी। ई-फाइलिंग से जरूरी फाइलों का निपटारा करेंगे।

उपभोक्ता मंत्रालयः सचिव पवन अग्रवाल ने कहा कि हर अधिकारी को एक-दो राज्यों का जिम्मा दिया जाएगा।

रक्षा मंत्रालयः अतिरिक्त महानिदेशक (मीडिया) भारत भूषण बाबू ने कहा कि मंत्रालय में 100 अधिकारी पहुंचेंगे। पहली प्राथमिकता कोरोना के खिलाफ जंग तेज करना है। सेना के 28 अस्पताल पहले से ड्यूटी निभा रहे हैं।

मानव संसाधन मंत्रालयः निशंक बोले-कोरोना पर शोध के लिए नेटवर्क तैयार करने जा रहे

मानव संसाधन मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा- संस्थाओं, शोधकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करेंगे, ताकि कोरोना संबंधित शोध शुरू हो। उधर, जल शक्ति मंत्रालय के सचिव यूपी सिंह ने कहा कि हम जल शक्ति अभियान में तेजी लाएंगे।

विदेश मंत्रालयः विदेश मंत्रालय में विशेष कोरोना कॉर्डिनेटर दामू रवि ने कहा- हम तत्परता से भारतीयों को विदेश से लाए। हमारी प्राथमिकता उन लाखों भारतीय छात्रों को स्वदेश लाने की है जो कोरोना के हॉट जोन में हैं।

कृषि मंत्रालयः तोमर बोले- रोज मंत्रालय जाता हूं, घर से भी काम किया, आगे भी करूंगा

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- मैं मंत्रालय जा रहा हूं। घर से भी काम कर रहा हूं। लॉकडाउन में भी हमने विभिन्न योजनाओं की रकम सीधे खातों में भेजी। काम और तेज होगा।

अल्पसंख्यक मामलेः अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- वीडियो कांफ्रेंसिंग और संचार माध्यमों से भी अधिकारियों से चर्चा की जाएगी।

नागरिक उड्डयनः मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा- बिना रुके लगातार 20 दिनों से कार्य कर रहे हैं। आगे भी कार्य करेंगे।

भारतीय राजदूत को छात्रों ने बताई समस्या

अमेरिकाः संधू भारतीय छात्रों से बोले- अभी यहीं रुकना ठीक

वॉशिंगटन | अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने 500 भारतीय छात्रों से इंस्टाग्राम सेशन में बातचीत की। यूनिवर्सिटी अचानक बंद कर दिए जाने और लॉकडाउन के चलते ये छात्र परेशान हैं। संधू ने छात्रों से कहा है कि जहां हैं वहीं रहें। यदि कोई परेशानी होगी तो जरूर मदद करेंगे। इस सेशन का संचालन इंडिया स्टूडेंट हब टीम की ओर से किया गया। अमेरिका में करीब 2.5 लाख भारतीय छात्र है, जिनमें से काफी छात्रों को यूनिवर्सिटी बंद होने के बाद होस्टल को खाली करने के लिए कहा गया। इसके बाद से ही वे फंसे हुए हैं। संधू ने छात्रों ने कहा है कि स्थिति सामान्य होने तक अमेरिका में ही रुकना ठीक है। स्थति सुधरने पर ही यात्रा करना उचित होगा।

विदेश से आए केस, 63 में लक्षण नहीं दिखे

चीनः 1 महीने बाद पहली बार 99 नए मामले आए, चिंता बढ़ी

बीजिंग | चीन में कोरोना के 99 नए मामले सामने आए हैं। यह पिछले एक महीने में सबसे ज्यादा हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इनमें 63 ऐसे मामले भी हैं, जिनमें लक्षण नहीं दिखे थे। देश में कोरोना मरीजों की संख्या 82,052 हो गई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक नए मामलों में से 97 वे हैं जो हाल में विदेश से लौटे हैं। हुबेई प्रांत और राजधानी वुहान में नियंत्रण के बाद कोरोना के मामलों का फिर बढ़ना चिंता का विषय है। आयोग के प्रवक्ता मी फेंग ने लोगों से रक्षात्मक उपायों को मजबूत करने और भीड़ से बचने को कहा। अन्य देशों में फंसे चीनी नागरिकों के लौटने के बाद मामले बढ़ने लगे हैं। ऐसे लोगों की जांच कर उन्हें 14 दिन के लिए क्वारेंटाइन सेंटर में भेजा जा रहा है।

यूरोप में 75 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

ब्रिटेन में 10 हजार का आंकड़ा पार, अमेरिका में 20 हजार मौतें

लंदन | कोरोनावायरस ने ब्रिटेन में 10,000 से ज्यादा जानें ले ली हैं। यहां पिछले 24 घंटे में 737 लोगों की मौत हुई। मौतों का आकंड़ा 10,612 पर पहुंच गया है। उधर, पीएम बोरिस जॉनसन रविवार को अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर वापस लौट आए हैं। यूरोप में अब तक 75 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। उधर कोरोना ने अमेरिका में मौतें रुक नहीं रहीं हैं। 32 करोड़ की जनसंख्या वाले इस देश में 5.3 लाख पॉजिटिव केस हैं और 20 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। यह अमेरिका के 100 साल के इतिहास की सबसे भयावह त्रासदी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रम्प कोरोना के खतरे को समझ नहीं पाए, इसलिए स्थिति बिगड़ती गई। हजारों लोगों को जान गंवानी पड़ी।

विशेषज्ञ बोले- जांच में तेजी लाएं

देश के 80% लोग संक्रमित हुए तो बाकी में हर्ड इम्यूनिटी पैदा होगी, पर बचाव ही रास्ता

सोशल डिस्टेंसिंग से बेहतर दवा कोई नहीं

पवन कुमार | नई दिल्ली

कोरोनावायरस का खतरा कब तक देश में रहेगा, कितने लोगों को जद में लेगा, आगे यह अपनी प्रकृति में बदलाव करेगा या हमारे अंदर इस वायरस को झेलने की शक्ति पैदा हो जाएगी, कैसे भविष्य में इस पर काबू पाया जा सकता है। इन तमाम सवालों पर हमने दो विशेषज्ञों डॉ. चंद्रकांत एस. पांडव और डॉ. नरेंद्र अरोड़ा से विशेष बातचीत की। डॉ. पांडव 40 साल दिल्ली एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में काम कर चुके हैं। डॉ. अरोड़ा एपिडेमियोलॉजिस्ट हैं। वह भी 35 साल दिल्ली एम्स में काम कर चुके हैं। अब शोध संस्था इन्क्लेन के कार्यकारी निदेशक हैं।

▪ देश में कब तक कोरोना का खतरा रहेगा। कितने लोग इससे प्रभावित हो सकते हैं?

यह वायरस बहुत लंबे समय तक साथ रहेगा या यूं कहें कि अब यह हमारे साथ ही रहेगा। यह कितना खतरनाक होगा, अभी तक के अनुभव से अंदाजा लग गया है। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया तो इसके संक्रमण से हम लंबे समय तक बच सकते हैं। ऐसा न किया तो भविष्य में देश की 70 से 80% आबादी इस वायरस की चपेट में आ सकती है।

▪ 70 से 80% आबादी इस वायरस के चपेट में आई तो बाकी लोगों में क्या हर्ड इम्युनिटी विकसित होगी?

हां, 70 से 80% आबादी वायरस से प्रभावित होने के कारण बाकी 20% लोगों में कोरोना से लडने की क्षमता यानी हर्ड इम्युनिटी पैदा हो जाएगी, लेकिन बड़ी आबादी एक साथ संक्रमित हुई तो हम उन्हें नहीं संभाल पाएंगे। हम इतनी बड़ी आबादी के एक साथ संक्रमित होने की सोच भी नहीं सकते। इसलिए सरकार बचाव और रोकथाम के उपाय कर रही है। इसी से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या कम की जा सकती है।

इतने बड़े देश में सोशल डिस्टेंसिंग जैसे उपायों पर अमल कब तक संभव है?

सोशल डिस्टेंसिंग से अच्छा विकल्प फिलहाल नहीं है। कोरोना से बने हालात एक से डेढ़ साल रह सकते हैं। दुनियाभर में वैज्ञानिक कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन और दवा पर काम रहे हैं। हालांकि, जान बचाने के लिए लोगों को बुनियादी चीजें भी उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए देश को इमरजेंसी कॉरिडोर बनाना चाहिए।

एक से डेढ़ वर्ष में दवा या वैक्सीन आने की संभावना है तो क्या इतने दिन लोग वायरस से संक्रमित होते रहेंगे?

बिल्कुल नहीं, जब तक कोई दवा या वैक्सीन नहीं आती है तब तक इस वायरस से बचने की दवा और वैक्सीन एक-दूसरे से दूरी, खांसते और छींकते समय नाक-मुंह पर रूमाल या टिश्यू पेपर रखना, साफ-सफाई ही सबसे अच्छी दवा और वैक्सीन होगी।

क्या भारत में कोरोनावायरस की जांच कम हो रही है?

शुरुआती दौर से ही ज्यादा जांच होनी चाहिए थी। जांच का दायरा अब और बढ़ाना चाहिए क्योंकि अब तो ऐसे मरीज आ रहे हैं जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखे थे। अलग-अलग राज्यों के जिलों में रैंडम सैंपलिंग करके जांच होनी चाहिए। इससे निष्कर्ष निकलेगा कि वायरस कहां और किस रूप में फैला हुआ है। इसके बाद इस संकट से निपटने में नीति बनाने में आसानी होगी। राजस्थान के भीलवाड़ा और केरल का मॉडल इसके उदाहरण हैं। जिस इलाके में संक्रमित लोग मिले उसे पूरी तरह से लॉकडाउन करना ही होगा।

भास्कर खास • अमेरिका के अस्पताल में काम कर रहीं डॉक्टर रेखा भंडारी ने बताया कि स्थिति कितनी खौफनाक

न्यूयॉर्कः चंद घंटे में दम तोड़ रहे लोग, जानती हूं कि मुझे भी संक्रमण हो सकता है; भारत की तरह लॉकडाउन होता तो इतनी जानें नहीं जातीं

वीरेंद्रसिंह चौहान | जोधपुर

कोरोना से जूझ रहे अमेरिका में मरीजों को बचाने के लिए जोधपुर की डॉ. रेखा भंडारी भी जुटी हैं। न्यूयॉर्क स्थित एल्लूर नर्सिंग होम में सीएमओ रेखा 100 डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टाफ को लीड कर रही हैं। यह नर्सिंग होम बुजुर्गों के इलाज के लिए ही बना है। डॉ. रेखा पर 2000 बुजुर्गों की जिम्मेदारी है। उनके यहां 90 से ज्यादा कोरोना के मरीज भर्ती हैं।

डॉ. रेखा कहती हैं- तमाम कोशिशों के बावजूद कई मरीज चंद घंटों में दम तोड़ रहे हैं। हमारा हेल्थ सिस्टम दुनिया में श्रेष्ठ माना जाता है। पर हमने शायद इस वायरस को कम आंका। देश में अब तक भी लॉकडाउन नहीं हुआ है। शायद भारत की तरह यहां भी लॉकडाउन किया जाता तो इतनी मौतें नहीं होती। उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क में तो वेंटिलेटर्स की भी कमी हो रही है। दिन में 12-14 घंटे तक काम करना पड़ा रहा है। चीफ होने की वजह से मुझे 24 घंटे फोन पर भी मौजूद रहना होता है। डॉ. रेखा ने कहा कि घर पर मैं कई दिनों से फैमिली से अलग कमरे में रह रही हूं। घर पहुंचते ही जूते, कपड़े सब गैरेज में रखकर स्नान करती हूं, इसके बाद अलग कमरे में ही खाना, सोना होता है। अपने मरीजों की ऐसी स्थिति और लगातार काम से तनाव होने लगा है। रास्ते में लगातार गुजरती एंबुलेंसों की आवाजें सुनाई देती हैं, हॉस्पिटल पहुंचते ही सीपीआर की प्रोसेस दिखती है। इन सबसे उबरने के लिए प्राणायाम करती हूं, कार में जाते वक्त भजन सुनती हूं। लगातार इलाज करते हुए लगता है कि ये संक्रमण मुझे भी हो सकता है, फिर भी जुटी हूं। चिंता अपनी नहीं, परिवार की है। इन परिस्थितियों में पति प्रेम भंडारी हौसला बढ़ा रहे हैं।

रेखा बताती हैं कि उनके अस्पताल में रहने के कारण घर पर भी संक्रमण फैलने का डर रहता है। इसलिए उन्होंने 89 वर्षीय ससुर को भी जेठजी के घर भेज दिया। इन हालात में खुद को संभाले रखने के लिए वे योग करती हैं। कहीं भी जाती हूं, तो सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखती हूं। सभी को यही सलाह देती हूं कि अपने फेफड़े और प्रतिरोधकता मजबूत करें। घर पर ही रहें।

अस्पताल जाने में डर लगता है, पर खुद को संभाल लेती हूं

कोरोना मरीजों के इलाज के इस युद्ध में मैं कई साथियों को खो चुकी हूं। मेरे ही फ्लोर के 40 वर्षीय सर्जन ने दम तोड़ दिया। मरीजों की मदद के लिए आने वाले एक सोशल वर्कर को सावधानी रखने का कहा था। कुछ ही दिन बाद उनकी संक्रमण से मौत हो गई। एक मेड ने मुझसे पूछा था कि- यह किट हमें संक्रमण से बचा लेगा, मैंने उसे एहतियात रखने को कहा। कोरोना ने उसे भी नहीं छोड़ा। हॉस्पिटल में घुसते वक्त एकबारगी हाथ-पैर कांपते हैं। हालांकि एक डॉक्टर का फर्ज जानती हूं, इसलिए खुद को संभाल लेती हूं।

प्रवासी मजदूरों के लौटने से भारत समेत पड़ोसी देशों में बढ़ेगा संक्रमणः वर्ल्ड बैंक

एजेंसी | वॉशिंगटन

वर्ल्ड बैंक ने रविवार को कहा कि अपने देश लौट रहे प्रवासी मजदूरों से भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में कोरोनावायरस का संक्रमण बढ़ेगा। अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया, खासकर उसके शहरी इलाके, विश्व में सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्र हैं और घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकना क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती है। इससे संक्रमण फैलना आसान हो जाता है। खासकर सबसे कमजोर लोगों के बीच जो कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग और प्रवासी मजदूर हैं। हालांकि, दक्षिण एशिया के लिए एक छोटी सी राहत यह है कि यहां 65 साल से ज्यादा की आबादी अमेरिका और चीन की तुलना में कम है। यह मृत्यु दर को भी सीमित करती है। दक्षिण एशियाई देशों के पास सैनेटाइजर, मास्क और वेंटिलेटर जैसे मेडिकल उपकरणों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है।

*This content is licensed for personal use only, not for any commercial use.

दैनिक भास्कर समूह | 3 भाषाएं | 12 राज्य 65 संस्करण

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर मध्यप्रदेश | छत्तीसगढ़ | राजस्थान | नई दिल्ली | पंजाब चंडीगढ़ | हरियाणा | हिमाचल प्रदेश | झारखंड | बिहार
दिव्य भास्कर गुजरात | महाराष्ट्र दिव्यं मराठी महाराष्ट्र

dainikbhaskar.com | रायपुर, सोमवार 13 अप्रैल, 2020

ईस्टरः पोप ने वेटिकन के सबसे बड़े चर्च में 35 लोगों के बीच दिया उम्मीद का संदेश

पिछले साल 70 हजार लोग जुटे थे सेंट पीटर्स बासिलिका चर्च में

एजेंसी | वेटिकन सिटी

दुनिया भर में बसे 130 करोड़ कैथोलिक ईसाइयों ने रविवार को घर में रहकर ईस्टर मनाया। कोरोनावायरस के कारण इस बार कोई चर्च नहीं गया। ईस्टर के मौके पर ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने वेटिकन सिटी के सबसे बड़े चर्च सेंट पीटर्स बासिलिका के भीतर प्रार्थना की। पिछले साल ईस्टर पर यहां करीब 70 हजार लोग जुटे थे, इस बार महज 30-35 लोग मौजूद थे। कोरोना के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का संदेश देते हुए पोप ने कहा- 'ईस्टर का मौका 'अंधकार के समय में' उम्मीद का संदेश देता है। दुनिया को कोरोना के डर के आगे झुकने की जरूरत नहीं है। बहुत सारे ईसाई घरों में ही प्रार्थना कर रहे हैं। चर्चों में होने वाली प्रार्थना को लोगों ने यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग से देखा।'

21 हजार वर्गमीटर में बना है बासिलिका चर्च

सेंट पीटर्स बासिलिका चर्च वेटिकन सिटी का सबसे बड़ा चर्च है। यह 21,095 वर्ग मीटर में बना है। कोरोनावायरस के चलते इस बार यहां लोग नहीं जुटे। इस कारण चर्च की भव्यता अलग ही दिखाई दी। पोप हर साल यहीं प्रार्थना करते हैं।

पोप बोले- ईस्टर का मौका 'अंधकार के समय में' उम्मीद का संदेश देता है।

ईस्टर के मौके पर पोप ने सदियों पुरानी परंपरा तोड़ी। इस बार उन्होंने अपना भाषण लोगों के सामने देने के बजाय लाइव स्ट्रीमिंग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए दिया। यह पहला मौका था, जब पोप फ्रांसिस ने अकेले ही प्रार्थना की।

पिछले साल पूरा भर गया था चर्च

▪ **तस्वीर** पिछले साल ईस्टर की है। तब सेंट पीटर्स बासिलिका चर्च में धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का भाषण सुनने के लिए करीब 70 हजार लोग जुटे थे।

हमलावरों को श्रीलंका ने माफ किया

▪ **श्रीलंका** के चर्च में पिछले साल ईस्टर की सुबह हमला करने वाले आतंकियों को माफ कर दिया है। चर्च के कार्डिनल मैल्कम रंजीथ ने रविवार सुबह एक टीवी स्टूडियो के जरिये प्रसारित ईस्टर प्रार्थना के दौरान कहा- 'जिन दुश्मनों ने हमें तबाह करने की कोशिश की, हम उन्हें माफ करते हैं।' 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर की सुबह हमलावरों ने तीन चर्चों और तीन होटलों में धमाके किए थे। इनमें 279 लोगों की जान चली गई थी।

विशाखापट्टनम की नगर निगम आयुक्त ने रद्द की 6 महीने की मैटरनिटी लीव, बोलीं- कोरोना से लड़ाई में मेरी जरूरत यहां

डिलीवरी के 22 दिन बाद ही बच्चे को लेकर ड्यूटी पर पहुंचीं सृजना

कहा-मेरा लक्ष्य लोगों को शुद्ध पानी देना और साफ सफाई बनाए रखना

बोमन्ना रेड्डी | विशाखापट्टनम

विशाखापट्टनम नगर निगम आयुक्त जी. सृजना इन दिनों दो बड़ी भूमिकाएं एक साथ निभा रही हैं। एक जिम्मेदारी घरेलू मोर्चे पर तो दूसरी सामाजिक दायित्व के मोर्चे पर। दरअसल, उन्होंने अपने 22 दिन के बेटे के साथ पिछले दिनों ड्यूटी ज्वाइन की है।

वे 6 महीने की मैटरनिटी लीव पर थीं, लेकिन 21 दिन का लॉकडाउन घोषित होते ही अपनी छुट्टियां रद्द करते हुए काम पर लौट आईं। पहले दिन जब वे दफ्तर पहुंची तो बच्चा उनकी गोद में था। हालांकि संक्रमण के खतरे को देखते हुए अब वे उसे पति के पास छोड़कर आ रही हैं। सृजना क्षेत्रीय स्तर पर साफ-सफाई के कामकाज की निगरानी कर रहीं हैं। गरीबों को रोजमर्रा की चीजें उपलब्ध कराने में दूसरे विभागों और अधिकारियों से समन्वय बनाना भी उनके जिम्मे है। वे कहती हैं- कोरोना नियंत्रण के लिए तेज प्रयास किए जा रहे हैं। विशाखापट्टनम में लोग एहतियात बरत रहे हैं। अभी जरूरत अपनी इस भूमिका को पूरी जिम्मेदारी से निभाने की है। मेरा लक्ष्य लोगों के लिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करना और साफ सफाई बनाए रखना है।'

हर चार घंटे में घर जाकर बच्चे की भी देखभाल

भास्कर से बातचीत में सृजना ने कहा- बच्चे को मां की जरूरत होती है, लेकिन मैंने व्यक्तिगत जरूरतों को फिलहाल अलग रखा है। मैं बच्चे को ऑफिस लेकर आ रही थी, लेकिन सबके कहने के बाद अब उसे घर पर छोड़कर आ रही हूं। हर चार घंटे में जाकर बच्चे को फीड करा रही हूं। वकील पति भी उसकी देखरेख करते हैं। मेरे परिवार के हर सदस्य से मुझे सपोर्ट मिल रहा है। कोरोना नियंत्रण में हर व्यक्ति इस तरह अपनी भूमिका निभा सकता है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट • दक्षिण एशिया के देशों की जीडीपी विकास दर 1.8 से लेकर 2.8% रहने का आकलन

कोरोना संकटः दक्षिण एशिया में 4 दशक की सबसे कम ग्रोथ की आशंका, भारत 1.5-2.8% की दर से आगे बढ़ेगा

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में मंदी का खतरा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत समेत अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 40 साल के बाद सबसे कम आर्थिक वृद्धि दर रिकॉर्ड की जा सकती है। इन देशों में अर्थव्यवस्था अधिकतम वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत पर सिमट सकती है। कोरोनावायरस संकट के बीच विश्व बैंक की रविवार को जारी एक रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है।

विश्व बैंक ने "दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था पर ताजा अनुमानः कोविड-19 का प्रभाव" रिपोर्ट पेश की है। इसमें दक्षिण एशियाई क्षेत्र के आठ देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान को शामिल कर अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है कि सभी आठों देशों की अर्थव्यवस्था 1.8 फीसदी से लेकर 2.8 फीसदी की दर से बढ़ेगी। जबकि छह महीने पहले विश्व बैंक ने 6.3% वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। दक्षिण एशिया में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के बारे में विश्व बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वहां वृद्धि दर 1.5 से लेकर 2.8 फीसदी तक रहेगी। हालांकि विश्व बैंक ने 31 मार्च 2020 को खत्म हुए वित्त वर्ष 2019-2020 में 4.8 से 5 फीसदी की आर्थिक वृद्धि रहने का अनुमान जताया है।

प्रवासी मजदूरों को वित्तीय मदद और कारोबारियों को कर्ज से राहत मिलनी चाहिए

पांच देशों में तेज गिरावट का दौर और तीन देशों में मंदी

विश्व बैंक ने 7 अप्रैल तक सभी देशों के डाटा पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक भारत के अलावा विश्व बैंक ने अनुमान में जताया है कि श्रीलंका, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की आर्थिक विकास में तेज गिरावट दर्ज होगी। तीन अन्य देश- पाकिस्तान, अफगानिस्तान और मालदीव में मंदी आने का अनुमान है।

सप्लाई चेन प्रभावित, छोटे कारोबारी तबाह होने के करीब

कोरोनावायरस के फैलाव को रोकने के उपायों के कारण पूरे दक्षिण एशिया में सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। अकेले भारत में लॉकडाउन के कारण 1.3 अरब लोग घरों में बंद हैं, लाखों लोग बिना काम के हैं। लॉकडाउन ने बड़े और छोटे कारोबार को प्रभावित किया है। लाखों प्रवासी मजदूर शहरों से अपने गांवों को लौट चुके हैं।

सरकार ने अब तक 1.70 लाख करोड़ रुपए की दी राहत

विश्व बैंक ने कई सुझाव भी दिए। सरकारों को बेरोजगार प्रवासी श्रमिकों की समर्थन करने के लिए वित्तीय मदद देना चाहिए। साथ ही व्यापारियों और व्यक्तियों को ऋण राहत मिलनी चाहिए। हालांकि भारत ने एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए का आर्थिक प्लान पेश किया है। प्रभावित लाखों लोगों के खाते में सीधे पैसे भेजे जा रहे हैं।

गरीबों पर ध्यान देने की जरूरत

*दक्षिण एशियाई सरकारों की प्राथमिकता वायरस फैलाव को रोकने की है। ऐसे गरीबों पर ध्यान देने की जरूरत है जिनके सामने स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर इस असर पड़ने वाला है। -**हार्टविग शॉफर, वरिष्ठ अधिकारी, विश्व बैंक***

भास्कर फाउंडेशन की पहल

एक लाख परिवारों तक पहुंचा 1 हफ्ते का राशन

अब तक 40 शहरों में 1 लाख परिवारों को एक हफ्ते का राशन पहुंचाया जा चुका है। मदद का सिलसिला जारी है। आप इस तरह से दे सकते हैं दान।

UPI ट्रांसफर
किसी भी UPI एप (PhonePe, GooglePay, PayTM, BHIM) से दान के लिए आईडी-Q47105727@ybl है। QR स्कैन करके भी दान भेज सकते हैं।

नेट बैंकिंग (RTGS/NEFT)
बैंक का नामः HDFC बैंक
नाम : भास्कर फाउंडेशन
अकाउंट : 01441450000456
आईएफएससी : HDFC0000144

नाम	राशि	नाम	राशि
अरुणा ट्रेडर्स, राजनांदगांव	7000	रवि सिंह, रायपुर	2100
आरव एवं आराध्या, धरमपुरा जगदलपुर	5100	श्रीमती मीना महिलांग, रायपुर	2100
कृष्ण कांत आर्य, राजनांदगांव	3500	देवी प्रसाद सराफ एवं किरण सराफ, बिलासपुर	2100
नीरज सिंह चौहान, रायपुर	3500	कु. रूपा चौहान, रायगढ़	2100
आजाद कौशिक, रायपुर	2100	फ़ज़ल फ़ारूक़ी, दुर्ग	2100
		रिजवाना फ़ारूक़ी, दुर्ग	2100

हरियाणाः महिला जज पर हाथ उठाने के आरोप में पति के खिलाफ केस दर्ज

सिरसा | लॉकडाउन के कारण घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। ऐसा ही एक मामला हरियाणा के सिरसा में महिला जज की शिकायत पर दर्ज हुआ। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक कुलवंत कौर ने रविवार को बताया कि सिरसा कोर्ट की जज ने फोन कर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि उनके पति सुनील कुमार ने आपसी बातचीत को लेकर उनके ऊपर हाथ उठाया था। फिलहाल मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

झारखंड से यूपी पहुंची बारात, अलीगढ़ के अतरौली गांव में 22 दिन से दुल्हन के घर 'लॉकडाउन'

अलीगढ़ | उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ के अतरौली गांव में एक बारात पिछले 22 दिन से दुल्हन के घर पर रुकी है। दरअसल, झारखंड निवासी रामनाथ महतो अपने बेटे विजय महतो की बारात लेकर 21 मार्च को अतरौली पहुंचे थे। उस दिन शादी हो गई। 22 मार्च को बारात झारखंड के लिए रवाना होनी थी। लेकिन उसी दिन 'जनता कर्फ्यू' लग गया और बारात रवाना नहीं हो सकी। इसके बाद 21 दिनों का लॉकडाउन लगा दिया गया और बारात वहीं फंस गई। बाराती तब से दुल्हन के घर पर ही रह रहे हैं। दुल्हन के पिता नरपत राय ने कहा- 'अब उनके लिए दूल्हे और बारात की मेजबानी करना मुश्किल हो रहा है। जिला प्रशासन उन्हें जाने की अनुमति नहीं दे रहा है। हालांकि, बारात के एक समय के खाने का इंतजाम अधिकारी ही कर रहे हैं।'

20 दिन में 1507 किमी पैदल चलकर मुंबई से वाराणसी पहुंचा युवक, परिजन बोले- पहले जांच रिपोर्ट लाओ, तभी एंट्री मिलेगी

वाराणसी | उत्तर प्रदेश का एक युवक 20 दिन में मुंबई से 1507 किमी की दूरी पैदल तय करके रविवार को अपने घर वाराणसी पहुंचा। युवक ने फोन कर घरवालों को बताया कि वह बनारस आ गया है। लेकिन, परिवार ने उसे घर में आने से साफ मना कर दिया। परिजन ने कहा- कोरोना का टेस्ट कराकर रिपोर्ट लेकर आओगे, तभी घर में प्रवेश मिलेगा। इसके बाद युवक दीनदयाल अस्पताल टेस्ट कराने पहुंचा। नगर कोतवाली के गोलादिनानाथ का रहने वाला यह युवक मुम्बई में काम करता है। उसने बताया कि वह एक साल पहले मुंबई के नागपाड़ा गया था। वह वहां होटल में काम करता था। कोरोना के चलते होटल बंद हो गया। वो 23 मार्च को मुंबई से पैदल ही चला था। लॉकडाउन में उसे कोई साधन नहीं मिला।

कोरोना टेस्ट • 38 देशों के 500 वैज्ञानिकों ने बनाई प्रश्नावली, आरोग्य एप से भी जुड़ेगी

किचन के मसाले चखें, पता चल जाएगा कोरोना है या फ्लू

ननु जोगिंदर सिंह | चंडीगढ़

जल्द घर बैठे ही व्यक्ति कोरोना संक्रमण के लक्षणों की सही पड़ताल कर सकेगा। भारत समेत करीब 38 देशों के 500 वैज्ञानिकों ने एक प्रश्नावली तैयार की है। इससे आसानी से पता चल सकेगा कि किसी को कोविड-19 बीमारी है या आम फ्लू। दरअसल, दोनों बीमारियों के लक्षण कई मामलों में एक से हैं। इसलिए यह भांप पाना मुश्किल होता है कि कोविड का टेस्ट कराने की जरूरत है या नहीं। वैज्ञानिकों ने जिस प्रश्नावली को तैयार किया है, वह एक तरह का सर्वे है। इसमें आपके किचन में उपलब्ध मसालों और बूटियों को चखकर आपको जवाब देना होगा। इसी के आधार पर परिणाम पता चलेगा। भारत से सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट ऑर्गेनाइजेशन (सीएसआईओ) के डॉ. रितेश कुमार, डॉ. अमोल पी. भोंडेकर और डॉ. रिशमजीत सिंह भी इस समूह में काम कर रहे हैं। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज और आईआईटी दिल्ली के वैज्ञानिक भी इसका हिस्सा हैं। समूह सांस की बीमारी होने पर सूंघने और स्वाद आने की शक्ति कम होने की थ्योरी पर काम कर रहा है। इन दिनों रॉयल सोसायटी की फैलोशिप पर यूके में मौजूद डॉ. रितेश ने बताया कि सार्स के बाद दक्षिण कोरिया ने सबसे पहले इस पर स्टडी की थी। उसमें पता चला था कि ऐसे संक्रमण में 30% मामलों में स्वाद और गंध लेने की क्षमता पर असर पड़ता है। जिन देशों में एथिकल क्लीयरेंस मिल चुकी है, वहां अस्पतालों में भी इसे लागू किया जा चुका है। भारतीय वैज्ञानिकों ने भी सूंघने की क्षमता को चेक करने के लिए प्रश्नावली व एप तैयार किया है।

अप्रूवल का इंतजार

इसे भारत में लागू करने के लिए एथिकल अप्रूवल का इंतजार है। करीब डेढ़ दशक से स्वाद और सुगंध से जुड़े सेंसर पर काम कर रहे डॉ. अमोल ने बताया कि अप्रूवल के बाद इस प्रश्नावली या एप को भारत सरकार के आरोग्य सेतु के साथ जोड़ेंगे।

12 अप्रैल को प्रकाशित कोरोना विशेष क्रॉसवर्ड के जवाब

1 मुं	ब	2 ई	■	3 ज	य	4 पु	5 र	■	6 हॉ	7 ट	स्पॉ	8 ट	■	9 हे	ल्प	10 ला	इ	11 न	■
ह	■	सा	■	ब	■	12 ति	हा	ड़	■	प्प	■	13 न	या	■	■	इ	■	14 रें	ज
■	15 भा	ई	16 चा	रा	■	न	■	■	17 क	र	18 ना	ल	■	19 प	20 ह	ला	■	द्र	■
21 घ	र	■	इ	■	22 बा	■	23 त	बा	ह	■	जु	■	24 प	र	वा	ज	■	25 मो	ड़
■	26 त	27 ह	स	28 न	ह	29 स	■	■	र	■	30 क	31 रा	ह	■	ला	■	32 मं	दी	■
33 चि	■	र्जा	■	34 वा	र	दा	35 त	■	■	36 चा	■	37 ज	न	38 म	त	■	दि	■	39 के
40 कि	रा	ना	■	ज	■	■	41 बा	द	42 शा	ह	43 त	■	44 ना	श	■	45 द	र	का	र
त्सा	■	■	46 रा	श	न	■	ह	■	म	■	47 ला	गू	■	48 वि	शा	ल	■	■	ल
49 क	फ	50 न	■	री	■	51 बु	■	52 अं	त	■	श	■	53 नि	रा	■	54 ग	55 ह	रा	■
मीं	■	सिं	■	56 फ	रू	खा	बा	द	■	57 छीं	■	58 जं	ग	■	59 मा	त	म	■	60 गि
■	61 आ	ग	62 रा	■	■	र	■	63 रू	64 प	क	■	■	65 रा	ह	त	■	66 स	द	र
67 सी	ल	■	68 सा	म	69 ग्री	■	70 म	नी	ला	■	71 क	72 हा	नी	■	■	73 स्वा	ब	■	फ्ता
■	स्य	■	य	■	ष्म	■	हा	■	य	■	74 म	द	■	75 दे	■	ग	■	76 पा	र
77 क्वा	■	78 दु	नि	79 या	■	80 नि	रा	श	न	हों	■	81 सा	82 जि	श	■	83 त	84 ला	क	■
85 रें	ट	■	86 क	च	87 रा	■	ष्ट्र	■	■	■	88 बं	■	द	■	89 प	■	वा	■	90 सं
टा	■	91 वु	■	92 ना	म	क	■	93 भौ	94 ति	क	दू	95 री	■	96 पा	रि	वा	रि	क	ता
97 इ	म्ति	हा	न	■	म	■	98 भ्रा	म	क	■	99 क	ता	100 र	■	वा	■	स	■	प
न	■	न	■	101 मा	नो	■	ता	■	ड़	■	■	■	102 नि	वा	र	103 क	■	104 दं	■
■	105 हा	■	■	■	106 ह	त्या	■	107 मा	म	ले	■	108 दा	वा	■	■	109 या	110 द	गा	111 र
112 सें	नि	टा	इ	ज	र	■	113 टा	स्क	■	■	114 त	म	स	■	115 अ	स	र	■	क्षा

दैनिक भास्कर

पाठकों से विनम्र अनुरोध

वर्तमान में इस कठिन घड़ी में भी समाचार पत्र विक्रेता, वितरक बंधु आपके घरों तक अखबार पहुंचाकर बखूबी अपना धर्म निभा रहे हैं। अखबार के माध्यम से सच्ची एवं विश्वसनीय खबरें आप तक पहुंचे इसमें इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आपसे आग्रह है कि अपने वितरकों को अखबार के मासिक बिल का भुगतान थोड़ा त्वरित कर दें।

आप उनके खाते में पेटीएम, गूगल-पे या आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान करें तो ज्यादा बेहतर होगा अथवा आप नगद भुगतान भी कर सकते हैं।

ताकि उनका हौसला बना रहे और बिना किसी रुकावट के आपके घरों तक सच्ची और विश्वसनीय खबरों की दस्तक देते रहें।

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर | दिव्य भास्कर | दिव्यं मराठी | DainikBhaskar.com | DivyaBhaskar.com | homeonline.com
India's Largest Newspaper Group | 12 States | 65 Editions | 3 Languages

प्रकाशक एवं मुद्रक कमलकांत शर्मा द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला रायपुर से मुद्रित एवं दैनिक भास्कर, रजबंधा मैदान, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जी.ई. रोड, रायपुर से प्रकाशित। स्थानीय संपादक : शिव दुबे* आर.एन.आई. रजि. क्र.-47566/88, एम.पी./आई.वाय.पी./आर.ओ.आर.वाय.पी./01/2000/फोन-3988884 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।